हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,शनिवार | 22 फरवरी 2025 | वर्ष : 03 | अंक :51 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

दिल्ली के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश, अधिकतम तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज

एजेंसी

नई दिल्ली: राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में बृहस्पतिवार सुबह हल्की बारिश हुई और अधिकतम तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से 1.9 डिग्री अधिक है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी।दिल्ली में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से 3.2 डिग्री अधिक है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि दिल्ली में शुक्रवार को बादल छाए रहने और हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। उसने बताया कि दिल्ली में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 12.0 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।आईएमडी के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में बृहस्पतिवार को, पिछले 24 घंटों में 0.9 मिमी बारिश हुई। राजधानी में शाम 5.30 बजे आर्द्रता का स्तर 55 प्रतिशत दर्ज किया गया।केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में शाम छह बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 158 के साथ मध्यम श्रेणी में दर्ज किया गया।

उनको पता क्या है? मुख्यमंत्री का सपना देखते रहें; तेजस्वी पर ललन सिंह का तीखा तंज

ललन सिंह ने कहा कि तेजस्वी को प्रगति से क्या मतलब? उन्हें प्रगति का कुछ अनुभव है। कुछ काम किए हैं, तब ना कुछ प्रगति के बारे में मालूम होगा। 2005 से पहले से आज जो बिहार बनकर खड़ा है। ये उसी प्रगति यात्रा का परिणाम है।

एजेंसी

पटना: नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के अपराध पर नीतीश सरकार पर लगाए जा रहे आरोपों के जवाब में केंद्रीय मंत्री और मुंगेर से जदयू सांसद ललन सिंह ने तीखा तंज कसा है। उन्होंने कहा कि उन्हें कुछ पता है, अभी ज्ञान लेने की जरूरत है। 2005 से पहले कितना अपराध, कितना अपहरण होता था। अपराध का उद्योग चलता था, फिरौती कहां वसूली जाती थी। ये सब भी तो ज्ञान हासिल कर लें, उनको अभी ज्ञान कहां हैं। अनुभव की कमी है, कुछ अनुभव ले लें। ऐसे ही कागज जारी करने से उनको मुख्यमंत्री का पद नहीं मिलने वाला है। वो सपना देखते रहें।वहीं तेजस्वी के नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा को दुर्दशा यात्रा बनाते के बयान पर ललन सिंह ने कहा कि तेजस्वी को प्रगति से क्या मतलब? उन्हें प्रगति का कुछ अनुभव है। कुछ काम किए हैं, तब ना कुछ प्रगति के बारे में मालूम होगा। 2005 से पहले से आज जो बिहार बनकर खड़ा है। ये उसी प्रगति यात्रा का परिणाम है।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हर जिले में जाते हैं, घूमते हैं, बचे हुए काम का अध्ययन करते हैं। उसकी स्वीकृति देते हैं, फिर उस पर काम होता है। इन प्रक्रियाओं से उनको कोई मतलब नहीं है। उनको ज्ञान देना है, तो देते रहते हैं। उनके बयानों का वैसे भी कोई असर नहीं पढ़ने वाला है।वहीं लालू यादव के तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाने के आह्वान पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने का सपना देखने के लिए कोई रोक है क्या, आप भी सपना देख सकते हैं, कि आप पूरी दुनिया पर शासन कर रहे हैं। आप भी सपना देख लीजिए, सुबह उठिएगा तो पता ही नहीं चलेगा कि आप क्या सपना देखे थे।

मुख्यमंत्री बनने जा रहे तेजस्वी; ललन सिंह के 'सपने' वाले बयान पर तेज प्रताप की भविष्यवाणी

पटना: आरजेडी चीफ लालू यादव के बड़े बेटे और पूर्व मंत्री तेज प्रताप ने भविष्यवाणी की है, कि तेजस्वी यादव ही बिहार के मुख्यमंत्री बनेंगे, और नीतीश कुमार की गद्दी छूटने वाली है। तेज प्रताप का ये बयान केंद्रीय मंत्री और जदयू सांसद ललन सिंह के दावे पर आया है। जिसमें उन्होने कहा था कि मुख्यमंत्री का सपने देखने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन पूरा होने वाला नहीं है।बिहार सरकार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप ने कहा कि इस बार तेजस्वी ही मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। ये मेरी भविष्यवाणी है। ललन सिंह के कहने से कुछ नहीं होने वाला है। नीतीश की कुर्सी जाने वाली है, और तेजस्वी सीएम बनने वाले हैं। ललन सिंह का सपना टूटने जा रहा है।इससे पहले तेजस्वी यादव ने अपराधों की सूची जारी की थी। जिस पर ललन सिंह ने निशाना साधते हुए कहा था, कि अपराध किसे कहते हैं? जो सामान्य घटनाएं होती हैं वो अपराध है। अपने माता पिता के राज को भी देख लें, पता कर लें कि कितना अपराध होता था? अपहरण का उद्योग चलता था, फिरौती कहां वसूला जाता था? इसका भी ज्ञान प्राप्त कर लें उनका अभी ज्ञान कहां है। अनुभव की कमी है कुछ अनुभव ले लें। ऐसे ही कोई कागज जारी कर देने से मुख्यमंत्री का पद उनको नहीं मिलने वाला है।

तेज प्रताप ने कहा कि इस बार तेजस्वी ही मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। ये मेरी भविष्यवाणी है। ललन सिंह के कहने से कुछ नहीं होने वाला है। नीतीश की कुर्सी जाने वाली है, और तेजस्वी सीएम बनने वाले हैं। ललन सिंह का सपना टूटने जा रहा है।

सीएम रेखा गुप्ता ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से की मुलाकात, कहा- विकास यात्रा में आपका मार्गदर्शन सदैव मिलता रहेगा

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पदभार संभालने के एक दिन बाद शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की। उन्होंने राष्ट्रपति मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में और उपराष्ट्रपति धनखड़ से राष्ट्रीय राजधानी में उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में मुलाकात की। इससे पहले दिन में, रेखा गुप्ता ने समर्थकों से मुलाकात के दौरान आभार व्यक्त किया और कहा कि दिल्ली सरकार ने पहली कैबिनेट बैठक में ही आयुष्मान भारत योजना को मंजूरी दे दी, जिसे आप ने 'अवरुद्ध' कर दिया था। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने आगे के मुद्दों के बारे में भी बात की जिन पर आगामी कैबिनेट बैठकों में चर्चा की जाएगी।

मीडिया से बात करते हुए दिल्ली के नए सीएम ने कहा कि कल कैबिनेट बैठक में हमने आयुष्मान भारत योजना को मंजूरी दे दी, जिसे आप ने रोक दिया था। योजना जल्द ही सार्वजनिक डोमेन में होगी। आज, हमने कैबिनेट के साथ बैठक के लिए पीडब्ल्यूडी और जल बोर्ड के अधिकारियों को बुलाया है। हम गड्ढों के मुद्दे को उठाएंगे। सीएम रेखा गुप्ता ने भी लोगों से बातचीत की, क्योंकि शुक्रवार को बड़ी संख्या में लोग शालीमार बाग में उनके आवास के बाहर उनका स्वागत करने के लिए एकत्र हुए थे। लोग मालाएं और फूलों के गुलदस्ते लेकर उन्हें बधाई देने पहुंचे। रेखा गुप्ता ने गुरुवार को रामलीला मैदान में एक भव्य समारोह में दिल्ली की 9वीं मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्ली में भाजपा की दूसरी और राष्ट्रीय राजधानी में चौथी महिला मुख्यमंत्री हैं। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने रेखा गुप्ता और उनके मंत्रिपरिषद को पद की शपथ दिलाई। छह अन्य मंत्रियों प्रवेश वर्मा, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंदर इंद्राज सिंह, कपिल मिश्रा और पंकज कुमार सिंह ने भी पद की शपथ ली।

अरविंदर सिंह लवली होंगे दिल्ली विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर: विजेंद्र गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक और दिल्ली विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि अरविंदर सिंह लवली सदन मेंप्रोटेम स्पीकर की भूमिका निभाएंगे।प्रोटेम स्पीकरअस्थायी विधानसभा अध्यक्ष होते हैं, जो पूर्णकालिक अध्यक्ष के चुनाव तक सीमित समय के लिए सदन की कार्यवाही का संचालन करते हैं। गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा, दिल्ली की जनता के जोश और जुनून के अनुरूप कदम दर कदम आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री के साथ बैठक हुई है, जिसमें आगे की कार्यवाही कैसे आगे बढ़ेगी इस पर कुछ चर्चा हुई है।

प्रोटेम स्पीकर के सवाल पर गुप्ता ने कहा कि सदन की कार्यसूची शाम तक जारी कर दी जाएगी और यह भूमिका लवली अदा करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को 26 साल से अधिक समय के बाद दिल्ली में सरकार बनाई।

RJD के साथ फिर जाने वाले हैं नीतीश कुमार? एक बयान से मच गया नया सियासी बवाल

एजेंसी

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक बार फिर महागठबंधन के साथ जा सकते हैं? एक बयान ने फिर से राजनीतिक अटकलों को जन्म दे दिया है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दिल्ली के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह से विशेष रूप से अनुपस्थित रहे, जिससे राजनीतिक अटकलें तेज हो गईं। उनकी अनुपस्थिति पर प्रतिक्रिया देते हुए राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा कि नीतीश कुमार हमारे साथ आने वाले हैं, तो वह एनडीए की बैठक में क्यों शामिल होंगे? भाई वीरेंद्र के इस बयान से सियासी गलियारे में एक बार फिर तूफान उठ गया है। बता दें कि सीएम नीतीश कुमार के दिल्ली नहीं जाने को लेकर भले राजनीति शुरू हो गई है लेकिन शपथ ग्रहण समारोह में नहीं जाने के पीछे कई कारण था।

सीएम का पहले से भी कार्यक्रम तय था। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को रोहतास जिले में 1378.46 करोड़ रुपये की कुल 1220 विकासात्मक योजनाओं का उद्?घाटन एवं शिलान्यास किया। उन्होंने 1110.23 करोड़ रुपये की 1971 परियोजनाओं का शिलान्यास और268.22 करोड़ रुपये की 249 परियोजनाओं का उ?द्घाटन किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने जिले के करमचट, बादलगढ़, दुर्गावती और दिनारा में विभिन्न इको-टूरिज्म और एडवेंचर हब केंद्रों और बोट हाउस शिविरों का उद्घाटन व शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने चेनारी प्रखंड में मल्हीपुर पंचायत भवन का भी निरीक्षण किया और क्षेत्र में जीविका दीदियों के साथ बातचीत की।

यासीन मलिक को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए कार्यवाही में शामिल होने का निर्देश, सुप्रीम कोर्ट में 7 मार्च को होगी सुनवाई

एजेंसी

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जेल में बंद जेकेएलएफ नेता यासीन मलिक के मुकदमे को जम्मू के बजाय तिहाड़ जेल की अदालत में स्थानांतरित करने की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की मांग पर सुनवाई स्थगित कर दी। मूल रूप से इस दिन के लिए निर्धारित सुनवाई अब 7 मार्च को होगी। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने यासीन मलिक को वीडियो कॉन्फ्रेंस (वीसी) के जरिए कार्यवाही में शामिल होने का निर्देश दिया। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि हालांकि तिहाड़ जेल में सुनवाई करने की पूरी सुविधाएं उपलब्ध हैं, लेकिन वे मामले में मलिक का पक्ष भी सुनना चाहते हैं।सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जेल में बंद जेकेएलएफ नेता यासीन मलिक के मुकदमे को जम्मू के बजाय तिहाड़ जेल की अदालत में स्थानांतरित करने की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की मांग पर सुनवाई स्थगित कर दी। मूल रूप से इस दिन के लिए निर्धारित सुनवाई अब 7 मार्च को होगी। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने यासीन मलिक को वीडियो कॉन्फ्रेंस (वीसी) के जरिए कार्यवाही में शामिल होने का निर्देश दिया। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि हालांकि तिहाड़ जेल में सुनवाई करने की पूरी सुविधाएं उपलब्ध हैं, लेकिन वे मामले में मलिक का पक्ष भी सुनना चाहते हैं।मई 2023 में टेरर-फंडिंग मामले में विशेष एनआईए अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद मलिक को तिहाड़ जेल में रखा गया है।

मोदी को मोटरसाइकिल के पीछे बिठाकर घुमाने वाला शख्स बनेगा बीजेपी का नया अध्यक्ष? RSS से भी है तगड़ा कनेक्शन

एजेंसी

नई दिल्ली: मैं और मनोहर लाल पुराने साथी हैं। मनोहर लाल के पास एक मोटरसाइकिल रहती थी। वो उसे चलाते थे। मैं पीछे बैठता था। रोहतक से निकलता था। गुरुग्राम में पहुंचता था। उस समय पूरा सफर मोटरसाइकिल पर गुजरता था। आज मुझे खुशी हो रही है कि हम भी साथ है और आपका भविष्य भी साथ है। गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करते हुए मार्च 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दौरान पीएम मोदी ने खट्टर को लेकर पुराना किस्सा सुनाया। उन्होंने कहा कि इस एक्सप्रेसवे को लेकर हरियाणा सरकार और विशेष कर मुख्यमंत्री मनोहर लाल की तत्परता रही है। उस वक्त नायब सिंह सैनी नहीं बल्कि मनोहर लाल खट्टर हरियाणा के मुख्यमंत्री हुआ करते थे। भाजपा अपनी संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया के अंतिम चरण में है, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा सत्तारूढ़ पार्टी के शीर्ष पर पांच साल के कार्यकाल के अंत के करीब हैं। बीजेपी के मौजूदा अध्यक्ष जेपी नड्डा बीते चार सालों से अधिक समय से पार्टी के अध्यक्ष पद पर काबिज हैं। पिछले साल ही उनका कार्यकाल खत्म हो चुका था। लेकिन लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उनका कार्यकाल बढ़ा दिया गया था। अब हाल फिलहाल में किसी राज्य में विधानसभा चुनाव भी नहीं होने हैं।

सांसद पप्पू यादव की डॉक्टर भांजी समेत 4 लोगों की सड़क हादसे में मौत, महाकुंभ से लौट रहे थे

एजेंसी

पटना: पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव की भांजी और शहर की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सोनी कुमारी समेत 4 लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। सभी लोग महाकुंभ में स्नान करके वापस पूर्णिया लौट रहे थे। घटना गुरूवार रात यूपी के गाजीपुर जिले के बिरनो थाना क्षेत्र में वाराणसी- गोरखपुर फोरलेन पर खड़ी ट्राली में डॉक्टर की कार के टकराने बताई जा रही है। देर रात परिजनों को सूचना मिली, जिसके बाद परिजनों के साथ मृतक डाक्टर के पति मुकेश कुमार यादव गाजीपुर के लिए प्रस्थान कर गए हैं। मृतकों की पहचान मुरलीगंज दुर्गा स्थान चौक निवासी डॉक्टर की बुआ सास गायत्री देवी (55), अररिया के पलासी निवासी मेडिकल रिप्रजेन्टेटिव दीपक झा (30) एवं शहर के नेवालाल चौक निवासी मो बल्लु (35) के रूप में हुई है। जबकि खुश्कीबाग निवासी डाक्टर के क्लिनिक का कंपाउंडर विपिन साह (35) वर्ष गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज गाजीपुर स्थित अस्पताल में चल रहा है।गाजीपुर में सड़क हादसे में मृत डाक्टर सोनी कुमारी पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के रिश्ते में भांजी थी।

तेजस्वी के आरोपों पर नीतीश के बेटे निशांत ने संभाला मोर्चा, बोले- 100 परसेंट फिट हैं मुख्यमंत्री

एजेंसी

पटना:मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को थका हुआ, और अस्वस्थ होने की बात कहने वाले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को इस बार सीएम नीतीश के बेटे निशांत कुमार ने जवाब दिया है। पटना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान निशांत ने कहा कि पिताजी 100 प्रतिशत स्वस्थ हैं। साथ ही एक बार फिर से निशांत ने पिता नीतीश के कामों की तारीफ करते हुए कहा कि मेरे पिता ने अच्छा काम किया है। साथ ही अपील की, कि जनता फिर से उन्हें मुख्यमंत्री बनाए।आपको बता दें बीते कई मौकों पर तेजस्वी यादव सीएम नीतीश के स्वास्थ्य को लेकर निशाना साधते रहे हैं। तेजस्वी कह चुके हैं कि अब नीतीश थक गए हैं, वो अचेत रहते हैं, अधिकारी जितना बताते हैं, वहीं सही मानते हैं। वहीं दूसरी तरफ निशांत कुमार के एक्टिव राजनीतिक में एंट्री की अटकलों को बीच कयासबाजी जारी है।

कांग्रेस की सरकार बनी तो हर कस्बे में लगेंगे मुफ्त सेनेटरी वेडिंग मशीन-अलका लांबा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना 21 फरवरी, 2025आगामी विधान सभा चुनाव में अगर कांग्रेस की सरकार बनी तो प्रदेश के हर कस्बे में एक सेनेटरी वेडिंग मशीन स्थापित किया जाएगा। यह बात भारतीय राष्ट्रीय महिला कांग्रेस की अध्यक्षा अलका लांबा ने आज मिशन बिहार के तहत पार्टी मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में कही। इसके अलावा महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए लांबा ने प्रदेश के डबल इंजन की सरकार को जमकर लताड़ा। उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार महिलाओं को पुलिस में भर्ती कर महिला सशक्तिकरण का ढोल पिटते रहे लेकिन सेनेटरी पैड जैसी मौलिक स्वास्थ्य सुविधा भी मुहैया कराने में विफल रही। इसके लिए लांबा ने कांग्रेस की ओर से वैशाली में सेनेटरी वेडिंग मशीन जल्द स्थापित करने का प्रण लिया।वे आज मिशन बिहार के तहत ह्लअबकी बार बीजेपी-जदयू बिहार से बाहरह्ल का नारा दिया और प्रदेश की आधी आबादी को आगे आकर इसे साकार करने का संकल्प दिलाया। उन्होंने प्रेस वार्ता कर चुनावी साल में आधी आबादी की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया जिसके तहत प्रदेश के 40 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए 40 पर्यवेक्षक की नियुक्ति जल्द करने की बात कही। श्रीमती लांबा ने कहा कि महिला कांग्रेस की सदस्यता अभियान के तहत 5 लाख महिलाओं को कांग्रेस में शामिल होने पर खुशी जाहिर की और बिहार महिला कांग्रेस की ओर से 10 हजार महिलाओं को आन-लाइन सदस्यता दिलाने के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि बिहार के 80 हजार पोलिंग बुथ के लिए 80 हजार महिलाओं को प्रतिनियुक्त करने का लक्ष्य दिया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष व राज्य सभा सांसद डा0 अखिलेश प्रसाद सिंह खास तौर पर मौजूद रहे एवं बिहार में महिलाओं की समस्या को दूर करने के लिए प्रदेश कांग्रेस के संकल्प को दुहराया एवं हर तरह के सहयोग का आश्वासन दिया इस अवसर पर जो लोग मौजूद थे उनमें शामिल हैं-प्रभारी सचिव शहनवाज आलम, डा0 मदन मोहन झा, पूनम पासवान, ब्रजेश पाण्डेय, निर्मल वर्मा, राजेश राठौड़, प्रतिमा कुमारी दास, सरवत जहां फातिमा, अजय उपाध्याय, अमिता भूषण, कपिलदेव प्रसाद यादव, ज्ञान रंजन ,स्नेहाशीष वर्धन पांडेय , निधि पांडेय ।

पूर्व राज्यसभा सांसद अली अनवर अंसारी जदयू छोड़ हुए कांग्रेस में शामिल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, पूर्व राज्यसभा सांसद एवं वरिष्ठ जदयू नेता अली अनवर अंसारी आज अपने पूरे लाव-लश्कर के साथ कांग्रेस में औपचारिक रूप से शामिल हो गए। अनवर 2017 तक नीतीश कुमार के सहयोगी रहे लेकिन नीतीश के भाजपा के साथ गठजोड़ करने से आहत होकर जदयू का दामन छोड़ा था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डा0 अखिलेश प्रसाद सिंह ने अली अनवर एवं उनके दर्जनों सहयोगियों को कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता दिलायी, हालांकि इसकी घोषणा पहले दिल्ली में कर दी गई थी। इसके लिए पार्टी मुख्यालय सदाकत आश्रम में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रदेश अध्यक्ष डा0 सिंह ने पार्टी में अली अनवर का स्वागत करते हुए कहा कि अनवर साहब एक सामाजिक सरोकार वाले व्यक्ति रहे हैं लेकिन ये नीतीश के मिजाज को भाँप नहीं पाये। राजनीति में ऐसी भूलें हो जाया करती हैं। अली अनवर के कांग्रेस में आ जाने से बिहार कांग्रेस को मजबूती मिलेगी।

अली अनवर ने कहा कि वे मोदी के नफरत के बाजार में राहुल जी की मोहब्बत की दुकान की ओर आकर्षित होने के कारण कांग्रेस का हाथ थामने का निर्णय लिया। अनवर ने शपथ ली कि अपनी बची हुई पुरी जिन्दगी कांग्रेस को मजबूत करने में लगायेंगे। मालूम हो कि अनवर ऑल इंडिया पशमांदा मुस्लिम मुसलमानों का संगठन चलाते हैं और मुस्लिम समुदाय के अत्यंत पिछड़े समूहों के बीच काम करते रहे हैं। भाजपा मुसलमानों के इसी समुदाय को लुभाने की कोशिश करती रही है। जाहिर है कि अनवर के कांग्रेस में आने से भाजपा को झटका लगा है। इस मौके पर कृपानाथ पाठक, , ब्रजेश प्रसाद मुनन, राजकुमार राजन, डा0 अजय कुमार सिंह, लाल बाबू लाल, रीता सिंह, सौरभ सिन्हा, मृणाल अनामय, शशि भूषण राय, सतीश कुमार मंटन, शशि रंजन, राज छविराज, सुदय शर्मा, मो0 कामरान, अब्दुल बाकी सज्जन, राजेश मिश्रा आदि उपस्थित थे।

मदरसे के बच्चों के साथ मार पीट कर जय श्री राम का नारा लगवाने वाले चारों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है!

मौलाना अहसन ने पुलिस प्रशासन का किया शुक्रिया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

पिछले दिनों मदरसे के बच्चों के साथ मार पीट कर जय श्री राम का नारा लगवाने वाले चारों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है ! जिसमें 3 आरोपी नाबालिग और एक बालिग बताया जा रहा है ! अभी थोड़ी देर पहले मदरसे को हेड मौलाना अहसन से बात हुई है उन्होंने पुलिस प्रशान का शुक्रिया अदा कियो यह घटना सच में दुखद है, और यह नफरत की राजनीति को बढ़ावा देने का ही एक उदाहरण है। बच्चों के दिलों में नफरत की भावना को डालना समाज के लिए एक बहुत बड़ी समस्या है। समाज में एकता और मोहब्बत की आवश्यकता है, खासकर इस समय जब नफरत के जहर को फैलाने की कोशिशें हो रही हैं। बिहार और अन्य जगहों पर सरकार और समाज को मिलकर काम करना होगा ताकि इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके और बच्चों को सही दिशा में मार्गदर्शन दिया जा सके। बिहार की सरकार और नीतिश कुमार से यही उम्मीद जताई जा रही है कि वे इस तरह के अपराधों के खिलाफ सख्त कदम उठाएंगे और समाज में एकता और भाईचारे का माहौल बनाएंगे। यह हम सभी का कर्तव्य है कि हम नफरत की बजाय मोहब्बत को बढ़ावा दें और बच्चों को इन नफरती विचारधाराओं से बचाए रखें।

बताया जाता है कि पिछले दिनों मदरसा के छात्रों को जबरन जय श्री राम का नारा लगावाना एवं मारपीट करने का सोशल मीडियो पर वीडियो वायरल हुआ था इस पर पुलिस ने तत्पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है इसके लिए पुलिस का मौलाना ने शुक्रिया अदा किया उन्हें धन्यवाद दिया '

मदरसा बोर्ड की वस्तानिया की परीक्षा आज से

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी। बिहार राज्य मदरसा बोर्ड की ओर से वस्तानिया (आठवीं बोर्ड) की परीक्षा 22 से 26 फरवरी तक आयोजित की जायेगी। मदरसा हमीदिया दारुल बनात हुसैना के प्राचार्य मौलाना जियाउर्रहमान कासमी ने बताया कि परीक्षा एससीइआरटी पाठ्यक्रम पर आधारित कुल 100 अंकों की होगी। इसमें 30 नंबर के ऑब्जेक्टिव, 30 नंबर के लघुउत्तरीय और 40 नवंबर के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे. परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जायेगी. पहली पाली की परीक्षा सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2.30 से शाम 4.30 बजे तक आयोजित होगी. उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन 27 फरवरी से शुरू होगा। परीक्षा कार्यक्रम तिथि झ प्रथम पाली- दूसरी पाली 22 फरवरी -दिनायत -अरबी 23 फरवरी -उर्दू-अंग्रेजी 24 फरवरी-हिंदी-फारसी 25 फरवरी- गणित-समाज अध्ययन 26 फरवरी-विज्ञान

आलिम और फाजिल की परीक्षा दुसरे दिन भी शांतिपूर्ण ढ़ंग से जारी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी। मौलाना मजहरूल हक अरबी एवं फारसी विश्वविद्यालय पटना के द्वारा शुक्रवार को जिले के एकमात्र परीक्षा केंद्र पर आलिम व फाजिल की परीक्षा आयोजित की गयी। परीक्षा के दूसरे दिन कदाचार के आरोप में किसी भी परीक्षार्थी के निष्कासन की कोई सूचना नहीं है। मुख्यालय डुमरा स्थित एकमात्र उर्मिला देवी सदानंद यादव ग्रुरूकुल डिग्री कॉलेज परीक्षा केंद्र पर सीतामढ़ी एवं शिवहर जिले के परीक्षार्थी शामिल हुए। केंद्राधीक्षक नूतन रमण एवं ऑब्जर्वर अंजार अहमद ने बताया कि पहली पाली में कुल 510 के विरुद्ध 441 परीक्षार्थी उपस्थित हुए, जबकि 69 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार दूसरी पाली की परीक्षा में कुल 560 परीक्षार्थी के विरुद्ध 527 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 33 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

बिहार मे राजद का सरकार बनते सभी माताएँ, सभी बहनें के खातें में प्रतिमाह 2500 दिया जाएगा।

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

डंडारी / बेगुसराय दिनांक 21 फरवरी 2025 रोज शुक्रवार समय 1:00 बजे दिन से स्थान डंडारी प्रखंड अंतर्गत राजोपुर ग्राम पंचायत में धरतीपुत्र राजद जिला जिला अध्यक्ष मोहित यादव की उपस्थिति सदस्यता अभियान चलाया गया । पंचायत स्तरीय राष्ट्रीय जनता दल कार्यकताओं की एक अहम बैठक पंचायत अध्यक्ष श्रवण कुशवाहा के अध्यक्षता में,एवं पार्टी के जिला अध्यक्ष धरतीपुत्र मोहित यादव जी के उपस्थिति में संपन्न हुआ। बैठक में पंचायत के सभी सक्रिय सदस्य, वार्ड अध्यक्ष एवं प्रखंड के बुद्धिजीवी साथियों ने भाग लिया। बैठक में उपस्थित सभी कार्यकर्ता एवं नेताओं ने सर्व सम्मति निर्णय लिया पार्टी द्वारा निर्धारित लक्ष्य जो सदस्यता अभियान में राजोपुर ग्राम पंचायत को दिया गया है तीन दिनों के अंदर पूर्ण कर लिया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करने वाले में पार्टी के वरिष्ठ नेता हीरानंद यादव,बखरी विधानसभा संगठन प्रभारी हरे राम महतो, प्रखंड प्रधान महासचिव डंडारी रणवीर यादव,मोहम्मद खुददूश, जिला सचिव पशुपति पासवान,कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष धरतीपुत्र मोहित यादव ने कहा क्षमता मूलक समाज के संस्थापक, सामाजिक न्याय के पुरोधा, माननीय लालू प्रसाद जी ने जन जागरण के माध्यम से लोगों में जन क्रांति लाकर जगाने का काम किया। समाजवाद के उत्तराधिकारी आर्थिक न्याय के महानायक माननीय तेजस्वी प्रसाद यादव जी के नेतृत्व में बिहार का विकास होगा। आमजनों में आर्थिक उन्नति होगी। जिसका सैकड़ो जीता जागता उदाहरण है ।बिहार राष्ट्रीय जनता दल का सरकार बनते ही सभी माताएँ सभी बहनें को माई बहिन मान योजना के तहत प्रतिमाह ?2500 दिया जाएगा। कार्यक्रम उपस्थित विष्णु देव साह,राजेश राय, रामबली पासवान,सिकंदर पासवान, राम प्रसाद पासवान, घनश्याम महतो, ब्रह्मदेव साह इत्यादि दर्जनों साथी उपस्थित थे।

मैं, बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी का हृदय से आभार प्रकट करता हूं

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

- एनडीए की डबल इंजन वाली सरकार बिहार के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।
- इस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दी।

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने अपने एक्स पे पोस्ट कर लिखा कि हाजीपुर के विकास के लिए नित दिन संकल्पित। अब औद्योगिक उड़ान भरने को तैयार है हाजीपुर। हाजीपुर में लगभग 1001 करोड़ रुपए की लागत से जल्द ही इंडस्ट्रियल पार्क का निर्माण होगा। जिससे स्थानीय स्तर पर हजारों लोगों को रोजगार भी मिलेगा। इंडस्ट्रियल पार्क के निमार्ण के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

मैं, बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी का हृदय से आभार प्रकट करता हूं।

एनडीए की डबल इंजन वाली सरकार बिहार के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

इस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दी।

सशस्त्र सीमा बल, सीमांत पटना के महानिरीक्षक नैयर हसनैन खान (भा.पु.से.) ने 48वीं वाहिनी के जवानों की मुस्तैदी का जायजा लिया और सीमा चौकियों का दौरा किया

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
मो. अबु बकर सिद्दीकी

48वीं वाहिनी की मुस्तैदी, उत्कृष्ट सुरक्षा प्रबंधन, सीमा पर अदम्य साहस और प्रभावी ऑपरेशनों के से खुश हुवे नैयर हसनैन खान, भा.पु.से., महानिरीक्षक। 21 फरवरी 2025 झ सशस्त्र सीमा बल, सीमांत पटना के महानिरीक्षक नैयर हसनैन खान (भा.पु.से.) ने 48वीं वाहिनी के जवानों की मुस्तैदी का जायजा लिया और सीमा चौकियों का दौरा किया ।इस दौरान उन्होंने वाहिनी का भ्रमण किया, सैनिक सम्मेलन की अध्यक्षता की तथा जवानों के साथ संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं को जाना ।महानिरीक्षक महोदय ने जवानों को शारीरिक और मानसिक रूप से सुदृढ़ बने रहने के लिए प्रेरित किया और उन्हें कर्तव्यनिष्ठा व अनुशासन के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने हेतु प्रोत्साहित किया । सुरक्षा मामलों की समीक्षा के दौरान महोदय ने भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था की गहन जांच की और जवानों को सतर्कता बनाए रखने के निर्देश दिए । उन्होंने बल की तैयारियों की सराहना करते हुए सीमाई क्षेत्रों में सुरक्षा को और अधिक मजबूत करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए ।इसके अलावा, महानिरीक्षक महोदय ने भारत-नेपाल के बीच संचालित हो रही रेल सेवा की सुरक्षा का निरीक्षण किया तथा नेपाल रेलवे स्टेशन के अधिकारियों के साथ बातचीत कर रेल संपर्क एवं सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की । इस दौरान दीपक कुमार (भा.पु.से.), क्षेत्रीय मुख्यालय मुजफ्फरपुर, योगेंद्र कुमार, (भा.पु.से.), पुलिस अधीक्षक मधुबनी, गोविंद सिंह भण्डारी, कमांडेंट 48 वीं वाहिनी, विवेक ओझा, उप-कमांडेंट 48 वीं वाहिनी, श्री राजेश एस. हॅम्बल, वरिष्ठ प्रबंधक (डफ्छ), संजय कुमार, अपर महा-प्रबंधक (क्मछडठ) नेपाली रेलवे स्टेशन जयनगर व लाल बहादुर रोका, प्रभारी इनरवा 8 वीं वाहिनी अढऋ नेपाल भी उपस्थित रहे ।नेपाली रेलवे स्टेशन भ्रमण के उपरांत महानिरीक्षक महोदय ने पिपरौन जटही रोड स्थित चेक पोस्ट, भारत नेपाल परागमन मार्ग एवं सीमा शुल्क कार्यालय का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए ।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के 10 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम आयोजित

मोहम्मद सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी : बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के 10 वर्ष पूरे होने के अवसर पर डीडीसी मनन राम की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित परिचर्चा भवन में एक विशेष संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिले की कई बालिकाओं ने भाग लिया और अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम के दौरान डीडीसी ने बेटियों की शिक्षा और सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि यह योजना समाज में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने बेटियों को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी और उनकी सुरक्षा व शिक्षा को प्राथमिकता देने पर बल दिया। डीएसपी मुख्यालय नजीव अनवर ने बालिकाओं को प्रोत्साहित किए और

बालिकाओं को आगे बढ़ने पर बल दिया डीपीओ आइसीडीएस कंचन कुमारी गिरि ने बताया बालिकाओं को सशक्त करके ही विकसित समाज का निर्माण किया जा सकता है उन्होंने लैंगिक असमानता, लिंग भेदभाव पर बल दियो डीपीएम एजाजूल अंसारी ने बताया उत्पीड़न की शिकायत महिला हेल्प लाइन नंबर पर 181 और चाइल्ड हेल्प लाइन नंबर 1098 पर कॉल कर सूचना अवश्य करें इस मौके पर विभिन्न स्कूलों की छात्राओं ने अपने अनुभव साझा किए और योजना के तहत मिली सहायता के लिए सरकार का धन्यवाद किया। उपस्थित अधिकारियों ने भी बालिकाओं को शिक्षा और करियर संबंधी मार्गदर्शन दिया। आज के कार्यक्रम में उपस्थित सभी बालिकाओं के बीच ट्रैक सूट का वितरण किया गया।कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोग उपस्थित रहे और बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। मौके पर डीपीआरओ कमल सिंह, डीईओ प्रमोद कुमार साहू, सिविल सर्जन डॉ अखलेश कुमार, प्रथम संस्था के जिला समन्वयक सुधीर कुमार, सभी सीडीपीओ सहित कई गणमान्य हितधारक शामिल रहे

बिहार में नीतीश कुमार की लीडरशीप में ही चुनाव लड़ेगी भाजपा !

भाजपा के वरिष्ठ नेता शाहनवाज हुसैन ने लगाई मोहर

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

बेगूसराय : बेगूसराय में पत्रकारों को जानकारी देते हुए शाहनवाज हुसैन ने बताया कि
नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार आगे बढ़ रहा है. आने वाला चुनाव भी उन्हीं के नेतृत्व में पार्टी लड़ेगी और बिहार में फिर से एनडीए की ही सरकार बनेगी दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली जीत से उत्साहित बीजेपी अब बिहार में साल के अंत में होने वाले चुनाव की तैयारी में जुट गई है. इसके लिए पार्टी ने अपने बड़े नेताओं को बिहार भेजना शुरू कर दिया है. इसी कड़ी में गुरुवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन बेगूसराय पहुंचे. यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अभी भाजपा ने राष्ट्र का चुनाव जीता, महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली भी जीते हैं, अब
बिहार की बारी है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में हम लोग बिहार का

चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे. नीतीश कुमार जैसा अनुभवी मुख्यमंत्री किसी के पास नहीं है.सीएम नीतीश कुमार नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार अच्छा काम कर रहीः शाहनवाजएक सवाल का जवाब देते हुए शाहनवाज ने कहा कि बिहार में सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार चल रही है और अच्छा काम कर रही है. नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार आगे बढ़ रहा है. आने वाला चुनाव भी उन्हीं के नेतृत्व में पार्टी लड़ेगी और बिहार में फिर से एनडीए की ही सरकार बनेगी. वही विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के आपराधिक घटनाओं में वृद्धि के आरोपों को लेकर उन्होंने कहा कि ।

बिहार में इथेनॉल के 13 प्लांट लगे शाहनवाज हुसैन

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भागलपुर आगमन की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री भागलपुर आ रहे हैं. यहां वे किसानों से मिलेंगे. प्रधानमंत्री ने सबसे ज्यादा काम किसानों के लिए किया है. उनकी आमदनी दोगुनी करने का काम किया जा रहा है. बिहार में इथेनॉल के प्लांट लगे हैं. बिहार में इथेनॉल के 17 प्लांट लगाने की मंजूरी मिली, जिसमें 12 से 13 लग गए हैं.उनके मुंह से अपराध का नाम शोभा नहीं देता है, जो स्क्रिप्ट उन्हें मिलती है, वह बोलते रहते हैं ।

आय से अधिक संपत्ति मामले में फंसे IAS अफसर राजीव रंजन, CBI ने दर्ज किया केस

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
ए. बी. सिद्दीकी

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी कुमार राजीव रंजन और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ कथित तौर पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज किया है। मामले से परिचित लोगों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। रंजन, जो वर्तमान में जम्मू-कश्मीर में राजस्व विभाग के सचिव के रूप में तैनात हैं, डिप्टी कमिश्नर (कुपवाड़ा) थे और केंद्र शासित प्रदेश में गैर-निवासियों को हजारों हथियार लाइसेंस जारी करने में अनियमितताओं की एजेंसी की जांच के दायरे में थे। 2010 बैच के आईएएस अधिकारी रंजन को परिवार के सदस्यों - कृपा शंकर रॉय और दुलारी देवी और अज्ञात अन्य के साथ सीबीआई द्वारा 17 फरवरी को दर्ज की गई प्राथमिकी में आरोपी बनाया गया है। संघीय एजेंसी ने बुधवार को रंजन के जम्मू स्थित कार्यालय और वाराणसी, श्रीनगर और गुरुग्राम में अन्य स्थानों सहित सात स्थानों पर तलाशी ली थी।

साल 2019 से, सीबीआई जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में 2012 से 2016 के बीच गैर-हकदार व्यक्तियों को जिला मजिस्ट्रेट /उपायुक्त/लाइसेंसिंग अधिकारियों द्वारा अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करके मौद्रिक विचारों के बदले में 2.78 लाख से अधिक शस्त्र लाइसेंस जारी करने में अनियमितताओं की जांच कर रही है। एजेंसियों ने अनुमान लगाया है कि कथित घोटाला 100 करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है। पिछले साल नवंबर में, केंद्र ने शस्त्र लाइसेंस जांच में रंजन पर मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी, जिसमें एजेंसी ने कुल आठ आईएएस अधिकारियों के खिलाफ मंजूरी मांगी थी, जो जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों में तैनात थे। सीबीआई ने राजीव रंजन के खिलाफ अपने नवीनतम डीए (आय से अधिक संपत्ति) मामले का विवरण सार्वजनिक नहीं किया है कि उन्होंने कितनी संपत्ति अर्जित की है।

सीबीआई ने राजीव रंजन के खिलाफ अपने नवीनतम डीए (आय से अधिक संपत्ति) मामले का विवरण सार्वजनिक नहीं किया है कि उन्होंने कितनी संपत्ति अर्जित की है। पूरे रैकेट का खुलासा मूल रूप से राजस्थान पुलिस ने 2017 में किया था, जिसके बाद उसने जम्मू-कश्मीर सरकार को कई पत्र लिखे थे, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। राजस्थान एटीएस (आतंकवाद निरोधी दस्ते) ने दावा किया था कि जम्मू क्षेत्र के डोडा, रामबन और उधमपुर जिलों में 1,43,013 लाइसेंसों में से 1,32,321 लाइसेंस राज्य के बाहर रहने वालों को जारी किए गए थे। पूरे राज्य के लिए यह आंकड़ा 4,29,301 होने का अनुमान है, जिनमें से केवल 10 प्रतिशत राज्य के निवासियों को जारी किए गए थे।

24 फरवरी 2025 को नगर भवन , मधुबनी में वसंत पंचमी महोत्सव का होगा आयोजन

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
मो. अबु बकर सिद्दीकी

24 फरवरी 2025 को नगर भवन , मधुबनी में वसंत पंचमी महोत्सव का होगा आयोजन कला संस्कृति एवं युवा विभाग बिहार पटना एवं जिला प्रशासन मधुबनी के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 24 फरवरी 2025 को नगर भवन , मधुबनी में वसंत पंचमी महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसके अंतर्गत कवि सम्मेलन, लोक नृत्य (चौमासा), लोक गायन - जोगीरा एवं होली गीत, शास्त्रीय गायन एवं वादन एवं वुडेन प्रोडक्ट, सिक्की ,यूटिलिटी प्रोडक्ट ,सुजनी आदि का प्रदर्शनी लगाया जायेगा ।इसके अलावा टेराकोटा वर्कशॉप तथा फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा ।जानकारी देते हुए ज़िला कला एवं संस्कृति नीतीश कुमार ने बताया कि फोटोग्राफी प्रतियोगिता का विषय मधुबनी जिला की विरासतें होगी । इससे संबंधित तीन सर्वश्रेष्ठ फोटोग्राफ्स दिनांक 23.2.2025 तक ईमेल आईडी- पर जमा करना होगा । इसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को ?5000, द्वितीय स्थान वाले को ?3000, तृतीय स्थान वाले को ?2000 तथा चतुर्थ से अष्टम स्थान प्राप्त करने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को पांच ?500 की राशि प्रदान की जाएगी । अंतिम प्रदर्शनी नगर भवन मधुबनी में 24 फरवरी 2025 को 12 बजे मध्याह्न से की जाएगी । इसके अलावा दो दिवसीय टेरीकोटा वर्कशॉप का आयोजन दिनांक 22 और 23 फरवरी 2025 को मिथिला चित्रकला संस्थान सौराठ में प्रशिक्षक रामकुमार पंडित के नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा । इसके पंजीकरण के लिए प्रतिभागियों को अपना नाम, माता का नाम, उम्र ,पता, मोबाइल नंबर ईमेल नंबर के साथ दिये गये ईमेल आईडी या मोबाइल नंबर - 9931784826 पर संपर्क करना होगा ।

खेल मंत्री ने किया बजरंगबली मेला का उद्घाटन!

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

मंत्री ने कहा कि भगवान तक पहुंचाने के लिए भक्ति ही सरल मार्ग है। भगवान की पूजा अर्चना हमारी संस्कृति की पहचान है ।बीरपुर प्रखंड अंतर्गत नौला गांव में 20 फरवरी गुरुवार को 4 दिवसीय बजरंगबली महोत्सव शुरू हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मंदिर का पट खुलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ हनुमानजी के दर्शन के लिए उमड़ पड़ी। पहले ही दिन हजारों हनुमान भक्तों ने पूजा अर्चना की और प्रसाद चढ़ाए। चार दिवसीय मेला का उद्घाटन बिहार सरकार के खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता ने किया । खेल मंत्री ने कहा कि भगवान तक पहुंचाने के लिए भक्ति ही सरल मार्ग है भगवान की पूजा अर्चना हमारी संस्कृति की पहचान है। उन्होंने पूजा अर्चना करके समाज और देश के लिए मंगल कामना कि। आयोजन समिति के अध्यक्ष ब्रह्मदेव पासवान ने जानकारी देते हुए बताया कि यह मेल 20 फरवरी से 22 फरवरी तक चलेगी। मेला में झूला, मीना बाजार

और कुश्ती प्रतियोगिता विशेष आकर्षण के केंद्र हैं। खास कर दंगल में कई जिलों के नामी पहलवान भाग
ले रहे हैं। यहां चार दिनों तक परम्परागत कुश्ती का आयोजन होगा। मेला समिति के सचिव विजय राय ने कहा कि बजरंगबली महोत्सव जिले की सांस्कृतिक पहचान है। यह अपने आप में अकेला और विशेष मेला है। महोत्सव के दौरान यहां भक्ति और आस्था देखते ही बनती है। इधर मेला में भक्ति गीत, प्रवचन व विविध धार्मिक अनुष्ठानों से वातावरण भक्तिमय बन गया है। महिलाओं, बच्चों व युवाओं में मेला को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि बड़ी संख्या में जिले के बाहर से भी लोग यहां आ रहे हैं। कई लोग मनोवांछित मनोकामना पूर्ण होने पर यहां चढ़ावा लेकर भी आते हैं। बताया जाता है कि आजादी के पूर्व 1934 में इस मेले की शुरूआत हुई थी। उस समय इस क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाओं से धन-जन की काफी हानि हो रही थी। इन आपदाओं से रक्षा के लिए यहां के पुरोहितों, जमींदारों और स्वतंत्रता सेनानियों ने बजरंगबली महोत्सव आरम्भ की। कहा जाता है कि पूजा शुरू होते ही यह क्षेत्र खुशहाल हो उठा। जिसने भी जो मन्नतें मांगी वह पूर्ण हुई। तब से हर वर्ष यह मेला नौलागढ़ में आयोजित हो रहाहै। मौके पर भगवानपुर थाना अध्यक्ष चंदन कुमार, मेला समिति के कोषाध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह, भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष चुन चुन कुमार, चंदन सहित सैकड़ो श्रद्धालु मौजूद थे।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा-दिवस के अवसर पर आयोजित हुआ व्याख्यान-कार्यक्रम का हुआ आयोजन ।मातृभाषा के प्रति हार्दिक जुड़ाव से ही सम्भव है व्यक्तित्व का सम्पूर्ण विकास

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा की अंगीभूत इकाई डी॰बी॰ कॉलेज, जयनगर में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं मैथिली विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा-दिवस के अवसर पर व्यक्तित्व-विकास में मातृभाषा की भूमिका विषय पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में बोलते हुए महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ नन्द कुमार ने कहा कि जब तक मातृभाषा को बिना किसी हीन भावना के हार्दिक रूप से नहीं अपनाया जाएगा तब तक व्यक्तित्व का सम्पूर्ण विकास सम्भव नहीं है। मैथिली विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ॰ संजय कुमार पासवान ने मातृभाषा के विकास को जहाँ राष्ट्र के विकास के सन्दर्भ में विवेचित किया, वहीं एनएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी तथा हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ॰ बुद्धदेव प्रसाद सिंह ने भिन्न-भिन्न क्षेत्रों तथा विभिन्न भाषाओं के सन्दर्भ में विस्तार से व्यक्तित्व के सम्यक विकास में मातृभाषा की भूमिका को रेखांकित किया। राजनीतिविज्ञान के विभागाध्यक्ष श्री ओमकुमार सिंह ने वैश्विक सन्दर्भ में मातृभाषा की चिन्तनीय स्थिति तथा उसके प्रति समर्पण-भाव की आवश्यकता पर बल दिया। मैथिली विभाग के डॉ॰ श्यामरूप चौधरी ने मिथिलांचल के सन्दर्भ में मैथिली के सर्वांगीण विकास की आवश्यकता पर बल दिया, वहीं मनोविज्ञान विभाग की डॉ॰ बरखा अग्रवाल ने व्यक्तित्व की अवधारणा के सन्दर्भ में मातृभाषा के महत्त्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में वक्तव्य प्रस्तुत करने वाले अन्य महत्त्वपूर्ण वक्ताओं में डॉ॰ रंजना, डॉ॰ मधु रंजन कुमार एवं डॉ॰ चंदन कुमार के नाम प्रमुख हैं। कार्यक्रम में डॉ॰ परशुराम सिंह, डॉ॰ ज्योति प्रकाश, डॉ॰ रामकुमार सिंह, डॉ॰ अरविंद कुमार राय, डॉ॰ रामप्रवेश कुमार 'निराला', डॉ॰ सिंकु कुमारी, डॉ॰ भोलानाथ ठाकुर, डॉ॰ धर्मेन्द्र कुमार एवं श्री अभिषेक कुमार झा के अतिरिक्त सृष्टि कुमारी, संजना कुमारी, रोशनी, खुशबू सहित सौ से अधिक छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ॰ बुद्धदेव प्रसाद सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन मैथिली विभाग के डॉ॰ श्यामरूप चौधरी ने किया।

जनता के दरबार में ₹ जिलाधिकारी कार्यक्रम में प्राप्त

शिकायतों के आलोक में अधिकारियों को त्वरित निष्पादन का दिया निर्देश

प्रखण्ड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

अपर समाहर्ता शैलेश कुमार ने जनता के दरबार में जिलाधिकारी कार्यक्रम में प्राप्त शिकायतों के आलोक में अधिकारियों को त्वरित निष्पादन का दिया निर्देश अपर समाहर्ता शैलेश कुमार, द्वारा शुक्रवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता के दरबार में जिलाधिकारी" कार्यक्रम में जिले के सुदूर क्षेत्रो से आए हुए परिवादियों से मुलाकात कर उनकी शिकायतों को सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया । जनता दरबार में जिलाधिकारी कार्यक्रम के आयोजन के मौके पर शुक्रवार, 21 फरवरी को कुल 65 परिवादी अपनी शिकायतों के साथ अपर समाहर्ता से मिले.प्रखंड अंधराठाढ़ी निवासी मुनचुन यादव अपने निजी जमीन को उनके परिजन के द्वारा हड़पने एवं धमकी देने से सम्बंधित शिकायत किया ।प्रखंड राजनगर निवासी गुड़िया देवी द्वारा उनके पति के मृत्यु के उपरांत उनके दूसरी पत्नी एवं उसके पुत्र के द्वारा तंग करने से संबंधित शिकायत किया गया ।प्रखंड बिस्फी निवासी श्याम पासवान के उनके पुत्र एवं पुत्र वधू के द्वारा अपमानित एवं हमेशा मार पीट करने से संबंधित शिकायत किया ।प्रखंड बेनीपट्टी निवासी किरण देवी ने शिकायत किया कि उनको बंदोबस्ती द्वारा भूमि मिला था उस जमीन पर स्थानीय दबंगों द्वारा अभद्र व्यवहार , गाली गलौज एवं बंदूक दिखाकर जमीन पर कब्जा करने से संबंधित शिकायत किया ।प्रखंड रहिका निवासी बैजू साह द्वारा इंदिरा आवास योजना अंतर्गत मकान निर्मित आवासीय जमीन का वासीगत पर्चा दिलाने से संबंधित आवेदन दिया ।आए हुए सभी परिवादियों से बारी-बारी से शिकायतें सुनी गई और उनके परिवाद के निवारण हेतु संबधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए. अपर समाहर्ता ने कई प्राप्त शिकायतों के आलोक में संबंधित पदाधिकारियों को फोन कर जन शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखकर त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया।-उक्त अवसर पर अपर समाहर्ता शैलेश कुमार, ए 0डी 0एम0, लोक शिकायत एवं ए 0डी 0एम0 , विभागीय जांच आदि उपस्थित थे।

महाकुंभ के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन_ रेलवे्स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा हेतु पुलिस तैनात

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

महाकुंभ के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आवागमन को देखते हुए जिलाधिकारी/पुलिस अधीक्षक, मधुबनी द्वारा निर्देश दिया गया की जयनगर, रेलवे्स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा हेतु भीड़ प्रबंधन तथा विधिझव्यवस्था संधारण के दृष्टिगत की रेल यात्रियों को निरंतर करने के लिए पुलिस के जवान एवं एस एस बी के जवान भी रेल यात्रियों को सुरक्षित बैठने में मदद करने के लिए मौजूद थे ।बतादे की लगातार जयनगर रेलवे स्टेशन परजयनगर एसडीपीओ , जयनगर मजिस्ट्रेट, के नेतृत्व में श्रद्धालुओं को सुरक्षित ट्रेन पर बैठाया गया र.ऊढ.ड . विप्लव कुमार ने बताया कि पड़ोसी देश नेपाल के कई जिला से लोग महाकुंभ के लिए जयनगर रेलवे स्टेशन पर आए हुए हैं इस वजह से भी काफी भीड़ है यहां पर सभी पुलिस के जवान तैनात है सुरक्षा के दृष्टिकोण से ट्रेन खुलने से पहले यहां सब मुस्तैद है ' जयनगर एसडीपीओ , जयनगर मजिस्ट्रेट, जयनगर थाना अध्यक्ष अमित कुमार, पुलिस पदाधिकारी फ्छत्रः एवं अन्य रेल अधिकारी उपस्थित थे '

आपसी विवाद में मारपीट, गहने सहित 10 हजार नकद छीने

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
संवाददाता हुसैनगंज

थानाक्षेत्र के स्थानीय हुसैनगंज दक्षिण मुहल्ला में आपसी विवाद में हुई मारपीट में दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गये. इस घटना के संदर्भ में फाजिलपुर निवासी जितेंद्र राजभर का पुत्र शैलेश कुमार ने थाना में शुक्रवार को आवेदन देते हुए हुसैनगंज दक्षिण मुहल्ला के 5 लोग को नामित सहित 5 अज्ञात को आरोपित किया है. आवेदक शैलेश ने कहा है कि मेरे बड़े पापा के लड़की की तिलक चढ़ाने की सामान खरीदने बड़े पापा के साथ हुसैनगंज बाजार गया थे. वहाँ से शाम को घर लौटने के क्रम में हुसैनगंज दक्षिण मुहल्ला में मस्जिद के पास दर्जन भर लोग हम लोगों को घेर कर गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे. हाथ में लगाये फाईटर से ? मुझे और मेरे बड़े पापा को मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिए. वहीं तिलक के लिए खरीदे गये 25 हजार रुपये के गहने और नकद 10 हजार रुपए छीन लिए. ग्रामीणों और परिजनों ने दोनों घायलों की ईलाज स्थानीय अस्पताल में कराया गया. इस घटना में दक्षिण मुहल्ला के अमानत हुसैन, रेहान अंसारी, अली शेर, अहमद व नदीम तथा 5 अज्ञात लोगों पर थाना में प्राथमिकी दर्ज किया गया है. थानाध्यक्ष ने बताया कि आवेदन के आधार पर पुलिस जांच पड़ताल कर रही है.

भाजपा प्रवक्ता नीरज कुमार ने महाकुंभ का विरोध करने वाले नेताओं की मानसिकता में बदलाव के लिए किया बुद्धि शुद्धिकरण यज्ञ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

लालू, अखिलेश, ममता की बुद्धि को शुद्ध करने के लिए भाजपा कार्यकर्ता भगवान की शरण में पहुंचे, किया बुद्धि शुद्धिकरण यज्ञ
*भगवान सनातन का विरोध करने वालों को सद्बुद्धि देः नीरज कुमार
पटना, 21 फरवरी। विभिन्न दलों के नेताओं के महाकुंभ के विरोध में दिए जा रहे बयान को लेकर बिहार भाजपा के प्रवक्ता नीरज कुमार सहित भाजपा के कार्यकर्ता आज भगवान की शरण में पहुंच गए। भाजपा के कार्यकर्ता आज बड़ी संख्या में पटना के विधायक फ्लैट के समीप स्थित शिव-पार्वती, हनुमान मंदिर पहुंचे और ऐसे नेताओं के सद्बुद्धि की कामना के साथ बुद्धि शुद्धिकरण यज्ञ किया ।इस मौके पर भाजपा कार्यकताओं ने हवन, यज्ञ कर महाकुंभ के विरोध में बयान देने वाले राजद अध्यक्ष लालू यादव, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के सद्बुद्धि देने की कामना की ।भाजपा के प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा, "लालू यादव, अखिलेश यादव और ममता बनर्जी का महाकुंभ को लेकर दिए गए बयान लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। महाकुंभ पर सवाल उठाकर ये लोग क्या जाहिर करना चाहते हैं। सही अर्थों में तुष्टिकरण की राजनीति में उनकी बुद्धि खराब हो गई है। इसलिए वे इस तरह की बातें कर रहे हैं ।उनकी बुद्धि को शुद्ध करने की कामना के साथ भगवान से प्रार्थना करते हुए हवन किया गया, जिसमें भाजपा के कई नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। कामना की गई कि उन्हें सद्बुद्धि मिले और वे ऐसी बातें न करें, जिससे सनातन का अपमान हो ।इस हवन यज्ञ में बिहार भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अमित प्रकाश बबलु, सुमित शशांक सहित सजल झा, श्वेता श्रीवास्तव, स्वाति कुमारी सिन्हा, नेहा निश्चल, निधि सिंह, सुप्रिया जायसवाल सहित भाजपा के कई नेता और कार्यकताओं ने भाग लिया।

तेघड़ा के 305 आंगनबाड़ी केंद्रों में मात्र 36 के पास अपना भवन

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

तेघड़ा / बेगुसराय तेघड़ा प्रखंड क्षेत्र में 316 आंगनबाड़ी केंद्र स्वीकृत हैं, परंतु अभी 305 केंद्र संचालित हैं। बिहार सरकार बाल विकास परियोजना के तहत संचालित सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को अपने या सरकारी भवनों में ही चलाने का विभागीय आदेश है। इसके बावजूद प्रखंड क्षेत्र में 208 आंगनबाड़ी केंद्र भवनहीन हैं जो किराए के मकान में चल रहे हैं। 15 आंगनवाड़ी केंद्र विद्यालय में जबकि 46 आंगनबाड़ी केंद्र अन्य भवनों में चल रहे हैं। केवल 36 आंगनबाड़ी केंद्रों को ही अपना भवन है। प्रखंड क्षेत्र में आंगनबाड़ी माडल सेंटर के रूप में चिल्हाई पंचायत के रामपुर टोला केंद्र संख्या 128 बनाया गया हैख जो प्रखंड में मात्र एक होता है ।इस आंगनबाड़ी केंद्र में सभी तरह की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। प्रखंड क्षेत्र में पांच सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र बनाए गए हैं।

इनमें बरौनी एक
पंचायत स्थित केलाबाड़ी में केंद्र
208
15 विद्यालयों में जबकि 46 अन्य भवन
में हो रहे संचालित
और भवनहीन आंगनबाड़ी भूमि
आंगनवाड़ी केंद्र किराए
के मकान में चल रहे
6 केंद्रों को अपनी जमीन और अपना भवन उपलब्ध करवाने के लिए पंचायत स्तर पर जनप्रतिनिधियों के सहयोग से सरकारी भवनों को चिह्नित किया जा रहा है।

सरकारी जमीन नहीं मिलने की स्थिति में भूमि दाताओं से भी सहयोग की अपील की जा रही है। जल्द ही जमीन की व्यवस्था कर आंगनबाड़ी केंद्र के भवन निर्माण की दिशा में कार्रवाई की जाएगी ।प्रतिमा आचार्य, सीडीपीओ, तेघड़ातेघड़ा प्रखंड की गौरा- एक पंचायत स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 108 संख्या 77, रातगांव पंचायत में केंद्र संख्या 11, पिपरा दोदराज पंचायत के बहरवन्नी गांव में केंद्र संख्या 130, निपनिया मधुरापुर पंचायत में केंद्र संख्या 191 एवं गौरा एक पंचायत में केंद्र संख्या 108 शामिल है। इन आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को पढ़ने के लिए के लिए एलईडी टीवी सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं। बिहार सरकार के द्वारा बाल विकास परियोजना के तहत संचालित सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को स्थानीय प्रशासन के द्वारा भवन निर्माण के लिए जरूरी ।तीन डिसमिल जमीन की व्यवस्था करने की मुहिम चलाई जा रही है। इस कार्य में पंचायत प्रतिनिधियों से भी सहयोग की अपील की गई है। लेकिन अभी तक यहां के स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधि की निष्क्रियता से 208 आंगनबाड़ी केंद्र किराए के मकान में चल रहा है। प्रखंड की गौरा दो पंचायत के वार्ड संख्या 7 में बने आंगनबाड़ी केंद्र का भवन स्थानीय लोगों के द्वारा आवास के रूप में उपयोग किया जा रहा है, जबकि आंगनवाड़ी केंद्र कहीं अन्य जगह सरकारी भवन में चलाया जा रहा है।

मिथिला विकास बोर्ड की मांग एक अनोखी एवं वैकासिक मांग: जनता

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

आज पद यात्रा के 6 ठे दिन यात्रा मिथिलावादी पार्टी के द्वारा मिथिला विकास बोर्ड की मांग हेतु घनश्यामपुर पहुँची। यात्रा का नेतृत्व जुगनू मंडल और गौतम चौधरी कर रहे थे। आज यह यात्रा आसमा, लगमा, गनौन, गलमा, हरद्वार, ब्रह्मपुरा मसवासी, दौड़ी, जयदेव पट्टी, तुमौल पहुँची। 'मिथिला स्टूडेंट यूनियन' वर्ष 2018 से लगातार मिथिला विकास बोर्ड की मांग कर रही हैं। इसको लेकर 05 अगस्त दिल्ली, 02 अक्टूबर मिथिला बन्द, 02 दिसम्बर राज मैदान में विशाल रैली समेत प्रत्येक प्रखंड एवं जिला मुख्यालय पर धरना - प्रदर्शन हुआ। जिसके उपरांत सिद्दकी जी ने 2019 लोकसभा में हमसबों के आंदोलन उपरांत मेनिफेस्टो में यह मांग दर्ज करायी थी एवं सांसद गोपाल जी ठाकुर ने भी जीतने बाद इस मांग को उठाने की बात कहीं थी, लेकिन सरकार की सौतेला व्यवहार के कारण आज भी यह मांग जनता के बीच नहीं हैं। वहीं, मिथिलावादी पार्टी के र जिला उपाध्यक्ष संजय झा ने कहा कि : सेपरेट डेवलपमेंट बोर्ड किसी क्षेत्र विशेष के लिए बनाया गया ऐसा संवैधानिक तंत्र है जो एक राज्य के अंतर्गत आने के बावजूद उस क्षेत्र विशेष के विकास कार्यों से सम्बंधित प्रोजेक्ट्स बना सके और काम कर सके। जैसे की गुजरात-महाराष्ट्र में तीन-तीन सेपरेट डेव्लपमेंट बोर्ड हैं, विदर्भ-मराठवाड़ा और शेष महाराष्ट्र, गुजरात में कच्छ-सौराष्ट्र और शेष गुजरात। ये सभी डेवलपमेंट बोर्ड राज्य के प्रशासन में बिना इंटरफेयर किए उस क्षेत्र के विकास से सम्बंधित कार्य करती है। यदि मिथिला में डेवलपमेंट बोर्ड बनता है तो यह क्षेत्र के कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, भाषा-कला-संस्कृति-पर्यटन सम्बंधित प्रोजेक्ट्स, बाढ़-सुखाड़-आपदा सम्बंधित प्रोजेक्ट्स, सोशल रिफॉर्म्स जैसे विषयों पर काम कर सकती है।मिथिला डेवलपमेंट बोर्ड क्षेत्र के 20 पिछड़े जिलों की जरूरत और वाजिब हक है। देश के सबसे पिछड़े जिलों की लिस्ट में अररिया, कटिहार, पूर्णिया, बांका, जमुई, बेगुसराय, शिवहर, खगरिया, सुपौल, किशनगंज आदि का नाम सबसे ऊपर आता है। एक आम मैथिल सलाना अन्य जगह के एक औसत भारतीय का एक तिहाई कमाता है, पर कैपिटा इनकम की दृष्टि से एक मैथिल किसी औसत मराठी का चौथाई, गुजराती का पांचवां, दिल्ली का दशवां, केरला का छठवाँ हिस्सा कमाता है। मिथिला क्षेत्र के जिलों का जीडीपी पर कैपिटा नोर्थईस्ट राज्यों के औसत से भी लगभग आधा है।जिप सदस्य धीरज कुमार झा ने कहा कि : क्षेत्र में न एयरपोर्ट है, न सुव्यवस्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय या केंद्रीय अस्पताल, न इंफ्रास्ट्रक्चर न रोजगार, न हैवी इंडस्ट्री न खाद्य-डेयरी-मत्स्य-कृषि आधारित उद्योग या न ही टेक्निकल इंडस्ट्री। कृषि बन्द हो रही है, लोग पलायन कर रहे हैं, न कला-संस्कृति-भाषा बढ़ पाई और न टूरिज्म। यदि महाराष्ट्र में मराठवाड़ा, विदर्भ और गोरखालैंड, हैदराबाद, मिजोरम आदि जैसे जगहों पर पिछड़े जिलों के लिए ऑटोनॉमस डेवलपमेंट बॉडी बन सकता है तो मिथिला को उसका हक क्यों नहीं दिया जा रहा है ? सेपरेट डेवलपमेंट बोर्ड फॉर मिथिला एक ऐसा विचार है मेरे हिसाब से जो मिथिला के वर्तमान राजनीतिक-आर्थिक-वास्तविक और वैकाशिक हालात एवं जरूरत पर एकदम फिट बैठता है। अभी हाल में ही प्रेजिडेंट ने हैदराबाद-कर्नाटक के 6 पिछड़े जिलों के लिए एक डेवलपमेंट बोर्ड के गठन की मंजूरी दी है। गोरखालैंड टेरिटोरियल एडमिनिस्ट्रेशन भी कुछ ऐसे ही फंक्शन करता है। महाराष्ट्र में भी विदर्भ, मराठावाड़ा और शेष महाराष्ट्र नामित तीन डेवलपमेंट बोर्ड को मंजूरी है जो अपने अपने इलाके के डेवलपमेंट सम्बंधित जरूरतों को पूरा करने के लिए राज्य से स्वतंत्र होके या उसके कॉर्डिनेशन में काम करता है।ये डेवलपमेंट बोर्ड सामान्यतया राज्य के गरीब इलाकों या विशिष्ट पहचान वाले इलाकों के लिए बनाया जाता है ताकि विकास समावेसी हो और उस क्षेत्र की कम्पेरेटिव सहभागिता रह पाए। 6 करोड़, 20 जिला, अलग भाषा-संस्कृति कुल मिलाकर मिथिला को अलग डेवलेपमेंट कॉउंसिल के लिए एकदम उपयुक्त बनाता है। मिथिला के जिलों के स्थिति का कम्पेरेटिव विश्लेषण कीजिए तो हालात मुंह खोल के सामने आ जाएगा। करीब सिर्फ 37.5 प्रतिशत एवरेज लिटरेसी रेट है ।

वारिसनगर विधानसभा क्षेत्र से वसीम राजा लड़ेंगे चुनाव, प्रशांत किशोर देंगे वसीम को टिकट

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जनसुराज पार्टी के बिहार राज्य अभियान समिति के सदस्य सह पूर्व जिला पार्षद वसीम राजा ने प्रेस वार्ता कर मीडिया कर्मियों को बताया कि पार्टी के सुप्रीमो प्रशांत किशोर ने आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए वारिसनगर विधानसभा क्षेत्र से मुझे टिकट देने का फैसला कर लिया है। इसलिए आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने मेरे लिए तय माना जा रहा है। वसीम राजा ने कहा कि जन सुराज पार्टी बिहार में सभी 243 सीटों पर अपना अपना उम्मीदवार खड़ा करेगी और चुनाव में अधिक से अधिक सीटों पर सफलता भी मिलना तय माना जा रहा है। उन्होंने वर्तमान विधायक अशोक कुमार मुन्ना पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे वारिसनगर विधानसभा क्षेत्र से एक बार नहीं दो बार नहीं बल्कि तीन बार जीत कर हैट्रिक बना चुके हैं। लगातार तीन बार जितने के बाद भी क्षेत्र के लोग उनसे नाखुश हैं। वारिसनगर ब्लॉक जाने के लिए हो या खानपुर ब्लॉक जाने के लिए आम आवाम को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ता है। सड़क इतना जर्जर है कि राहगीर किस जगह गिरकर घायल हो जाय कहना मुश्किल हो गया है। आए दिन राहगीर रास्ते में गिरकर चोटिल हो जा रहे हैं, मगर विधायक को कोई फिक्र और चिंता नहीं। हद तो इतना हो गया है कि विधायक का दर्शन भी दुर्लभ हो चुका है। बस उनका एक ही जगह रुकने की व्यवस्था है। सतमलपुर स्थित आई आई टी कॉलेज आते हैं और ठीकेदारों से मिलकर वापस पटना चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि विधायक को जनता एवं आम आवाम के समस्या के हल करने का उनके पास समय नहीं। इसलिए आगामी विधानसभा चुनाव में वारिसनगर की जनता उन्हें सबक सिखाने का काम करेगी और उन्हें पराजय का मुंह देखना पड़ेगा।

अनुसूचित जाति टोला में बीडीओ देवेंद्र कुमार पहुंचकर प्रधानमंत्री आवास योजना में नाम जोड़े जाने को लेकर निरीक्षण किया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड के वासुदेवपुर पंचायत के वार्ड संख्या 12,13,14, के अनुसूचित जाति टोला में शुक्रवार को बीडीओ देवेंद्र कुमार ने पहुंचकर प्रधानमंत्री आवास योजना में नाम जोड़े जाने को लेकर निरीक्षण किया। बीडीओ ने बताया कि पोषक क्षेत्र के लाभुकों का पंचायत क्षेत्र का भ्रमण करने के दौरान आवास योजना में नाम जोड़े जाने को लेकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। वही मात्र पात्र व्यक्तियों का नाम ही सूची में जोड़ा जा रहा है, कोई गलत व्यक्ति का नाम अगर किसी कर्मी के द्वारा जोड़ा जाता है या कोई दिक्कत हो तो सूचना पदाधिकारी को दें।

अपहृता 8 महीने बाद शादी कर थाना पर पहुंची 164 के ब्यान के लिए भेजा गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के सिमरिया भिंडी पंचायत के शेढी गांव से आठ माह पूर्व अपहत युवती ने पुलिस के दबाव पर स्वयं थाना आकर पुलिस के सामने प्रस्तुत हुई। इस संबंध में थानाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि थाने के एसआई मनोज कुमार सिंह प्राथमिकी संख्या 48/25 के तहत अनुसंधान कर्ता थे।पुलिस के दबाव को लेकर अपहरणकर्ता ने अपहरण किए गये युवती से शादी कर उसे थाना भेज दिया। बरामद विवाहिता को 164 के ब्यान के लिए समस्तीपुर न्यायालय भेजा गया।पिछले माह रामपुर डुमरी गांव से नाबालिग लड़की गायब हो जाने का मामला सामने आया था। उस समय काफी खोजबीन बाद उसके पिता शिवनाथ पासवान ने अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जिसमें बताया गया था कि शाम के समय लड़की घरेलू सामान लाने घर से बगल स्थित दुकान में गई। देर शाम तक नहीं लौटने पर खोजबीन की गई। स्थानीय लोगों द्वारा चचार्नुसार अपहरण किए जाने की प्राथमिकी दर्ज कराई गई। बगलगीर गोविंद कुमार, उसके पिता संजय पासवान, मां चानू देवी सहित छह लोगों को आरोपित किया गया था। तब से ही ओपी की पुलिस सह इस केस के अनुसंधानक पुअनि सुबोध कुमार मामले में जांच करते हुए पहले लड़की बरामद करने की ओर कार्रवाई शुरू कर एक महिला आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

समस्तीपुर, दरभंगा तथा सहरसा स्टेशनों पर मेगा टिकट जांच अभियान,

बिना टिकट यात्रा करते पकड़े गए तो भरना पड़ेगा जुमार्ना : डीआरएम

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। शुक्रवार को समस्तीपुर, दरभंगा और सहरसा स्टेशनों पर 14 घंटे की अबाध किलाबंदी टिकट चेकिंग की गई। इस दौरान 249 बिना टिकट / उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्रियों के मामलों में 1,94,295/- रुपये के जुमार्ने की वसूली की गई। इस दौरान सभी स्टेशनों पर विशेष किलाबंदी (ऋ्ङ१३१२२ ड्रँ') अभियान चलाया गया था जिसके तहत स्टेशन के सभी प्रवेश द्वारों पर टिकट जांच कर्मियों एवं आरपीएफ जवानों को तैनात किया गया था। इस कड़े जांच अभियान के दौरान 249 यात्रियों को बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़ा गया, जिनसे 1,94,295 रुपये का जुमार्ना वसूला गया। इसके अलावा आरक्षित कोचों में बिना आरक्षण यात्रा कर रहे यात्रियों को सामान्य श्रेणी के कोचों में स्थानांतरित किया गया। इस अभियान को प्रभावी रूप से संचालित करने के लिए आरपीएफ जवानों के साथ साथ दरभंगा सहित सभी उपरोक्त स्टेशनों पर टीटीई को तैनात किया गया था जिन्होंने टिकट जांच एवं यात्रियों को उचित मार्गदर्शन देने का कार्य किया। रेलवे लगातार इस तरह के जांच अभियानों को जारी रखेगा ताकि बिना टिकट यात्रा पर रोक लगाई जा सके और उचित टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों को सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिल सके। रेलवे यात्रियों से आग्रह करता है कि वे अपनी यात्रा के लिए सही टिकट लेकर ही स्टेशन एवं गाड़ियों में प्रवेश करें।

जीविका महिला ग्राम संगठन की बैठक में अनुमंडल कृषि पदाधिकारी व 18 प्रखंड कृषि पदाधिकारी पहुंचे

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। नव चयनित 06 अनुमंडल कृषि पदाधिकारी व 18 प्रखंड कृषि पदाधिकारी को कल्याणपुर प्रखंड के अंतर्गत जीविका कार्यालय के द्वारा जीविका अंतर्गत सभी कृषि संबंधित गतिविधियों व जीविका समूह की ओर से राम जीविका महिला ग्राम संगठन ध्रुवगमा के अंतर्गत बैठक में उपस्थित हुए।बैठक में राम जीविका महिला ग्राम संगठन के संबंध में उपस्थित सभी प्रशिक्षर्थियों को विस्तृत जानकारी दी गई। तत्पश्चात घनश्याम कृषि उद्यमी सेवा केंद्र मालीनगर का भ्रमण कराया गया। जहां कृषि उद्यमी के संबंध में जानकारी दी गई। मौके पर उपस्थित सभी जीविका दीदी के साथ बातचीत किया गया। इस मौके पर प्रशिक्षक के रूप में विपिन कुमार जीविकोपार्जन विशेषज्ञ व क्षेत्रीय समन्वयक शन्नो कुमारी सामुदायिक समन्वयक अभिषेक कुमार मौजूद थे। प्रशिक्षण पाने वाले में मुख्य रूप से सुरभि कुमारी, विकास कुमार, प्रियंका कुमारी, दिव्या कुमारी, केशव राज, रुचि कुमारी, विकास कुमार आदि को प्रशिक्षण दिया गया।

बस के ठोकर से पत्नी की मौत पति घायल, आक्रोशित लोगों ने किया घंटों सड़क जाम,

परीक्षार्थी भी हुए काफी परेशान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। वृहस्पतिवार की देर संध्या ओवर ब्रिज के पास बस के चपेट में आने से चाय दुकानदार पति पत्नी जख्मी हो गये। दोनो घायल को आनन फानन में स्थानीय लोगों की मदद से उपचार के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर में भर्ती कराया गया जहां दुकानदार की पत्नी ने दम तोड़ दिया। मृतका की पहचान दूधपुरा मूसापुर वार्ड संख्या 28 निवासी संजय साह की 40 वर्षीय पत्नी फूल कुमारी देवी के रूप में हुई है, वही घायल की पहचान सीता राम साह का 50 वर्षीय पुत्र संजय साह के तौर पर हुई है। मिली जानकारी के अनुसार संजय साह अनुमंडल कार्यालय के नजदीक सुलभ शौचालय के पास चाय नाश्ता का दुकानदारी करता है, गुरुवार की संध्या अपना दुकान बंद कर घर जा रहा था तभी अनुमंडल कार्यालय के पास एक रफ्तार बस ने दोनों पति और पत्नी को ठोकर मार दी जिससे दोनों पति पत्नी घायल हो गए जहां उपचार के दौरान पत्नी की मौत हो गई। वही घायल पति का उपचार चल रहा है। इधर आक्रोशित लोगों ने शुक्रवार को अनुमंडल कार्यालय स्थित ओवर ब्रिज के पास घंटो जाम कर दिया और मुआवजे की मांग करने लगे। जाम लगने के कारण दरभंगा - पटना मुख्य मार्ग घंटो अवरुद्ध रहा। इतना ही नहीं जाम के कारण मैट्रिक के परीक्षार्थियों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसी पुलिस कप्तान अशोक मिश्रा के निर्देश पर नगर थाना अध्यक्ष शिव कुमार यादव, यातायात थाना अध्यक्ष सुनील कांत मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद आक्रोशित लोगों को समझा बुझाकर जाम समाप्त कराया उसके बाद यातायात बहाल हो सका।

कुंभ में स्नान करने गये, अपने साथियों से बिछड़े दिनेश गुमशुदा की तलाश,

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के खानपुर थाना क्षेत्र के कानूविशनपुर पंचायत के भूपतपुर वार्ड संख्या 06 निवासी जगत नारायण महतो का 30 वर्षीय पुत्र दिनेश महतो अपने तीन साथियों के साथ प्रयाग राज कुंभ मेला में स्नान करने समस्तीपुर से दिनांक 15 फरवरी 2025 को करीब दो बजे गये थे। कुंभ मेला में स्नान के पश्चात जब अपने साथियों के साथ वापस आ रहे थे तभी झूसी रेलवे स्टेशन के पास बिछड़ गये। उनके साथी जितेंद्र महतो उर्फ जोगी महतो एवं वीरेंद्र फर्नांडिस बारी बारी से अपने घर वापस चले आए परंतु दिनेश महतो अभी तक घर वापस नहीं आ सके हैं। जिसके कारण दिनेश महतो के परिजन काफी परेशान हैं और दिनेश महतो के वापस होने का इंतजार कर रहे हैं। बताया जाता है कि गुमशुदा दिनेश महतो कुछ मंद बुद्धि के हैं।

अगर कोई व्यक्ति को दिनेश महतो मिले या कही दिखे तो निम्न नंबर 7370851565, 7070874835 पर जानकारी दे सकते हैं। परिजन ने यह भी कहा है कि जो भी व्यक्ति गुमशुदा दिनेश महतो को घर तक पहुंचाने में मदद करेगा उसे उचित इनाम से नवाजा जाएगा।

मदरसा दारूल उलुम एहसानिया हुसैनगंज में कॉन्फ्रेंस का आयोजन होगा आज

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

प्रतिनिधि हुसैनगंज, सीवान

हुसैनगंज प्रखंड के स्थानीय अठघरवा स्थित मदरसा दारुल उलूम एहसानिया के अहाते में दस्तारबंदी के मौके पर आज शनिवार बड़े पैमाने पर खैरुल वरा कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा.इस आयोजन में देश के नामवर खतीब व शायर तशरीफ ला रहे हैं.मौलाना सज्जाद हुसैन ने बताया कि इस कांफ्रेंस में उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के सम्भल से हजरत मौलाना तौसीफ रजा, गया से शायरे इस्लाम नसीम सहर, मौलाना गौस रजा, मौलाना वसीम अकरम रिजवी, नात ख्वाह साबित रोहतास्वी, नौशाद छपरावी, मोजस्सम रजा नूरी समेत अन्य उलेमा व शोअरा तशरीफ ला रहे हैं.कॉन्फ्रेंस में कुरआन की हिफ़्ज किए हुए सात हुफ्फाज की दस्तारबंदी की जाएगी. इस कॉन्फ्रेंस में प्रखंड क्षेत्र के अतिरिक्त जिले से भी भारी संख्या में लोग तशरीफ लाते हैं.

देश के नामवर खतीब व शायर तशरीफ ला रहे हैं.मौलाना सज्जाद हुसैन ने बताया कि इस कांफ्रेंस में उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के सम्भल से हजरत मौलाना तौसीफ रजा,

महाकुंभ स्नान हेतु स्टेशनों पर श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़, रेलवे एवं स्थानीय प्रशासन अलर्ट

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। महाकुंभ के पावन अवसर पर प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। सीमावर्ती रेलवे स्टेशन जयनगर से हजारों श्रद्धालु प्रतिदिन प्रयागराज के लिए प्रस्थान कर रहे हैं। नेपाल एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में यात्री यहां पहुंच रहे हैं। यात्रा को सुगम एवं सुरक्षित बनाने हेतु स्थानीय प्रशासन एवं रेलवे विभाग पूरी तत्परता से कार्य कर रहे हैं। आरपीएफ (रेलवे सुरक्षा बल) एवं एसडीआरएफ (राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल) के जवान यात्रियों को ट्रेनों में सुचारू रूप से बैठाने और व्यवस्था बनाये रखने में सहायता कर रहे हैं। प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष ट्रेन सेवाएं चलाई जा रही हैं। गुरुवार को 18 जनरल बोगियों वाली स्पेशल ट्रेन दोपहर 5 बजे जयनगर से रवाना हुई। यात्रियों की भीड़ को सुव्यवस्थित करने के लिए प्लेटफार्म संख्या 1 पर रस्सी से बैरिकेडिंग की गई, जिससे यात्रियों को क्रमबद्ध रूप से डिब्बों में बैठाया जा सके। महाकुंभ का समापन आगामी 26 फरवरी महाशिवरात्रि के दिन होगा, जिसके चलते मिथिला क्षेत्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगाने की इच्छा रखते हैं। प्रशासन ने अनुमान लगाया है कि अगले कुछ दिनों तक श्रद्धालुओं की संख्या में और वृद्धि हो सकती है। गुरुवार को भीड़ नियंत्रण के लिए स्थानीय प्रशासन द्वारा भी विशेष सहयोग प्रदान किया गया। आरपीएफ के तैनात जवानों ने यात्रियों को ट्रेन में चढ़ाने में सहायता की और भीड़ को व्यवस्थित करने में सक्रियता दिखाई। रेलवे प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासन सभी श्रद्धालुओं से संयम और अनुशासन बनाये रखने की अपील करता है ताकि यात्रा सुखद और सुरक्षित बनी रहे।

श्मशान कांड में पुलिसिया कार्रवाई से डर के माहौल को दूर करने को मढ़ौरा एसडीओ ने बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के बहरौली गांव में श्मशान की भूमी के विवाद को लेकर पुलिस और ग्रामीणों की झड़प के बाद गांव में पुलिसिया गिरफ्तारी के भय के माहौल को दूर करने के लिए मढ़ौरा एसडीओ डॉ प्रेरणा सिंह के नेतृत्व में दुमदुमा शिव मंदिर के प्रांगण में शाति समिति की बैठक आयोजित की गयी। आपको बता दें कि गांव में श्मशान के विवाद को लेकर ग्रामीण महिलाओं के बीच मारपीट में पहुंची पुलिस टीम से भी झड़प हो गई जिसमें पुलिस के दो कर्मी और 11 ग्रामीण भी घायल हो गए। वहीं पुलिस टीम के भागने के दौरान एक शख्स भी गंभीर रूप से घायल हालत में इलाज के लिए पटना में भर्ती कराया गया है। वहीं मामले में थाना पुलिस के द्वारा 3 अलग अलग प्राथमिकी दर्ज कराई गई। जिसमें पुलिस ने 36 लोगों को गिरफ्तार कर मंडल कारा छपरा भेज दिया। वहीं दर्ज प्राथमिकी में सैकड़ों नामजद और अज्ञात की गिरफ्तारी के भय से गांव के महिला पुरूष गांव छोड़ फरार हो गए हैं वहीं गांव में भय का माहौल बना हुआ है। इसी बीच गांव में लोगों के नहीं रहने का फायदा चोरों ने उठाया और गांव के तीन घरों से लाखों रूपए की संपत्ति चोरी कर ली। शांति समिति की बैठक में डीएसपी अमरनाथ, इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह,सीओ सुमंत कुमार, बीडीओ पंकज कुमार समेत अन्य मौजूद रहें। वहीं सैकड़ों ग्रामीणों के साथ पूर्व विधायक तारकेश्वर सिंह,बीडीसी प्रतिनिधि चुनमुन बाबा,पैक्स अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह,शिव कुमार यादव,दिलीप यादव समेत अन्य मौजूद रहें। मढ़ौरा एसडीओ ने गांव की महिलाओं से बात चीत की जिसमें महिलाओं ने थानाध्यक्ष मशरक पर गंभीर आरोप लगाए, महिलाओं ने कहां श्मशान की भूमी उनके दादा परदादा के समय जहां पर मरने के बाद शव का दाह संस्कार किया जा रहा था उसी जमीन को लेकर पिछले बीते महीने से कब्जा को लेकर विवाद चल रहा था जिस पर सीओ ने जमाबंदी रद्द कर सीमांकन करने का आश्वासन दिया था। लेकिन इसी बीच में श्मशान विवाद को लेकर गांव की महिलाओं के बीच मारपीट हो गई जिसमें पहुंची पुलिस टीम ने ही महिलाओं से मारपीट की जिसमें पुलिस टीम की महिला और कर्मी घायल हो गयी, ग्रामीणों के द्वारा कोई भी हमला नहीं किया गया। मौके पर मढ़ौरा एसडीओ ने ग्रामीणों की सारी बातों को सुननें के स्पष्ट रूप से कहा कि गांव में श्मशान की भूमी उनकी हैं पहले से श्मशान था हैं और भविष्य में श्मशान ही रहेगा ऐसी किसी भी अफवाहें पर ध्यान नहीं देंगे। उक्त भूमी की जमाबंदी रद्द करने की प्रकिया चल रही है जल्द ही आपकों इससे अवगत कराया जाएगा। वहीं पुलिस के द्वारा दर्ज प्राथमिकी के बारे में बताया जिनका भी गलत तरीके से नाम आ गया है वे अपना एक आवेदन डीएसपी मशरक को दें उनके साथ न्याय किया जाएगा। और इस मामले की जिलास्तरीय जांच टीम भी जांच करेंगी इसके लिए आप सभी सबसे पहले अपने अपने घरों को लौटे और सभी अपने अपने कार्यों में लगें। उन्होंने कहा कि आप सभी घर पर आपको यदि कोई भी दिक्कत आती है तो उनसे भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। मढ़ौरा एसडीओ ने महिलाओं से कहां कि किसी भी तरह के बहकावे पर ध्यान नहीं देना हैं। सबको गांव में रहना हैं किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं आएंगी।

संक्षिप्त डायरी

श्मशान विवाद: पुलिस की कार्रवाई के भय से फरार लोगों के 3 बंद मकानों में चोरी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के बहरौली गांव में पुलिस की कार्रवाई से फरार लोगों के 3 बंद मकानों में चोरी की घटना सामने आई है। चोरों ने घरों में ताला तोड़ ज्वेलरी,कीमती सामान समेत कई अन्य सामान चोरी कर लिए हैं। चोरी की घटना बहरौली गांव निवासी देवनाथ राय पिता जगरनाथ राय,जयकिशोर राय पिता स्व राजदेव राय और मुन्ना राय पिता नरेश राय के घरों में की गयी हैं। चोरों ने घरों से आलमारी,पेटी, बक्सा घरों से निकाल घरों के पीछे खेतों में ले जाकर तोड़ जवेलरी और कीमती सामान चोरी कर ली गई है। ग्रामीणों ने बताया कि श्मशान विवाद को लेकर ग्रामीण और पुलिस की झड़प में दर्ज प्राथमिकी की वजह से गांव में गिरफ्तारी की वजह से अधिकांश लोग फरार हो गए हैं। जिसका फायदा चोरों ने उठाया हैं और चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। वहीं बता दें कि इसी विवाद में 36 लोगों की गिरफ्तारी भी की गयी हैं जिसके चलते गांव के अधिकांश लोग गांव घर छोड़ फरार हो गए हैं। चोरी की घटना के बाद थाना पुलिस को सूचना दी गई पर घटना की सूचना मिलने पर भी पुलिस भी घटनास्थल पर जानें से कतरा रहीं हैं।

युवक की हत्या मामले में पुलिस के हाथ खाली: जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड -6 थाना क्षेत्र पूरब सरेह गांव में घोघाड़ी नदी के किनारे नगर पंचायत के सफाई मजदूर की चाकू गोद निर्मम तरीके से हत्या कर शव फेका पाया गया था। वहीं घटना के 36 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ अभी तक खाली हैं। इस मामले में मृतक की परिजनों के द्वारा दिए आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। मृतक मशरक जंक्शन के पास उच्च विद्यालय के मुख्य गेट अवस्थित पूरब टोला गांव निवासी स्व गणेश बासफोर का 35 वर्षीय पुत्र मोहन बासफोर हैं।वहीं अब पुलिस घटना में शामिल अपराधियों के खिलाफ लगातार छापेमारी कर रही है। डीएसपी अमरनाथ और इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह के द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण भी किया गया था। साथ ही थानाध्यक्ष अजय कुमार कांड के उद्भेदन को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। लेकिन घटना के 36 घंटे से ज्यादा समय बीत जाने के बाद हत्याकांड का उद्भेदन नहीं हो सका है। हालांकि पुलिस इस मामले में कुछ भी बताने से इंकार कर रही है। हालांकि उनके द्वारा बताया गया कि जांच पड़ताल की जा रही है जल्द ही कांड का उद्भेदन किया जाएगा।

ठाकुरगंज। थानाक्षेत्र के जीरनगच्छ स्थित टोला प्लाजा में बुधवार की देर रात्रि ट्रक चालकों व टोल प्लाजा कर्मियों में भिड़ंत हो गई। इसके कारण लगभग आधे घंटे टोल प्लाजा का क्षेत्र रणक्षेत्र में तब्दील रहा है। दोनों पक्षों की लिखित शिकायत पर मामला दर्ज करके ठाकुरगंज थानाध्यक्ष मकसूद आलम अशर्फी अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है। टोल प्लाजा के मैनेजर प्रवीण पांडे ने स्थानीय निवासी मन्नान, मुखलेश, इरफान संग दर्जनों अज्ञात लोगो पर मामला दर्ज कराया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि नामजद लोगो संग अज्ञात दर्जनों लोगों ने देर रात्रि टोल प्लाजा आकर मारपीट की घटना को अंजाम देते हुए लगभग साढ़े चार लाख रुपये हथियार के बल पर लूट लिए। दूसरी ओर ट्रक चालक मो रसूल ने टोल प्लाजा कर्मियों द्वारा अवैध वसूली का विरोध करने पर उनके साथ मारपीट करते हुए झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देते हुए जान से मारने नीयत से मारने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामला दर्ज करके पुलिस जांच में जुटी हुई है।

दीवारों पर चित्र व संदेश लिखकर बच्चों को सिखा रहे शिक्षक

पटना। उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोथरा के शिक्षकों ने बच्चों को खेल-खेल में पढ़ाने की नई पहल शुरू की है। इसके लिए स्कूल की दीवारों पर चित्रकारी और संदेश लिखवाए गए हैं। इस तरीके से पढ़ाई का बच्चों पर अच्छा असर दिख रहा है। वे सीखने के लिए उत्साहित नजर आ रहे हैं। विद्यालय प्रधान कन्हैया लाल शर्मा ने बताया कि यह स्कूल ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है। यहां के बच्चे पांचवीं कक्षा तक पहुंचने के बाद भी अक्षर और अंकों की सही पहचान नहीं कर पाते थे। वे बस अगली कक्षा में बढ़ते जाते थे। इसे देखते हुए शिक्षकों ने स्लेट-कॉपी की जगह खेल-खेल में पढ़ाने का फैसला किया। सबसे पहले स्कूल की दीवारों पर विभिन्न विषयों से जुड़े चित्र बनवाए गए। हर अंक, अक्षर और शब्द को दीवारों पर लिखवाया गया। प्रधानाध्यापक कन्हैया लाल शर्मा ने बताया कि दीवारों पर लिखे जाने वाले संदेशों के लिए विद्यार्थियों से राय ली जाती है। सभी छात्रों को एक विषय पर संदेश लिखने के लिए कहा जाता है। बाद में सबसे श्रेष्ठ संदेश को दीवार पर पेंट कराया जाता है। जरूरत पड़ने पर शिक्षक भी इसमें सहयोग करते हैं। इस प्रक्रिया से बच्चे समाज की समस्याओं के प्रति जागरूक हो रहे हैं। साथ ही उनकी रचनात्मकता भी निखर रही है। बच्चे इस तरीके को लेकर उत्साहित हैं। वे इस कक्षा के लिए बेसब्री से इंतजार करते हैं। शिक्षकों और बच्चों के इस प्रयास की शिक्षा समिति अध्यक्ष मो. इशहाक आलम ने सराहना की। उन्होंने कहा कि बच्चों की यह क्रिएटिविटी भविष्य में उनके लिए फायदेमंद साबित होगी।

भाकपा-माले ने जन संपर्क अभियान चलाकर 2 मार्च को गांधी मैदान महाजुटान रैली में भागीदारी की अपील की

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

भाकपा माले ने जनसंपर्क अभियान चलाकर 2 मार्च को पटना के गांधी मैदान में महाजुटान रैली में भाग लेने की अपील ताजपुर वासियों से की।

शुक्रवार को भाकपा माले कार्यकर्ताओं ने प्रखंड मुख्यालय से जनसंपर्क अभियान की शुरूआत की। सभी गरीबों को 72 हजार रुपए से कम का आय प्रमाण-पत्र बनाने, आवास सूची में नाम जोड़ने, भूमिहीन को वासभूमि एवं सरकारी जमीन पर बसे को पर्चा देने, 2 सौ यूनिट बिजली फ्री देने, महिलाओं को 3 हजार रूपए देने, वृद्धावस्था, मोसमाती एवं दिव्यांग पेंशन की राशि 3 हजार रूपए करने, प्रति यूनिट 15 किलो राशन देने, स्कीम वर्कर्स को राज्य कर्मी का दर्जा देने आदि मांगों से संबंधित नारे लगाते हुए जुलूस बाजार क्षेत्र का भ्रमण कर राजधानी चौक पर सभा में तब्दील हो गया। सभा की अध्यक्षता प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने की। उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि ताजपुर समेत मानवता को शर्मशार करने वाली घटना थूककांड के आरोपी बीडीओ गौरव कुमार पर जिलाधिकारी एवं सरकारी पूर्व समझौतानुसार कारवाई करे अन्यथा आंदोलन तेज किया जाएगा। माले नेता ने ताजपुर के तमाम राजनीतिक दलों, संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों से थूककांड के लिए न्याय की मांग को लेकर संघर्ष का रूख अख्तियार करने की अपील की। मौके पर नौशाद तौहीदी, मो० एजाज, मो० क्यूम, प्रभात रंजन गुप्ता, ब्रह्मदेव प्रसाद सिंह, संजीव राय, रवींद्र राय, मुकेश कुमार गुप्ता आदि मौजूद थे।

समाहरणालय सभागार में आयोजित हुआ जनता दरबार

समस्तीपुर। जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा द्वारा शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा राजस्व विभाग, पंचायती राज विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, सामाजिक सुरक्षा, आईसीडीएस, अनुसूचित जाति जनजाति कल्याण विभाग सहित विभिन्न विभागों के परिवादों को सुना गया तथा उनके निस्तारण हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। मौके पर अपर समाहर्ता अजय कुमार तिवारी, अपर समाहर्ता लोक शिकायत निवारण शशिकांत पासवान सहित सभी संबंधित पदाधिकारी मौजूद थे।

2 कच्चे मकान में लगी आग में जरूरी सामान और कागज जलकर राख

किशनगंज। के पोठिया प्रखंड के डांगीपारा गांव में दो कच्चे घरों में अचानक आग लग गई। आग लाल मियां और मोहम्मद जमाल के फूस के घरों में लगी। सुबह जब दोनों परिवार खेत में मजदूरी करने गए हुए थे, तब यह घटना हो गई। गांव वालों ने लाल मियां के घर से आग की चिनगारी उठते देखा। उन्होंने तुरंत जिला पार्षद निरंजन राय को सूचना दी। जिला पार्षद ने पोठिया थानाध्यक्ष को जानकारी दी। थाने से अग्निशमन विभाग की पूरी टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय युवाओं और ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। लेकिन तब तक दोनों घरों में रखा सारा सामान जल चुका था। अनाज, कपड़े, बर्तन, नकदी, जरूरी कागजात और बहियार में रखा पुआल पूरी तरह जलकर राख हो गया। स्थानीय युवा बिट्टू राय और पीड़ित परिवारों ने सरकार से मुआवजे की मांग की है। पोठिया के अंचल अधिकारी मोहित राज ने बताया कि राजस्व कर्मी को जांच का निर्देश दिया गया है। जांच के बाद पीड़ित परिवारों को सहायता राशि दी जाएगी। अबतक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

बीडीसी की बैठक का मुखिया संघ ने किया बहिष्कार ,बैठक स्थगित

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक प्रखंड कार्यालय परिसर के सभागार में आयोजित बीडीसी की बैठक का मुखिया संघ के द्वारा बहिष्कार कर दिया है।इस बाबत मुखिया संघ ने बैठक का वहिष्कार करते हुए एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी।मुखिया संघ के अध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि पंचायती राज व्यवस्था में भी प्रमुख का सीधे हस्तक्षेप, मुख्यालय और प्रखंड में अफसरशाही चरम पर है। मौके पर प्रखंड प्रमुख रविप्रकाश उर्फ मंटू, प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष अजीत सिंह, अरना मुखिया अनिल ठाकुर, डुमरसन मुखिया बच्चा लाल साह, सोनौली मुखिया इम्तियाज खान उर्फ चुन्नू बाबू, बंगरा मुखिया प्रतिनिधि पप्पू सिंह, कर्ण कुदरिया मुखिया प्रतिनिधि अशरफ अली समेत बीडीसी एवं बीडीओ पंकज कुमार, पंचायती राज पदाधिकारी आकांक्षा कुमारी, सीडीपीओ श्वेता कुमारी,पशु चिकित्सक लक्ष्मी प्रियदर्शनी, स्वास्थ्य प्रबंधक अमित कुमार, बीसीएम लव कुश कुमार प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी चंदन कुमार,मनरेगा पदाधिकारी संजय साव समेत अन्य मौजूद रहें। बैठक की शुरूआत प्रखंड प्रमुख रवि प्रकाश सिंह मंटू की अध्यक्षता में आयोजित की गयी जिसमें बैठक शुरू होते ही मुखिया संघ ने बैठक का बहिष्कार कर दिया और थोड़ी ही देर बाद बैठक का बहिष्कार करते हुए बाहर निकल गये। आपकों बता दें कि प्रखंड में बीडीसी की बैठक हर बार सिर्फ कागजी कोरम के लिए आयोजित किया जाता है। जिसमें प्रतिनिधि के अलावा कोई भी शामिल हो जाता है वहीं जिसको जनता ने चुना हैं वे घर पर ही रहते हैं। प्रखंड प्रमुख रवि प्रकाश सिंह मंटू ने बताया कि बैठक को अगले तिथि पर आयोजित किया जाएगा।

20 साल से पुल की मांग, सरकार बेपरवाह

किशनगंज। के टेढ़ागाछ प्रखंड मुख्यालय से मात्र डेढ़ किलोमीटर दूर हाटगांव पंचायत के गोरिया धार पर काशीबाड़ी घाट में आरसीसी पुल की दशकों पुरानी मांग अभी तक पूरी नहीं हुई है। स्थानीय लोग हर साल बरसात के बाद बांस और लकड़ी से चचरी पुल बनाकर अपना काम चला रहे है। यह रास्ता टेढ़ागाछ मुख्यालय से बैरिया जाने का मुख्य मार्ग है। आश्चर्य की बात है कि घाट के दोनों तरफ पक्की सड़क मौजूद है, लेकिन बीच में पुल नहीं बना है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस मार्ग से हाटगांव, काशीबाड़ी, पीपरा, खुनियांटोली, चिचोरा और बैरिया जैसे कई गांवों के लोग रोजाना आना-जाना करते है। लकड़ी के अस्थायी पुल से गुजरना उनके लिए जोखिम भरा है। स्थानीय निवासियों ने कई बार जनप्रतिनिधियों से पुल निर्माण की मांग की है। लेकिन आज तक कोई समाधान नहीं निकला। पुल बन जाने से इस क्षेत्र के हजारों लोगों को सुरक्षित यातायात की सुविधा मिल सकेगी। लेकिन जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण लोगों को अभी भी जोखिम भरा सफर करना पड़ रहा है।

महाकुंभ से लौट रहे 6 की मौत

इसमें एक ही परिवार के 4 लोग

बेटा ड्राइव कर रहा था, झपकी आने से हादसा

बिहार। के भोजपुर में महाकुंभ से लौट रहे 6 लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। मरने वालों में एक परिवार के 4 लोग (दंपती, बेटा और भतीजी) थे। घटना शुक्रवार सुबह पटना से 40 किमी पहले आराझमोहनिया नेशनल हाईवे पर दुल्हनगंज बाजार स्थित पेट्रोल पंप के पास हुई। यहां कार सड़क किनारे खड़े ट्रक पर पीछे से घुस गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार का एक पहिया 20 फीट दूर पड़ा मिला। सभी शव कार के अंदर फंस गए थे। काफी कोशिश के बाद सभी मृतकों को बाहर निकाला गया। सभी लोग पटना के रहने वाले थे। मृतकों के परिजन ने बताया कि सभी पटना से महाकुंभ स्नान के लिए प्रयागराज गए थे। कार मृतक का बेटा चला रहा था। झपकी लगने से कार खड़े ट्रक में पीछे से टकरा गई। मृतकों में 4 महिलाएं और 2 पुरुष थे। मरने वालों में पटना के जक्कनपुर के संजय कुमार (62), पत्नी करुणा देवी (58), बेटा लाल बाबू सिंह (25) और भतीजी प्रियम कुमारी (20) थे। साथ ही पटना के कुम्हरार निवासी आशा किरण (28) और जूही रानी (25) भी थे। जगदीशपुर थाने के रक आफताब खां ने बताया, 'ग्रामीणों से सूचना मिली कि दुल्हनगंज पेट्रोल पंप के पास हादसा हुआ है। मौके पर पहुंचे और देखा कि कंटेनर के पीछे से एक कार अंदर घुसी हुई है। हम लोगों ने सोचा कि कोई तो अंदर जिंदा होगा। तुरंत क्रेन मंगवाकर ट्रक में फंसी कार को पीछे किया। इसके बाद देखा कि सभी की मौत हो गई थी। कार के दो एयर बैग खुले थे।' मृतक संजय कुमार के भाई कौशलेंद्र ने बताया कि 19 फरवरी को पटना से प्रयागराज महाकुंभ के लिए 13 लोग रवाना हुए थे। बलेनो कार में भाई, भाभी, उनकी बेटी, भतीजी समेत 6 लोग थे। एक स्कॉर्पियो में 7 लोग बैठे हुए थे। 'प्रयागराज से पटना लौटने के दौरान भाई संजय कुमार का बेटा लाल बाबू कार ड्राइव कर रहा था।

इसी बीच दुल्हनगंज पेट्रोल पंप के पास लाल बाबू की आंख लग गई, जिससे यह भीषण सड़क हादसा हो गया।

जाते वक्त भी लाल बाबू की आंख झपकी थी, लेकिन हम लोगों ने उसे कुछ देर गाड़ी चलाने से मना किया था। लौटने के दौरान यह हादसा हो गया।'

बकरियों की उपयोगी नस्लें

ब्लैक बंगाल: इस जाति की बकरियाँ पश्चिम बंगाल, झारखंड, असोम, उत्तरी उड़ीसा एवं बंगाल में पायी जाती है। इसके शरीर पर काला, भूरा तथा सफेद रंग का छोटा रोंआ पाया जाता है। अधिकांश (करीब 80 प्रतिशत) बकरियों में काला रोंआ होता है। यह छोटे कद की होती है वयस्क नर का वजन करीब 18-20 किलो ग्राम होता है जबकि मादा का वजन 15-18 किलो ग्राम होता है। नर तथा मादा दोनों में 3-4 इंच का आगे की ओर सीधा निकला हुआ सींग पाया जाता है। इसका शरीर गठीला होने के साथ-साथ आगे से पीछे की ओर ज्यादा चौड़ा तथा बीच में अधिक मोटा होता है। इसका कान छोटा, खड़ा एवं आगे की ओर निकला रहता है।

इस नस्ल की प्रजनन क्षमता काफी अच्छी है। औसतन यह 2 वर्ष में 3 बार बच्चा देती है एवं एक वियान में 2-3 बच्चों को जन्म देती है। कुछ बकरियाँ एक वर्ष में दो बार बच्चे पैदा करती है तथा एक बार में 4-4 बच्चे देती है। इस नस्ल की मेमना 8-10 माह की उम्र में वयस्कता प्राप्त कर लेती है तथा औसतन 15-16 माह की उम्र में प्रथम बार बच्चे पैदा करती है। प्रजनन क्षमता काफी अच्छी होने के कारण इसकी आबादी में वृद्धि दर अन्य नस्लों की तुलना में अधिक है। इस जाति के नर बच्चा का मांस काफी स्वादिष्ट होता है तथा खाल भी उत्तम कोटि का होता है। इन्हीं कारणों से ब्लैक बंगाल नस्ल की बकरियाँ मांस उत्पादन हेतु बहुत उपयोगी है। परन्तु इस जाति की बकरियाँ अल्प मात्रा (15-20 किलो ग्राम/वियान) में दूध उत्पादित करती है जो इसके बच्चों के लिए अपर्याप्त है। इसके बच्चों का जन्म के समय औसत् वजन 1.0-1.2 किलो ग्राम ही होता है। शारीरिक वजन एवं दूध उत्पादन क्षमता कम होने के कारण इस नस्ल की बकरियों से बकरी पालकों को सीमित लाभ ही प्राप्त होता है।

यह गुजरात एवं राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी उपलब्ध है। इस नस्ल की बकरियाँ दूध उत्पादन हेतु पाली जाती है लेकिन मांस उत्पादन के लिए भी यह उपयुक्त है। इसका शरीर गठीला एवं रंग सफेद, भूरा या सफेद एवं भूरा का मिश्रण लिये होता है। इसका नाक छोटा परन्तु उभरा रहता है। कान लम्बा होता है। पूंछ मुड़ा हुआ एवं पूंछ का बाल मोटा तथा खड़ा होता है। इसके शरीर का बाल मोटा एवं छोटा होता है। यह सलाना एक वियान में औसतन 1.5 बच्चे उत्पन्न करती है। इस नस्ल की बकरियों को बिना चराये भी पाला जा सकता है।

झारखंड प्रांत की जलवायु में उपरोक्त वर्णित नस्लों का पालन किया जा सकता है या यहाँ पायी जाने वाली बकरियों के नस्ल सुधार हेतु बीटल, बारबरी, सिरोही एवं जमनापारी के बकरे व्यवहार में लाये जा सकते हैं।

जमुनापारी

जमुनापारी भारत में पायी जाने वाली अन्य नस्लों की तुलना में सबसे उँची तथा लम्बी होती है। यह उत्तर प्रदेश के इटावा जिला एवं गंगा, यमुना तथा चम्बल नदियों से घिरे क्षेत्र में पायी जाती है। एंग्लोनुवियन बकरियों के विकास में जमुनापारी नस्ल का विशेष योगदान रहा है।

इसके नाक काफी उभरे रहते हैं। जिसे 'रोमन' नाक कहते हैं। सींग छोटा एवं चौड़ा होता है। कान 10-12 इंच लम्बा चौड़ा मुड़ा हुआ तथा लटकता रहता है। इसके जाँघ में पीछे की ओर काफी लम्बे घने बाल रहते हैं। इसके शरीर पर सफेद एवं लाल रंग के लम्बे बाल पाये जाते हैं। इसका शरीर बेलनाकार होता है। वयस्क नर का औसत वजन 70-90 किलो ग्राम तथा मादा का वजन 50-60 किलो ग्राम होता है।

इसके बच्चों का जन्म समय औसत वजन 2.5-3.0 किलो ग्राम होता है। इस नस्ल की बकरियाँ अपने गृह क्षेत्र में औसतन 1.5 से 2.0 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है। इस नस्ल की बकरियाँ दूध तथा मांस उत्पादन हेतु उपयुक्त है। बकरियाँ सलाना बच्चों को जन्म देती है तथा एक बार में करीब 90 प्रतिशत एक ही बच्चा उत्पन्न करती है। इस जाति की बकरियाँ मुख्य रूप से झाड़ियाँ एवं वृक्ष के पत्तों पर निर्भर रहती है। जमुनापारी नस्ल के बकरों का प्रयोग अपने देश के विभिन्न जलवायु में पायी जाने वाली अन्य छोटे तथा मध्यम आकार की बकरियाँ के नस्ल सुधार हेतु किया गया। वैज्ञानिक अनुसंधान से यह पता चला कि जमनापारी सभी जलवायु के लिए उपयुक्त नही हैं।

बारबरी

बारबरी मुख्य रूप से मध्य एवं पश्चिमी अफ्रीका में पायी जाती है। इस नस्ल के नर तथा मादा को पादरियों के द्वारा भारत वर्ष में सर्वप्रथम लाया गया। अब यह उत्तर प्रदेश के आगरा, मथुरा एवं इससे लगे क्षेत्रों में काफी संख्या में उपलब्ध है।

यह छोटे कद की होती है परन्तु इसका शरीर काफी गठीला होता है। शरीर पर छोटे-छोटे बाल पाये जाते हैं। शरीर पर सफेद के साथ भूरा या काला धब्बा पाया जाता है। यह देखने में हिरण के जैसा लगती है। कान बहुत ही छोटा होता है। थन अच्छा विकसित होता है। वयस्क नर का औसत वजन 35-40 किलो ग्राम तथा मादा का वजन 25-30 किलो ग्राम होता है। यह घर में बांध कर गाय की तरह रखी जा सकती है। इसकी प्रजनन क्षमता भी काफी विकसित है। 2 वर्ष में तीन बार बच्चों को जन्म देती है तथा एक वियान में औसतन 1.5 बच्चों को जन्म देती है। इसका बच्चा करीब 8-10 माह की उम्र में वयस्क होता है। इस नस्ल की बकरियाँ मांस तथा दूध उत्पादन हेतु उपयुक्त है। बकरियाँ औसतन 1.0 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है।

सिरोही

सिरोही नस्ल की बकरियाँ मुख्य रूप से राजस्थान के सिरोही जिला में पायी जाती है। यह गुजरात एवं राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी उपलब्ध है। इस नस्ल की बकरियाँ दूध उत्पादन हेतु पाली जाती है लेकिन मांस उत्पादन के लिए भी यह उपयुक्त है। इसका शरीर गठीला एवं रंग सफेद, भूरा या सफेद एवं भूरा का मिश्रण लिये होता है। इसका नाक छोटा परन्तु उभरा रहता है। कान लम्बा होता है। पूंछ मुड़ा हुआ एवं पूंछ का बाल मोटा तथा खड़ा होता है। इसके शरीर का बाल मोटा एवं छोटा होता है। यह सलाना एक वियान में औसतन 1.5 बच्चे उत्पन्न करती है। इस नस्ल की बकरियों को बिना चराये भी पाला जा सकता है।

झारखंड प्रांत की जलवायु में उपरोक्त वर्णित नस्लों का पालन किया जा सकता है या यहाँ पायी जाने वाली बकरियों के नस्ल सुधार हेतु बीटल, बारबरी, सिरोही एवं जमनापारी के बकरे व्यवहार में लाये जा सकते हैं।

बीटल

बीटल नस्ल की बकरियाँ मुख्य रूप से पंजाब प्रांत के गुरदासपुर जिला के बटाला अनुमंडल में पाया जाता है। पंजाब से लगे पाकिस्तान के क्षेत्रों में भी इस नस्ल की बकरियाँ उपलब्ध है। इसका शरीर भूरे रंग पर सफेद-सफेद धब्बा या काले रंग पर सफेद-सफेद धब्बा लिये होता है। यह देखने में जमनापारी बकरियाँ जैसी लगती है परन्तु ऊँचाई एवं वजन की तुलना में जमुनापारी से छोटी होती है। इसका कान लम्बा, चौड़ा तथा लटकता हुआ होता है। नाक उभरा रहता है। कान की लम्बाई एवं नाक का उभरापन जमुनापारी की तुलना में कम होता है। सींग बाहर एवं पीछे की ओर घुमा रहता है। वयस्क नर का वजन 55-65 किलो ग्राम तथा मादा का वजन 45-55 किलो ग्राम होता है। इसके वच्चों का जन्म के समय वजन 2.5-3.0 किलो ग्राम होता है। इसका शरीर गठीला होता है। जाँघ के पिछले भाग में कम घना बाल रहता है। इस नस्ल की बकरियाँ औसतन 1.25-2.0 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है। इस नस्ल की बकरियाँ सलाना बच्चे पैदा करती है एवं एक बार में करीब 60त्न बकरियाँ एक ही बच्चा देती है। बीटल नस्ल के बकरों का प्रयोग अन्य छोटे तथा मध्यम आकार के बकरियों के नस्ल सुधार हेतु किया जाता है। बीटल प्रायः सभी जलवायु हेतु उपयुक्त पाया गया है।

विदेशी बकरियों की प्रमुख नस्लें

अल्पाइन - यह स्विटजरलैंड की है। यह मुख्य रूप से दूध उत्पादन के लिए उपयुक्त है। इस नस्ल की बकरियाँ अपने गृह क्षेत्रों में औसतन 3-4 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है।

एंग्लोनुवियन -

यह प्रायः यूरोप के विभिन्न देशों में पायी जाती है। यह मांस तथा दूध दोनों के लिए उपयुक्त है। इसकी दूध उत्पादन क्षमता 2-3 किलो ग्राम प्रतिदिन है।

सानन -

यह स्विटजरलैंड की बकरी है। इसकी दूध उत्पादन क्षमता अन्य सभी नस्लों से अधिक है। यह औसतन 3-4 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन अपने गृह क्षेत्रों में देती है।

टोगेनवर्ग -

टोगेनवर्ग भी स्विटजरलैंड की बकरी है। इसके नर तथा मादा में सींग नहीं होता है। यह औसतन 3 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है।

पपीता

पपीता भारत वर्ष में पूरे साल पैदा होता है। यह एक सर्वलिंगी पौधा है तथा इसमें नर, उभयलिंगी और मादा पौधे पाए जाते हैं। इसको उगाने के लिए कम जगह की आवश्यकता होती है तथा इसमें एक वर्ष में ही फल आना शुरू हो जाते हैं।

किस्में : पूसा डेलीसियस, पूसा मैजिस्टी, पूसा जायन्ट, पूसा ड्वार्फ, पूसा नन्हा, सूर्या, हनीड्यू, कुर्ग हनीड्यू, वाशिंगटन, कोयम्बटूर-1, कोयम्बटूर-2, कोयम्बटूर-3, कोयम्बटूर-5, कोयम्बटूर-6, कोयम्बटूर-7, सोलो इत्यादि।

नर्सरी तैयार करना : पपीते का प्रवर्धन बीज द्वारा किया जाता है। एक हैक्टेयर खेत में पौध लगाने के लिए लगभग 250-300 ग्रा. बीज की आवश्यकता होती है। पपीते की नर्सरी के लिए 10 सें.मी. ऊँची, 3 मी. नमबी तथा 1 मी. चौड़ी क्यारी बनानी चाहिए। पपीते की पौध को पॉलीथीन के थैलों में भी तैयार किया जा सकता है। नर्सरी हेतु अथवा पॉलीथीन के थैलों में भरने हेतु बालू, मिटटी तथा गोबर की सड़ी हुई खाद की समान अनुपात में मिलाकर मिश्रक तैयार करना चाहिए। बुवाई से पहले बीज को मीनोसान 0.1 प्रतिशत की दर से उपचारित करते हैं जिससे डैम्पिंग ऑफ कम होता है।

सस्य क्रियाएँ : रोपक करने से पहले भूमि की अच्छी तरह जुताई करके सममतल बना लेते हैं। पौधे लगाने के लिए 60*60*60 सें.मी. आकार का गड्ढा तैयार करना चाहिए। एक गड्ढे में 20 कि.ग्रा. सड़ी हुइ गोबर की खाद, 1 कि.ग्रा. नीम खली तथा 1 कि.ग्रा. बोन मील की आवश्यकता होती है। पपीते का रोपक मुख्यतः फरवरी-मार्च में किया तजाता हे इसके अलावा मानसून तथा शीतकाल में भी रोपक कर सकते हैं। पपीते में पौधों की संघनता किस्म, भूमि तथा जलवायु पर निर्भर करती है। पौधे से पौधे तथा पंक्ति से पंक्ति की दूरी 2.1 ग 2.1 मी. अधिकांशतः किस्मों में रखी जाती है ओर पूसा नन्हा के लिए 1.2 ग 1.2 मी. का प्रयोग करते हैं। जहाँ हवाएँ तेज चलती है तथा पत्तियों का नुकसान होता है वहाँ पपीते के बगानों के चारों तरफ हवा रोधक पौधे लगाना चाहिए। द्विलिंगी किस्मों के पपीते के बागों में 10=1 के अनुपात में मादा तथा नर पौधे रखना चाहिए। पपीते की अच्छी उपज, बढ़वार तथा गुकवत्ता के लिए पूर्याप्त सिंचाई करना आवश्यक होता है।

उवंरण व खाद : पपीते की फसल बागवानी के लिए खाद एवं उर्वरण की समुचित मात्रा की आवश्यकता होती है। सामान्यतः पपीते के पौधों को नत्रजन 200-250 ग्रा., 200-250 ग्रा. फॉस्फोरस तथा 200-250 ग्रा. पोटाश 4 से 6 बराबर भागों में विभक्त करके देते हैं।

खरपतवार नियंत्रण : पपीते की अच्छी बढ़वार के लिए 2-3 निराई-गुड़ाई की आवश्यकता होती है तथा लूक्लोरेलिन 2.0 ग्रा./है. की दर से छिड़काव करना चाहिए।

तुड़ाई एवं उपज : पपीते के फल पूरी तरह से पकने के बाद ही तुड़ाई करते हैं तथा इसकी उपज 30-45 फल/पौधा होती है। लेभग 60-75 टन/है. उपज भी मिलती है।

तुड़ाई उपरांत प्रौद्योगिकी

1. जब फलों का रंग हरे से पीले में परिवर्तित होना शुरू हो जाए तो तुड़ाई करें।
2. आकार व रंग के आधार पर वर्गीकृत कर गत्ते के बक्सों में पैक करें।
3. 10-12 डिग्री से. तापमान व 80 प्रतिशत सापेक्ष आर्द्रता पर 15-20 दिनों तक भण्डारित करें।
4. कच्चे पपीते से पर्पन निकालें।

कीट प्रकोप एवं प्रबंधन

1. लाल मकड़ी माइट (रेड स्पाइडर माइट)

लाल मकड़ी माइट पत्ती व फलों से रस चूसती है जिससे पत्ते पीले पड़ जाते हैं व फलों की सतह खुरदरी भूरे रंग की जाती है। फलों पर ध्ब्बे भी बन जाते हैं।

इस कीट के नियंत्रण के लिए कैल्थेन 18.5 इ.सी. 2-3 मि.लि. /लिटर या आबामेक्टिन 1.9 ई.सी. 1 मि.लि./2 लिटर या मेथइल डेमिटोन 25 ई.सी. 2 मि.लि./ लिटर का छिड़काव करें।

2. फल मक्खी (फ्रूट फलाई)

फल सब्जी तुड़ाई से पहले पके हुए फलों को नुकसान पहुँचाती हैं। इस कीट के नुकसान के लक्षण व प्रबंधन आम के न्तिर्गत दर्शाए गए हैं।

3. सूत्रकृमि (नेमाटोड)

पपीते की फसल को जड़गांठ (रूट नॉट) एवं रीनिॉर्म काफी नुकसान पहुँचाते हैं। ग्रसित पौधों की जड़ों में मांठें बनने से पौधे बौने रह जाते हैं व पत्ते पीले होकर सूख जाते हैं।

प्रबंधन

1. पपीते की सूत्रकृमि प्रतिरोधी किस्म जैसे पूसा मजेस्टी लगाएँ।
2. कार्बोफ्चूरॉन 3 जी 3-4 ग्राम/पौधा प्रयोग करें।
4. रस चूसने वाले कीट

चेपा (एफिड) व सफेद मक्खी (व्हाइट फलाई) रस खूसकर पौधों को नुकसान पहुँचाते हैं। लेकिन ज्यादा नूकसान इनके द्वारा वाइरस बीमारियाँ फैलाने से होता है।

इन कीटों की रोकथाम के लिए डाईमेथोएट 30 ई.सी. 1 मि.लि./ लिटर या मेथाइल डेमिटोन 25 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर या इमिडाक्लोप्रिड. 17.8 एस.एल. 1 मि.लि./3 लिटर पानी की दर से छिड़कें।

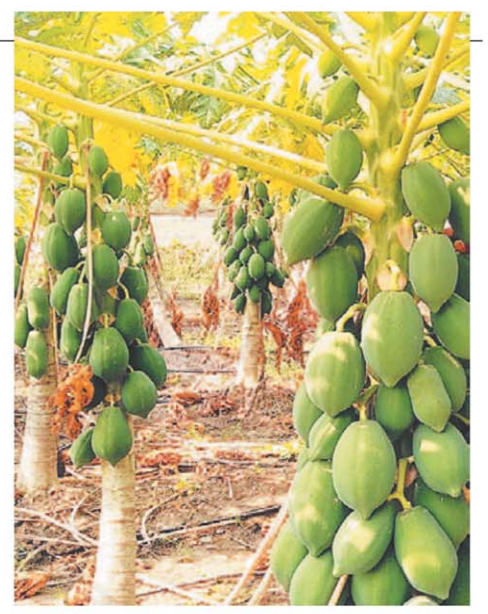

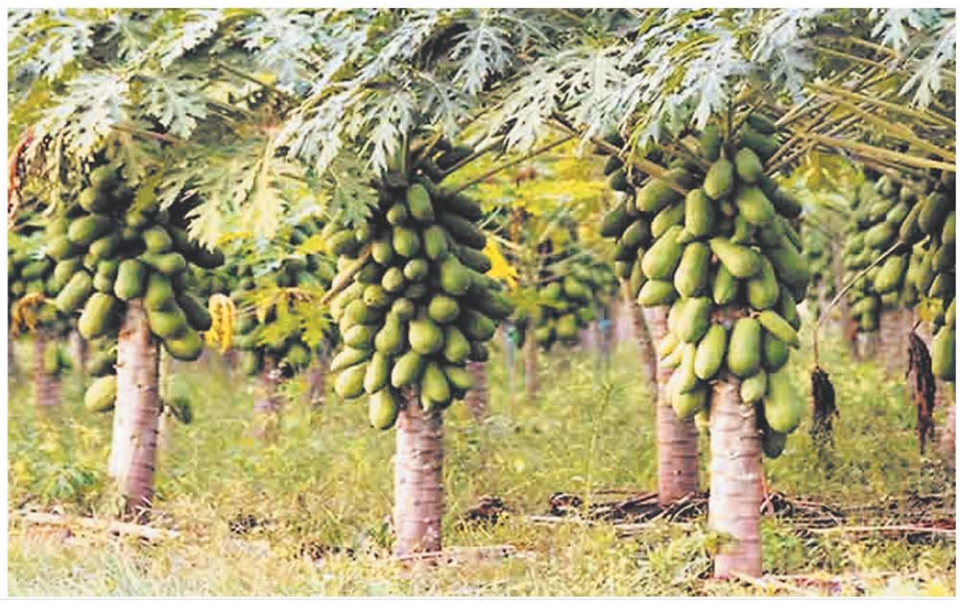

रियलमी ने लॉन्च किए रियलमी पी3 प्रो 5जी और रियलमी पीЗएक्स 5जी

मुंबई, एजेंसी। रियलमी, जो भारतीय युवाओं का सबसे चहेता स्मार्टफोन ब्रांड है, उसने गर्व से रियलमी पी3 सीरीज 5जी पेश किया है। यह खासतौर से भारत के हिसाब से डिजाइन किया गया है रियलमी पी3 प्रो 5जी और रियलमी पी3एक्स 5जी के साथ यह सीरीज भारतीय उपभोक्ताओं को अत्याधुनिक इनोवेशन पेश करने की अवधारणा का प्रदर्शन करती है। बेहतरीन परफ़ॉर्मेंस, ड्यूरेबिलिटी और स्टाइल पर केंद्रित रहते हुए ये स्मार्टफोन मिड-रेंज सेगमेंट में नए मानक स्थापित कर देंगे, जिससे अपने यूज़र्स को सेगमेंट-फर्स्ट इनोवेशन पेश करने की रियलमी की प्रतिबद्धता मजबूत होती है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, रियलमी के प्रवक्ता ने कहा कि हमें रियलमी पी3 प्रो 5जी और रियलमी पी3एक्स 5जी पेश करते हुए बहुत खुशी हो रही है, ये दोनों डिवाइस हमारे इनोवेशन और यूज़र-केंद्रित डिज़ाइन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। रियलमी पी3 प्रो 5जी, अपने लुभावने रंग बदलने वाली फाइबर और स्नैपड्रैगन 7 जेन 3 चिपसेट के साथ एक अद्वितीय और शानदार अनुभव देता है। रियलमी पी3एक्स 5जी, अपनी विशाल बैटरी और उच्चतम स्तर की वाटरप्रूफ क्षमता के साथ कठिन परिस्थितियों को सहने के लिए बनाया गया है। दोनों डिवाइस बेहतरीन परफ़ॉर्मेंस, शानदार दृश्य और लम्बे समय तक चलने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, इसीलिए यह हमारे उपयोगकर्ताओं के लिए आदर्श विकल्प हैं।

फ्लिपकार्ट के प्रवक्ता ने कहा कि हम रियलमी पी3 सीरीज 5जी को फ्लिपकार्ट पर लाने के लिए बहुत उत्साहित हैं, यह हमारे ग्राहकों को नए इनोवेशन के साथ-साथ बेहतरीन परफ़ॉर्मेंस देने का वादा करते हैं। रियलमी के साथ, हम डिज़ाइन और टेक्नोलॉजी के मामले में हमेशा कुछ नया करना चाहते हैं, रियलमी पी3 सीरीज 5जी अपनी मनमोहक खूबियों और इनोवेटिव डिज़ाइन के साथ अलग ही पहचान बनाता है। यह लॉन्च हमारे उपयोगकर्ताओं को बेहतरीन स्मार्टफोन्स आकर्षक मूल्य पर देने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे हमारे प्लेटफॉर्म के माध्यम से सर्वोत्तम टेक्नोलॉजी तक पहुँच सकें।

महिंद्रा एक्सीलेंस इन थिएटर अवार्ड्स अपने 20वें संस्करण के लिए तैयार

20 भारतीय राज्यों से 32 भाषाओं और बोलियों में 367 नाटकों में से चुने गए उत्कृष्ट नाटक

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रंगमंच के प्रतिष्ठित पुरस्कार और फेस्टिवल–महिंद्रा एक्सीलेंस इन थिएटर अवार्ड्स –13 से 20 मार्च 2025 तक लौट रहे हैं। महिंद्रा ग्रुप द्वारा स्थापित इस पुरस्कार समारोह के 13 श्रेणियों के लिए नामांकित शीर्ष 10 नाटकों की घोषणा की गई है। ये नाटक नई दिल्ली में प्रस्तुत किए जाएंगे और पुरस्कार वितरण समारोह के साथ इस फेस्टिवल का भव्य समापन होगा। विजेताओं को 20 मार्च 2025 को कमानी ऑडिटोरियम में रंगमंच की प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति में सम्मानित किया जाएगा। बेहतरीन नाटकों के लिए मशहूर, मेटा में अब तक पौराणिक कथाओं, लिंग, पहचान, विद्रोह, दमन, अधिनायकवाद, व्यक्तिगत संघर्षों और रोमांच जैसे विषयों पर नाटक शामिल रहे हैं। अपने 20वें संस्करण में भी नामांकित नाटक सीमाओं को तोड़ते हुए विविध दृष्टिकोणों और कहानियों का सम्मिश्रण प्रस्तुत कर रहे हैं। 2025 संस्करण के लिए इस फेस्टिवल में भारत के 20 राज्यों से 367 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं, जिनमें दो अंतरराष्ट्रीय प्रविष्टियां भी शामिल हैं। इस बार शॉर्टलिस्ट किए गए नाटक मध्य प्रदेश, कर्नाटक, केरल, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र से हैं। हमेशा की तरह, फेस्टिवल ने समावेशिता और विविधता को अपनाया है, इस बार 32 भारतीय भाषाओं और बोलियों में प्रस्तुतियां आई हैं। अंतिम 10 नामांकनों में हिंदी, मलयालम, बांग्ला, कन्नड़, संस्कृत, बुंदेली और अंग्रेज़ी में नाटक शामिल हैं।

ऐक्टिव क्लोदिंग ने क्यू3 एफवाय25 में 223 प्रतिशत पीएटी वृद्धि की रिपोर्ट दी

मुंबई, एजेंसी। मोहाली, पंजाब 17 फरवरी, 2025 : ऐक्टिव क्लोथिंग कंपनी लिमिटेड भारत की प्रमुख डिज़ाइन–टू–शेल्फ प्लेटफ़ॉर्म, जो वैश्विक फैशन ब्रांड्स के लिए फ्लैट–निटेड स्वेटर्स, जैकेट्स और सर्कुलर–निटेड ऐपरेल में विशेषज्ञता रखता है, ने अपनी अनऑडिटेड क्यू3 और 9एम एफवाय25 परिणामों की घोषणा की है।

ऐक्टिव क्लोदिंग कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री राजेश मेहरा ने वित्तीय प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कहा, हम क्यू3 और 9एम एफवाय25 के लिए एक मजबूत वित्तीय प्रदर्शन की रिपोर्ट करने के लिए प्रसन्न हैं, जिसमें हमारे क्यू3 पीएटी में 223 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और हमारे 9एम एफवाय25 की राजस्व ने एफवाय24 के पूर्ण वर्ष की राजस्व को पहले ही पार कर लिया है। यह वृद्धि हमारे नवाचार, दक्षता और प्रमुख वैश्विक फैशन ब्रांड्स के साथ संबंधों को मजबूत करने पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाती है।

लाइफ सेविंग का काम करता है इमरजेंसी विभाग- डॉ. वी. निरंजनी

बैतूल। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की कंसलटंट (एक्सीडेंट एंड इमरजेंसी) डॉ. वी. निरंजनी ने कहा, वर्तमान समय में लोगों में मेडिकल इमरजेंसी के बारे में अवेयरनेस की जरूरत है क्योंकि आमतौर पर देखा जाता है कि लोग किसी भी समस्या के लिए इमरजेंसी विभाग में पहुंच जाते हैं. यहां केवल इमरजेंसी पेशेंट को ही लाना चाहिए जिन्हे तुरंत उपचार की आवश्यकता है. इमरजेंसी विभाग में उच्च प्रशिक्षित स्टाफ और डॉक्टर रहते हैं जिनका फायदा उन्हें मिलना चाहिए जो ज़्यादा पीड़ित है और जिन्हे तुरंत उपचार की आवश्यकता है. सबसे पहले तो यह जागरूकता लानी जरूरी है कि कौनसे पेशेंट को इमरजेंसी विभाग में ले जाना चाहिए और किसे ओपीडी में.यदि पेशेंट को सांस लेने में तकलीफ हो रही है, चेस्ट पेन है, स्ट्रोक की समस्या है, लकवे का शिकार हुआ है, ज्यादा बुखार है, चक्कर आकर गिर गया है, एक्सीडेंट हुआ है तो उसे बगैर देरी किए इमरजेंसी विभाग में ले जाना चाहिए. अन्यथा पेशेंट 3–4 दिनों से समस्या से जूझ रहा है और उसे सर्दी, खांसी जैसी सामान्य समस्या है तो इसके लिए ओपीडी में जाना चाहिए. ऐसे में इमरजेंसी विभाग का लोड कम होगा और जो वाकई इमरजेंसी पेशेंट हैं, उन्हें यह सुविधा तत्काल प्रभाव से मिल सकेगी क्योंकि इमरजेंसी विभाग लाइफ सेविंग का काम करता है.मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की कंसलटंट (एक्सीडेंट एंड इमरजेंसी) डॉ. वी. निरंजनी ने आगे कहा, सबसे जरूरी तो यह है कि हर किसी के घर में फर्स्ट एड किट होना ही चाहिए. इसमें कॉटन, क्रेप बैंडेज, बिटाडीन क्रीम, स्प्रे, गौज रोल आदि चीजें होनी चाहिए.

एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज

मुंबई। एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट लिमिटेड ने पशु विकास दिवस के दौरान कई स्थानों पर एक साथ 'सबसे बड़े पशु विकास प्रशिक्षण' के लिए गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज करा लिया है। इस गतिविधि में देश भर के 6 आयोजन स्थलों पर 517 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कंपनी द्वारा आयोजित पशु विकास दिवस के सातवें संस्करण के तहत यह उपलब्धि हासिल की गई, जो देश का सबसे बड़ा एक दिवसीय पशु देखभाल शिविर था। इन शिविरों का आयोजन एक साथ 16 राज्यों के 500 स्थलों पर किया गया जिसमें लाभार्थियों की संख्या 1,90,000 रही (150,000 पशु एवं 40,000 पशु मालिक)। भारत में तकरीबन 65–70 फीसदी ग्रामीण आबादी अपनी आजीविका के लिए कृषि एवं कृषि से संबंधित गतिविधियों पर निर्भर करती है।

117 तक जाएगा एनएचपीसी का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। हाइड्रो पावर कंपनी एनएचपीसी के शेयर आज गुरुवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 4 प्रतिशत से अधिक चढ़कर 77.60 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक पॉजिटिव अपडेट है। दरअसल, ब्रोकरेज फर्म सीएलएसए ने एनएचपीसी को आउटपरफॉर्म से हाई कन्विक्शन आउटपरफॉर्म रेटिंग में अपग्रेड किया है। बता दें कि हाई कन्विक्शन का मतलब ऐसे स्टॉक्स से है जिनमें अपने पोर्टफोलियो का बड़ा हिस्सा लगा सकते हैं। यह इसमें मजबूत डेवलपमेंट कैपासिटी को दिखाता है। सीएलएसए एनएचपीसी में लंबी अवधि के लिए निवेश के रूप में देखता है। उनके मुताबिक, आने वाले सालों में इससे जबरदस्त मुनाफे की उम्मीद है। फर्म का मानना है कि स्टॉक के बेसिक प्रिंसिपल और आगामी परियोजनाएं इसमें पर्याप्त उछाल की स्थिति में हैं।

क्या है टारगेट प्राइस

हालांकि, सीएलएसए ने हाई कैपिटल एक्सपेंडिचर को ध्यान में रखते हुए कंपनी का टारगेट प्राइस को पहले के 120 रुपये से घटाकर 117 रुपये कर दिया है। सीएलएसए का मानना है कि स्टॉक में अगले चार वर्षों में दोगुना होने की क्षमता है, जिससे यह एक अट्रैक्टिव लॉन्ग टर्म निवेश बन जाएगा। बता दें कि पिछले छह महीनों में एनएचपीसी के शेयर में हालिया 20 प्रतिशत सुधार निवेशकों के लिए स्टॉक जमा करने का एक सस्ता अवसर बना हुआ है। पारबती 2 हाइड्रो परियोजना की शुरुआत से वित्त वर्ष25 में विनियमित इक्विटी में 27 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे कंपनी की वित्तीय स्थिति और मजबूत होगी। कम अवधि के विनियमित पंप भंडारण में एनएचपीसी के प्रवेश को विकास की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा जाता है। ब्रोकरेज को वित्त वर्ष 2024-28 के दौरान विनियमित इक्विटी में 2 गुना वृद्धि का अनुमान है, क्योंकि प्रमुख परियोजनाएं पूरी होने तक पहुंचती हैं, जिससे प्रति शेयर आय (ईपीएस) में वृद्धि होती है।

एनएचपीसी शेयर की कीमत

पिछले साल एनएचपीसी के शेयरों में 21 फीसदी की गिरावट आई है। हालांकि, दो साल की अवधि में, स्टॉक ने 89 प्रतिशत का प्रभावशाली रिटर्न दिया है। पिछले तीन और पांच वर्षों में, एनएचपीसी ने क्रमश: 153 प्रतिशत और 253 प्रतिशत का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है।

दिसंबर तिमाही के नतीजे

पब्लिक सेक्टर की कंपनी एनएचपीसी का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर–दिसंबर तिमाही में 47 प्रतिशत घटकर 330.13 करोड़ रुपये रह गया। खर्च बढ़ने से कंपनी के लाभ में कमी आई है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 623.28 करोड़ रुपये रहा था। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उसका कुल खर्च बढ़कर 2,217.51 करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,733.01 करोड़ रुपये था।

डीलरशिप के सर्विस सेंटर्स में सर्विस कराना ज्यादा महंगा

66 प्रतिशत के मुताबिक सर्विस सेंटर ने ज्यादा पैसे लिए गए

नईदिल्ली, एजेंसी। सबको पता है कि गाड़ी और अपनी सुरक्षा के लिए गाड़ी की सही सर्विसिंग कितनी बहुत जरूरी है। लेकिन डीलरशिप के सर्विस सेंटर्स पर सर्विस कराना अब मुश्किल होता जा रहा है। जारी सर्वे के मुताबिक पिछले 3 वर्षों में जिन कस्टमर्स ने डीलरशिप के सर्विस सेंटर पर अपनी गाड़ी की सर्विस कराई हैं, उनमें से 66 प्रतिशत को लगता है कि उनसे ज्यादा पैसे लिए गए। इनमें से 20 प्रतिशत को सर्विस और कस्टमर केयर की क्वालिटी भी औसत से कम लगी सिर्फ 45 प्रतिशत कस्टमर्स ने सर्वे में ये बताया कि वो डीलरशिप के सर्विस सेंटर्स की सर्विस और कस्टमर केयर से खुश है।

76 प्रतिशत कस्टमर्स ने कहा कि अगर स्पेयर पार्ट्स और लेबर के चार्जेस 40 प्रतिशत तक कम कर दिए जाएं, तो वो डीलरशिप के सर्विस सेंटर्स पर ही सर्विस कराने जाएंगे। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की टेस्ला अब भारत में आ रही है। सवाल है कि स्टैंडर्डस तय करने की जरूरत है टेस्ला दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है और उसने भारत में भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है।

नायसस फाइनेंस की दुबई शाखा संयुक्त अरब अमीरात के बाजार में अपना विस्तार करेगी

मुंबई, एजेंसी। नायसस फाइनेंस सर्विसेज को लिमिटेड जो अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर और स्ट्रक्चर्ड फाइनेंस में विशेषज्ञता रखने वाली एक प्रसिद्ध निवेश प्रबंधन फर्म है, ने यह घोषणा की है की दुबई-स्थित फंड सलाहकार, नायसस फाइनेंस इन्वेस्टमेंट कंसल्टेंसी एफजेडसीओ ने नायसस हाई यील्ड ग्रोथ फंड क्लोज्ड-एंडेड आईसी (फंड) और इससे जुड़े प्रोजेक्ट्स के लिए वित्त जुटाने में सहायता के लिए वैश्विक अग्रणी निवेश बैंक होलिहॅन लोकी को नियुक्त किया है।

होलिहॅन लोकी, अमेरिका, यूरोप, मध्य पूर्व और एशिया-प्रशांत में मजबूत उपस्थिति वाला एक प्रमुख वित्तीय संस्थान, विलय और अधिग्रहण, पूंजी बाजार, वित्तीय पुनर्गठन और वित्तीय और मूल्यांकन सलाहकार में माहिर है। एलएसईजी (पूर्व में रिफाइनिटिव) द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार लेनदेन की संख्या के आधार पर, फर्म को पिछले दस वर्षों से लगातार यू.एस. में नंबर 1 एम एंड ए सलाहकार और लगातार ग्यारह वर्षों तक नंबर 1 वैश्विक पुनर्गठन सलाहकार के रूप में स्थान दिया गया है।

नायसस फाइनेंस हाई यील्ड ग्रोथ फंड एक डीआईएफसी-पंजीकृत श्रेणी 3सी फंड है, जिसे दुबई फाइनेंशियल सर्विसेज अथॉरिटी (डीएफएसए) द्वारा एक योग्य निवेशक संपत्ति फंड के रूप में विनियमित किया जाता है। यह खाड़ी क्षेत्र में उच्च-उपज, स्थिर, किराए पर कमाई वाली संपत्ति प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसका लक्ष्य 20 प्रतिशत से अधिक अमेरिकी डॉलर आईआरआर है। फंड ने पहले ही दुबई की दो प्रमुख संपत्तियों, जुमेराह विलेज सर्कल (जेवीसी) और अल फुरजान में पूंजी लगा दी है, जिसका कुल निवेश मूल्य 55 मिलियन अमेरिकी डॉलर है। नायसस फाइनेंस इन्वेस्टमेंट कंसल्टेंसी एफजेडसीओ, नायसस फाइनेंस की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, फंड के लिए विशेष निवेश सलाहकार के रूप में कार्य करती है।

नायसस फाइनेंस, जो अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश करने वाली प्रमुख वैकल्पिक फंड प्रबंधक कंपनी है, वर्तमान में तीन फंड्स का प्रबंधन कर रही है, जिनमें से एक है निसस हाई यील्ड ग्रोथ फंड क्लोज्ड-एंडेड आईसी, जो डीएफएसए संदर्भ संख्या सी000226 के तहत पंजीकृत है।

बढ़ती मांग के बीच कैंब्रिज की चेकपॉईंट टेस्ट सीरीज़ का विस्तार हुआ

मुंबई, एजेंसी। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस एंड एसेसमेंट में इंटरनेशनल एजुकेशन ग्रुप द्वारा कैंब्रिज चेकपॉईंट टेस्ट सीरीज़ का विस्तार किया जा रहा है। ये टेस्ट स्कूलों को प्राईमरी और लोअर सेकंडरी स्टूडेंट्स की लर्निंग की जरूरतों को समझने में मदद करते हैं। पिछले साल अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने लर्नर्स की परफॉर्मेंस का आकलन करने के लिए 101 देशों के 1600 से अधिक स्कूलों ने कैंब्रिज चेकपॉईंट टेस्ट्स का उपयोग किया। कैंब्रिज बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए मई और अक्टूबर के अलावा 2026 से मार्च में तीसरी टेस्ट सीरीज़ शुरू कर रहा है।

कैंब्रिज हर सीरीज़ के लिए एक सप्ताह का टाईमटेबल भी पेश कर रहा है, और यह मई सीरीज़ की तारीखें स्कूलों की जरूरतों के अनुरूप आगे बढ़ा रहा है। राखी मुखर्जी, प्रिंसिपल, उत्पल शांघवी ग्लोबल स्कूल एवं पीपीएसआईजेसी ने कहा, ''कैंब्रिज चेकपॉईंट टेस्ट मूल्यांकन के अलावा हमारे लर्नर्स की जरूरतों के बारे में निर्णय लेने के लिए महत्वपूर्ण डेटा और उनकी परफॉर्मेंस का वैश्विक परिप्रेक्ष्य प्रदान करते हैं। इस व्यक्तिगत विश्लेषण द्वारा हम ज्यादा केंद्रित सहयोग प्रदान कर सकेंगे, जिससे हर विद्यार्थी को लर्निंग में मदद मिलेगी। साथ ही, इस परिवर्तन द्वारा हमें एकेडेमिक वर्ष की शुरुआत में ज्यादा प्रभावी योजना बनाने में मदद मिलेगी, जिससे टीचिंग और लर्निंग के लिए संरचनाबद्ध दृष्टिकोण सुनिश्चित होगा। सभी परीक्षाओं का समन्वय एक स्वागतयोग्य कदम है, जिससे हमारे जैसे कैंब्रिज पाथवे स्कूलों के लिए ज्यादा तालमेल और स्पष्टता आ सकेगी।'' रॉड स्मिथ, ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल एजुकेशन, कैंब्रिज ने कहा, ''कैंब्रिज चेकपॉईंट टेस्ट स्कूलों को युवा लर्नर की प्रगति को ट्रैक करने और सहयोग को अनुकूलित करने में मदद करते हैं।

किआ इंडिया ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में पेश की नई ईवी6, नवाचारों की प्रेरक दुनिया का किया प्रदर्शन

नई किआ ईवी6 में 5 नए ऑटोनॉमस फीचर्स जोड़े गए हैं, जो इसे और भी सुरक्षित और स्मार्ट बनाते हैं। यह इलेक्ट्रिक वाहन 650+ किलोमीटर की रेंज प्रदान करता है, जो इलेक्ट्रिक वाहन तकनीक में किआ की उत्कृष्टता को दिखाता है।

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में किआ इंडिया ने अपनी नई ईवी6 का अनावरण किया। कंपनी ने घोषणा की है कि इस इलेक्ट्रिक वाहन की बुकिंग आज से शुरू हो गई है। यह वाहन किआ की इलेक्ट्रिक मोबिलिटी यात्रा का एक और महत्वपूर्ण कदम है। नई किआ ईवी6 सुरक्षा के नए मानक स्थापित करती है। यह वाहन कंपनी के एडीएएस 2.0 पैकेज से लैस है, जिसमें 27 उन्नत सुरक्षा और ड्राइवर असिस्टेंस फीचर्स शामिल हैं। पिछले मॉडल की तुलना में इसमें 5 नई सुविधाएं जोड़ी गई हैं, जो इसे और भी बेहतर बनाती हैं। नई किआ ईवी6 में ये उन्नत सुरक्षा फीचर्स दिए गए हैं- इनमें फ्रंट कोलिजन अवॉइडेंस असिस्ट : शहर, पैदल यात्री, साइकिल चालक और जंक्शन टर्निंग के लिए; फॉरवर्ड कोलिजन अवॉइडेंस : जंक्शन क्रॉसिंग और लेन चेंज असिस्ट के साथ, लेन फॉलो असिस्टः वाहन को लेन में बनाए रखने के लिए, इवेसिव स्टीयरिंग असिस्ट- टक्कर से बचने के लिए शामिल हैं। ये सभी फीचर्स कंपनी के प्रमुख मॉडल ईवी9 से प्रेरित हैं और टक्कर सुरक्षा, संरचनात्मक मजबूती, और यात्रियों की सुरक्षा को और बेहतर बनाते हैं। किआ की फ्लैगशिप इलेक्ट्रिक एसयूवी ईवी9 ऑटोमोटिव इंडस्ट्री में तकनीक और नवाचार के नए मानक स्थापित कर रही है। इस वाहन ने प्रतिष्ठित वर्ल्ड कार ऑफ द ईयर का खिताब जीतने के साथ ही अपनी जगह और मजबूत कर ली है। किआ इंडिया ने ग्लोबल टेक्नोलॉजी, शानदार डिजाइन और टिकाऊ इंजीनियरिंग को अपने उत्पादों के साथ बेहतरीन तरीके से जोड़ा है। हाल ही में लॉन्च की गई किआ सिरोस इसका एक और उदाहरण है। भारत मोबिलिटी एक्सपो 2025 के पैवेलियन में किआ इंडिया ने इमर्सिव डिस्प्ले के जरिए ऑटोमोटिव उत्कृष्टता के भविष्य और टिकाऊ परिवहन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। यह किआ इंडिया की नवाचार और एक बेहतर ट्रांसपोर्ट इकोसिस्टम बनाने की सोच का समर्थन करता है।

गोदरेज एंटरप्राइज ग्रुप के हैप्पीनेस सर्वे के मुताबिक घरेलू सुरक्षा के उल्लंघन के शिकार 98 प्रतिशत लोगों की खुशी प्रभावित हुई

गोदरेज एंटरप्राइज ग्रुप के सुरक्षा समाधान व्यवसाय ने सुरक्षा और सही मायने में खुशी के बीच गहरे संबंध को उजागर किया

मुंबई, एजेंसी। सुरक्षा सिर्फ बस प्रतिकूल परिस्थितियों से अपनी रक्षा का नाम नहीं बल्कि यह मन की शांति और स्थायी खुशी का आधार है। गोदरेज एंटरप्राइज ग्रुप के सुरक्षा समाधान व्यवसाय (सिक्योरिटी सॉल्यूशंस बिज़नेस) द्वारा किए गए ताज़ातरीन हैप्पीनेस सर्वे से पता चलता है कि जिन लोगों के घर की सुरक्षा का उल्लंघन हुआ और उनमें से 98 प्रतिशत ने बताया कि इससे उनके समग्र सुरक्षा भाव और खुशी पर सीधा असर पड़ा है। इससे भी ज़्यादा चिंताजनक बात यह है कि इनमें से 56 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि ऐसे उल्लंघन का उनके स्वास्थ्य पर बहुत अधिक असर हुआ।

इस सर्वेक्षण में शामिल 35 प्रतिशत उत्तरदाताओं के घर सेंधमारी, डकैती और चोरी जैसी घटनाएं हुईं, इसलिए ये निष्कर्ष सुरक्षा को बेहतर तरीके से अपनाने की तत्काल ज़रूरत को रेखांकित करते हैं। सर्वेक्षण में यह पता लगाने की कोशिश की गई कि लोगों ने सुरक्षा के लिए कैसे तरीके अपनाए। 41 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि उन्होंने होम लॉकर (तिज़ोरी) का विकल्प चुना, 45 प्रतिशत ने निगरानी कैमरों को अधिक सुरक्षित उपाय बताया, 36 प्रतिशत ने सुरक्षा गार्ड की उपस्थिति पर ज़ोर दिया, 29 प्रतिशत ने अलार्म सिस्टम को प्राथमिकता दी, और 20 प्रतिशत ने वीडियो डोर फोन की भूमिका पर रोशनी डाली।

गोदरेज एंटरप्राइज ग्रुप के सिक्योरिटी सॉल्यूशंस बिज़नेस के ईवीपी और बिजनेस हेड, श्री पुष्कर गोखले ने इन निष्कर्षों पर अपनी टिप्पणी में कहा, हमारे सर्वेक्षण के निष्कर्षों में सुरक्षा और खुशी के बीच मजबूत संबंध स्पष्ट है। सुरक्षित वातावरण खुशहाल और अपेक्षाकृत अधिक आत्मविश्वासी समाज को बढ़ावा देता है। सुरक्षा प्रौद्योगिकी को अपनाना सिर्फ चलन भर नहीं है, बल्कि यह बेहतर जीवन से जुड़ी प्रमुख आवश्यकता है। गोदरेज में, हम ऐसे नए-नए उपाय पेश करते रहते हैं जो लोगों को सबसे महत्वपूर्ण चीज़ों की सुरक्षा करने के लिए सशक्त बनाते हैं, ताकि वे खुशहाल, चिंता मुक्त जीवन जी सकें।

सुरक्षा का मतलब सिर्फ शारीरिक सुरक्षा नहीं है। यह सीधे-सीधे भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य से जुड़ी है।

भारत-अमेरिका मैत्री से विकास के नये रास्ते खुलेंगे

ललित गर्ग

भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिकी राष्ट्रपति से मुलाकात पर देश ही नहीं, दुनिया की भी निगाहें थीं। एक तो इसलिए कि मोदी उन चुनिंदा शासनाध्यक्षों में से एक हैं, जिनसे डोनाल्ड ट्रंप ने प्रारंभिक दौर में ही मुलाकात करना बेहतर समझा और दूसरे इसलिए कि भारत अब एक बड़ी ताकत बन चुका है और वैश्विक मामलों में उसका रुख-रवैया एवं नीतियां मायने रखती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल में सम्पन्न हुई अमेरिका की दो दिवसीय यात्रा अनेक दृष्टियों से ऐतिहासिक, अविस्मरणीय एवं मील का पत्थर बनकर प्रस्तुत हुई है। यह निश्चित है कि मोदी के नेतृत्व में एक नई सभ्यता और एक नई संस्कृति गढ़ी जा रही है। व्हाइट हाउस में संपन्न प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बातचीत कई मायनों में सकारात्मक एवं परिणामकारी रही। उसमें किसी तरह की तल्खी नजर नहीं आई, बल्कि मोदी-ट्रंप की दोस्ती ही नये विश्वास एवं संकल्प के साथ उभर कर सामने आयी है। यह निर्विवाद सत्य है कि अमेरिका हमेशा अपने कारोबारी हितों को ही प्राथमिकता देता है। इस मुलाकात में यही नजर आया कि ट्रंप दोनों देशों के व्यापार संतुलन का पलड़ा अमेरिका के पक्ष में करने को कटिबद्ध है। लेकिन मोदी ट्रंप की चतुराई को भी अपनी सादगी एवं सरलता से मात देते हुए भारत के हित में अनेक समझौते कर लिये हैं। यह तथ्य सर्वविदित है कि अमेरिका की नीतियां 'अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका' पर ही समाप्त हो जाती हैं। दूसरी बार सत्ता में आए ट्रंप ने जिस आक्रामक तरीके से कनाडा, मैक्सिको व चीन आदि पर टैरिफ लगाए हैं, वैसी आक्रामकता उन्होंने भारत के प्रति नहीं दिखायी। यह अमेरिका की भारत के प्रति एक विशेष दृष्टि मोदी के प्रभाव का ही परिणाम है।

ट्रंप ने मोदी को अपनी तुलना में बेहतर सख्त वातार्कार बताया। दोनों नेताओं ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दुगुना करने तथा लाभप्रद व्यापार समझौते के लिये बातचीत करने का संकल्प भी जताया। भविष्य में व्यापार समझौता अमेरिका के पक्ष में न झुके, इसके लिये प्रधानमंत्री मोदी ने कूटनीतिक कौशल का इस्तेमाल किया। भारत को नया बनने के लिए, स्वर्णिम बनाने के लिए, अनूठा बनाने के लिए और उसे विश्व की एक बड़ी ताकत के रूप में उभारने के लिये मोदी के प्रयास अनूठे भी हैं और विलक्षण भी हैं। यहां उल्लेखनीय है कि मोदी-ट्रंप मुलाकात में रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में बातचीत सकारात्मक रही। दोनों देशों ने एक दस वर्षीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। जिसमें प्रमुख हथियारों और प्लेटफार्मों के सह-उत्पादन को आगे बढ़ाने की महत्वाकांक्षी योजना का मार्ग प्रशस्त किया गया। वहीं दूसरी ओर यदि भारत को अमेरिकी एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमानों की प्रस्तावित आपूर्ति परवान चढ़ती है तो पड़ोसी देशों की बेचैनी और बढ़ जाएगी और भारत की ओर देखने की उनकी हिम्मत नहीं होगी। मोदीजी का जादू एक बार फिर सिर चढ़कर बोला है। मोदी की इस यात्रा के पीछे इरादा केवल भावनात्मक रिश्तों की बुनियाद को मजबूत करना नहीं रहा है, बल्कि भारत के हक में अमेरिकी नीतियों को प्रभावित करने के लिए उनका सहयोग पाने की मंशा भी रहा है, जो सफल हुआ। संभव है इससे भारत और अमेरिका दोनों ही देशों में विकास के नये रास्तें खुलेंगे।

इस यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण घोषणा यह भी रही है कि 26/11 के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी गई है। यह पाकिस्तान को चेतावनी भी है कि वह अपनी जमीन से आतंकवादियों को सीमापार आतंकी हमलों को अंजाम देने में मदद बंद करे। अब इस्लामाबाद पर मुंबई और पठानकोट के आतंक हमलों के साजिशकर्ताओं को सजा देने का दबाव भी बढ़ जाएगा। निस्संदेह, ट्रंप का 'टैरिफ आतंकवाद' निगलने वाली कड़वी गोली हो सकती है, लेकिन भारत की रक्षा तैयारियों में अमेरिका की बड़ी भूमिका एक आकर्षक प्रस्ताव होगा, जिससे भारत सैन्य मोर्चे पर सशक्त होकर उभरेगा। ट्रंप के साथ मुलाकात में भारत ने अवैध रूप से आए भारतीयों को वापस लेने की बात भी कही। पत्रकार वार्ता में मोदी ने कहा कि इस मुद्दे पर हमारे विचार एक जैसे हैं। यदि अमेरिका में अवैध भारतीय प्रवासियों की पुष्टि होती है तो हम उन्हें वापस लेने के लिये तैयार हैं। उन्होंने इसे मानव तस्करों की करतूत बताया।

मोदी की यह यात्रा दो बहुत अच्छे दोस्तों की बहुत ही नाजूक समझौतेवादी भूमिका को देखने का एक दिलचस्प एवं रोमांचक मौका बनी, प्रतिकूल लगते हालात को अनुकूल नतीजों की ओर मोड़ने का कौशल भी इस यात्रा में बेहतरीन अंदाज में नजर आया। दोनों नेता न केवल पहले से एक-दूसरे को अच्छी तरह से जानते रहे हैं बल्कि उनके बीच की व्यक्तिगत मित्रता एवं आत्मीयता भी चर्चित रही है। यह सुखद संयोग है कि दोनों नेता दुनिया के सबसे बड़े पुराने और सबसे विशाल लोकतंत्र के राष्ट्राध्यक्ष हैं। अमेरिका को पहले से ही दुनिया ग्लोबल लीडर मानती रही है। अब भारत नया और उभरता हुआ विश्वनेता बना है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की जोड़ी से दुनिया पर नये तरीके से आधिपत्य बदलता दिख रहा है। दोनों देशों के लगातार बेहतर होते रिश्तों की पृष्ठभूमि इस तथ्य को और महत्वपूर्ण बना रही थी। फिर भी यात्रा से पहले के घटनाक्रम ने इसकी कामयाबी पर भले ही संदेह की परतें चढ़ा रखी थी, लेकिन मोदी की कुशलता एवं कूटनीति से सभी वाताएं सौहार्दपूर्ण होकर सकारात्मक बनी। जिससे भारत एक बार फिर दुनिया के सामने सशक्त एवं ताकतवर बनकर ही प्रस्तुत हुआ है।

ट्रंप के कतिपय सख्ती से बने तनाव को मोदी ने हावी नहीं होने दिया। प्रधानमंत्री मोदी पूरी तरह से अपने अजेंडे पर केंद्रित रहे। उन्होंने न केवल ट्रंप की तारीफ की बल्कि राष्ट्रपति ट्रंप के प्रिय नारे 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (एमएजीए) की तर्ज पर अपना नारा पेश किया- 'मेक इंडिया ग्रेट अगेन' (एमआईजीए), और यह भी कहा कि जब एमएजीए और एमआईजीए साथ आते हैं तो बन जाता है एमईजीए जो दोनों देशों की शानदार साझेदारी की कहानी कहता है। इस तरह दोनों देश ने दुनिया के बॉस होते हुए अपने वर्चस्वी होने को व्यक्त किया। अमेरिका तो इस भूमिका में रहा है, लेकिन अमेरिका भारत को भी इस भूमिका में मानता है तो निश्चित ही यह भारत की दुनिया में मजबूत होती स्थिति को ही बयां कर रहा है। अब दुनिया के हर विवादों को सुलझाने में भारत-अमेरिका की संयुक्त एवं भूमिका महत्वपूर्ण होने से भारत की ताकत को समझा जा सकता है। निश्चित रूप से दोनों देशों के बीच के कई समीकरण आने वाले दिनों में नया आकार लेंगे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा ने इस उम्मीद को ठोस आधार दे दिया है कि सहयोग के स्वरूप में जो भी बदलाव हो, रिश्ता बेहतर ही होता जाएगा। मोदी की इस अमेरिका यात्रा की अहमियत जाहिर है और इसे संभावनाभरा भी माना जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद यह अमेरिका का उनका पहला सफर है। ट्रंप के साथ वाइट हाउस में मोदी की मुलाकात ने यही जताया कि दोनों नेताओं एवं देशों के संबंधों को और प्रगाढ़ करने की ललक दोनों तरफ है।

भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिकी राष्ट्रपति से मुलाकात पर देश ही नहीं, दुनिया की भी निगाहें थीं। एक तो इसलिए कि मोदी उन चुनिंदा शासनाध्यक्षों में से एक हैं, जिनसे डोनाल्ड ट्रंप ने प्रारंभिक दौर में ही मुलाकात करना बेहतर समझा और दूसरे इसलिए कि भारत अब एक बड़ी ताकत बन चुका है और वैश्विक मामलों में उसका रुख-रवैया एवं नीतियां मायने रखती है। इस मुलाकात को लेकर जिज्ञासा का एक कारण यह भी था कि बाइडन प्रशासन के समय अमेरिका और भारत के संबंधों में एक खिंचाव आ गया था। एक अर्से से यह महसूस किया जा रहा था कि बाइडन प्रशासन भारतीय हितों की वैसी चिंता नहीं कर रहा है, जैसी करनी चाहिए। मोदी और ट्रंप की मुलाकात ने यह तो रेखांकित किया कि दोनों देशों के संबंधों में गर्मजोशी लौट आई है, लेकिन अभी यह नहीं कहा जा सकता कि अमेरिका भारत की समस्त चिंताओं का समाधान करने जा रहा है, लेकिन इसे नकारा भी नहीं जा रहा है। ट्रंप ने बांग्लादेश के मामले में भारत के मन मुताबिक बात कहकर, सीमा पार यानी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से मिलकर लड़ने का वादा किया। कुल मिलाकर विकसित भारत के लक्ष्य में सहायक बनने वाले विभिन्न क्षेत्रों में अमेरिका से सहयोग की राह प्रशस्त होना भारत के लिये एक नये सूरज का उदय ही कहा जायेगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

नाकामी का नतीजा

दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़. में अठारह लोगों की मौत हो गई जबकि अनेक घायल हुए हैं। प्रयागराज और मगध एक्सप्रेस के अतिरिक्त विशेष ट्रेनों से महाकुंभ जाने वालों की भीड़.स्टेशन पर बढ़ती जा रही थी। रेलवे प्रशासन अत्यधिक भीड़.बढ़ने की वजह से यह घटना घटी बता रहा है। चश्मदीदों और यात्रियों का कहना कि पैदल पुल पर बेतहाशा बढक्स्त्री भीड़.के कारण भगदड़.हुई। रेलवे पर कुछ ट्रेनों के अचानक रद्द करने का आरोप है। हैरत की बात है, रेलवे स्टेशन के प्रवेश द्वार पर कोई ऐसी व्यवस्था नहीं की गई जिससे भीड़.को बाहर ही रोका जा सके। लोगों ने ज्यादा टिकट बुक कराई तब भी रेल-प्रशासन नहीं चेता। कुचल कर मरने की ऐसी घटनाएं प्रशासनिक/व्यवस्थागत असफलता हैं। इनकी लगातार पुनरावृत्ति बताती है, हम अभी भी उन्नीसवीं सदी में जी रहे हैं। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी और पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का दंभ भरने वालों को इस भीषण भगदड़. में मारे जाने वालों के प्रति तनिक क्षोभ नहीं होता। महाकुंभ में डुब्रकी लगाने वाले श्रद्धालुओं का भारी जमावड़ा अयोध्या और वाराणसी में भी प्रसिद्ध मंदिरों में दर्शन करने के दौरान भी हो रहा है। मगर वहां की अव्यवस्था को लेकर भी खबरें न के बराबर आ रही हैं। निःसंदेह इतनी भारी भीड़.को संभालने में मुट्ठी भर पुलिसकर्मी कभी सफल नहीं हो सकते। कुंभ के दरम्यान मची भगदड़.के बाद की तरह इस बार भी विपक्ष द्वारा सरकार पर मृतकों और घायलों की संख्या छिपाने का आरोप लगाया जा रहा है। अपनी नाकामी छिपाने तथा सच्चाई पर परदा ड़ालने की बजाय सरकार को इन मौतों से सबक लेने के प्रयास करने चाहिए। भीड़. को नियंत्रित करने और सटीक अंदाजा लगाने वालों को प्रथम पंक्ति में लाना होगा। अक्षम अधिकारियों पर सख्ती करनी होगी, उन्हें सिर्फ घुड़की देने की रवायत के बाद हाथ झाड़.कर नहीं बैठना चाहिए। इस तरह के किसी भी बड़े.आयोजन के लिए विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों को स्पष्ट दायित्व दिए जाने चाहिए। जनता की जान की कीमत कम कर आंकने की आदत पर सरकार को पश्चाताप करना चाहिए। श्रद्धालुओं को आमंत्रित करने और जबरदस्त प्रचार करने वालों को भारी संख्या में आने वालों को संभालने का तरीका भी खोजना होगा। अपनी पीठ खुद थपथपाने वालों को संवेदनशीलता से विचार करना ही होगा ताकि इस तरह की किसी भी दुर्घटना की पुनरावृत्ति से बचा जा सके। खासकर पर्व आयोजन जैसे अवसरों पर पूरी तैयारी जरूरी है।

चिंतन-मनन

प्रभु भक्ति में बीते समय

यह भौतिक जगत प्रकृति के गुणों के चमत्कार के अन्तर्गत कार्य कर रहा है। मनुष्य को चाहिए कि वह अपनी चेतना कृष्ण कार्य में लगाए। कृष्णकार्य भक्तियोग के नाम से विख्यात हैं। इसमें न केवल कृष्ण अपितु उनके विभिन्न पूर्णाश भी सम्मिलित हैं- यथा राम तथा नारायण। कृष्ण के असंख्य अंश हैं, जो उनके किसी भी रूप या पूर्णाश की सेवा में प्रवृत्त होता है, उसे दिव्य पद पर स्थित समझना चाहिए। कृष्ण के सारे रूप पूर्णतया दिव्य और सच्चिदानन्द स्वरूप हैं। ईश्वर के ऐसे रूप सर्वशक्तिमान तथा सर्वज्ञ होते हैं और उनमें समस्त दिव्यगुण पाये जाते हैं। अतः यदि कोई कृष्ण या उनके पूणाशों की सेवा में दृढ़संकल्प के साथ प्रवृत्त हो तो (यद्यपि प्रकृति के गुण जीत पाना कठिन है) वह उन्हें सरलता से जीत सकता है।

कृष्ण की शरण ग्रहण करने पर प्रकृति के गुणों का प्रभाव लांघा जा सकता है। कृष्णभावनामृत या कृष्ण-भक्ति में होने का अर्थ है, कृष्ण के साथ समानता प्राप्त करना। भगवान कहते हैं कि उनकी प्रकृति सच्चिदानन्द स्वरूप है और सारे जीव परम के अंश हैं। जीव अपनी आध्यात्मिक स्थिति में स्वर्ण के समान या कृष्ण के समान गुण वाला होता है। किन्तु व्यष्टित्व का अन्तर बना रहता है अन्यथा भक्तियोग का प्रश्न ही नहीं उठता।

भक्तियोग का अर्थ है कि भगवान और भक्त के बीच प्रेम का आदान-प्रदान चलता रहता है। अतएव भगवान में और भक्त में दो व्यक्तियों का व्यष्टित्व वर्तमान रहता है, अन्यथा भक्तियोग का कोई अर्थ नहीं है। यदि कोई भगवान जैसे दिव्य स्तर पर स्थित नहीं है, तो वह भगवान की सेवा नहीं कर सकता है। उदाहरणार्थ, राजा का निजी सहायक बनने के लिए कुछ योग्यताएं आवश्यक हैं। इस तरह भगवत्सेवा के लिए योग्यता है कि ब्रह्म बन भौतिक कल्मष से मुक्त हुआ जाय। कहा गया है ब्रह्मैव सन्ब्रह्माप्येति। अर्थात मनुष्य को ब्रह्म से एकाकार हो जाना चाहिए। लेकिन ब्रह्मत्व पाने पर मनुष्य व्यष्टि आत्मा के रूप में अपने शात ब्रह्म-स्वरूप को खोता नहीं है।

फिल्म संगीत से गायब होती मधुरता

भारतीय फिल्में सारी दुनिया में उत्साह और उमंग के साथ देखी जाती हैं। एक दौर ऐसा भी था जब फिल्मों से ज्यादा उनका संगीत पसंद किया जाता था। भारतीय फिल्मों की पहचान ही उनका कर्णप्रिय और सुमधुर संगीत हुआ करता था लेकिन समय के साथ अब यह पहचान धूमिल होती जा रही है। फिल्मी संगीत अब अपनी मधुरता खोता जा रहा है। कहा जाता है कि जीवन का प्रत्येक क्षण संगीत से जुड़ा होता है। हमारी सांसे भी संगीत की ताल और लय के अनुसार चलती हैं। मधुर संगीत मनुष्य को तनावमुक्त करता है। शास्त्रीय संगीत के हर राग का अपना विशेष महत्व है। अब तो यहां तक कहा जाने लगा है कि मनुष्य के रोगोपचार में भी शास्त्रीय संगीत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे समय में जब विज्ञान एवं चिकित्सा जगत शास्त्रीय संगीत की महत्ता को स्वीकार कर रहे हैं, तब फिल्मों से गायब होता शास्त्रीय संगीत सबको चौंका देता है। आधुनिक समय में क्षणिक आनंद के लिए फिल्मों में हुल्लड़बाजी और शोर-शराबे से भरे गीत डाल दिए जाते हैं जो कुछ ही समय बाद गुमनामी की गर्त में समा जाते हैं। इसके विपरीत शास्त्रीय संगीत पर आधारित गीत लोग वर्षों बाद भी याद रखते हैं। वैसे गीत-संगीत भारतीय फिल्मों की आत्मा है और यहां वही गीत अमर हो पाते हैं जो शास्त्रीय संगीत पर आधारित होते हैं। भारत की पहली बोलती फिल्म 'आलम आरा' में कुल ग्यारह गीत थे, जो इस बात के प्रमाण हैं फिल्मों में आरंभ से ही गीत-संगीत को आवश्यक तत्व माना जाता रहा है। इस फिल्म के सभी गीत शास्त्रीय रागों पर आधारित थे। आरंभिक दौर की फिल्मों में अधिकांश गीत शास्त्रीय रागों पर ही आधारित हुआ करते थे। उसी समय बनी एक फिल्म इन्द्रसभा में तो 71 गाने थे। राग आधारित गीत चाहे वे सुख के हों या दुःख के, मिलन के गीत हों या विरह के या फिर नृत्य गीत ही क्यों न हों सभी को सुनने का एक अलौकिक आनंद होता था। इस तरह के सैकड़ों गीत वर्षों बीत जाने के बाद आज भी लोगों की जुबान पर हैं। सुप्रसिद्ध फिल्म 'बैजूबावरा' का गीत-मोहे भूल गये सांवरिया, तू गंगा की मौज में जमना का धारा, 'संत ज्ञानेश्वर' फिल्म का गीत 'जोत से जोत जलाते चलो'या फिर मनोज कुमार की सुपरहिट फिल्म ''उपकार₹ का गीत 'मेरे देश की धरती सोना उगले, उगले हीरे-मोती' क्या कोई कभी भी भुला सकता है? ये सभी गीत राग भैरवी पर आधारित हैं। झूमती चली हवा (फिल्म-तानसेन, राग सोहनी) मधुबन में राधिका नाचेगी (फिल्म-कोहिनूर, राह हमीर) नैनों में बदरा छाए (मेरा साया, राग हमीर) के अलावा राग हमीर के ही गीत ऐ री मैं तो प्रेम दीवानी, मेघा छाए आधी रात गीत आज भी अविस्मरणीय हैं। राग मियां मल्हार के गीत बोले रे पपीहरा (गुड्डी), राग वागेश्वरी के राधा न बोले (आजाद) बसंत बहार के जा जा रे बालमा, राग कल्याण का मन रे तू काहे न धीरे धरे (चित्रलेखा), यमन कल्याण के मितवा (परिचय), तुम गगन के चंद्रमा में धरा की धूल हूं (सावित्री), लगता नहीं है मेरा दिल (लाल पत्थर), अहिर भैरव का पूछो न कैसे मैंने रैन बिताई, राग तिलंग का पिया तोसे नैना लागे (गाइड), राग जयजयवंती का मनमोहना बड़े झूठे, राग देशकार का ज्योति कलश छलके, राग केदार का दरशन दो घनश्याम, पल दो पल का साथ हमारा (द बर्निंग ट्रेन), राग तोड़ी का रैना बीती जाए (अमर प्रेम), राग शिवरंजनी का जरा सामने तो आओ छलिये जैसे गीत आज वर्षों बीत जाने के बाद भी लोकप्रिय बने हुए हैं। आज के इस दौर में जहां केवल तेज संगीत को ही सफलता का सूत्र माना जाता है, वहां आजकल के संगीतकार भूल जाते हैं कि तेज संगीत में भी यदि कलात्मकता हो तो उसे सर्वकालीन और सर्वप्रिय बनने से कोई नहीं रोक सकता। फूहड़ और शोर-शराबे से भरपूर गीतों को क्षणिक लोकप्रियता भले ही मिल जाए लेकिन सदाबहार गीत वही हुआ करते हैं जो सरल, मधुर और कर्णप्रिय होते हैं। क्या आज के दौर के संगीतकार शंकर-जयकिशन, कल्याणजी आनंदजी, लक्ष्मीकांत प्यारेलाल, फिरोज शाह, पंकज मलिक, गुलाम हैदर, खेमचंद, नौशाद, सचिन देव बर्मन, सी. रामचंद्र, रोशन, सलिल चौधरी, ओ.पी. नैय्यर, चित्रगुप्त या फिर आर.डी. बर्मन जैसे संगीत निर्देशकों की तरह सुरीले गीत दे पाएंगे? रीमिक्स को सफलता का पैमाने मानने वाले शायद यह भूल जाते हैं कि आजकल के गाने पानी में उठे उस बुलबुले के समान हैं जो क्षण भर का मेहमान होता है जबकि पुराने संगीतकारों के शास्त्रीय संगीत युक्त गीत गगन में चमकते उस सूरज के समान हैं, जिसकी आभा कभी मद्धिम नहीं होती। इस दौर में भी प्रतिभाशाली संगीतकारों की कमी नहीं है। अब अच्छे संगीतकारों की प्रतिभा भी अपना करिश्मा नहीं दिखा पा रही है। संगीत किसी भी राष्ट्र की सभ्यता संस्कृति व संस्कारों का दर्पण होता है। हमारे देश में संगीत को इतना सम्मान दिया जाता है कि देवी सरस्वती (जिन्हें संगीत की देवी भी कहते हैं) घर-घर में पूजी जाती हैं। आज भी सारी दुनिया में लता मंगेशकर और जगजीत सिंह के गीत बड़े ध्यान से सुने जाते हैं। भारतीय संगीत से सारे विश्व को गुंजायमान करने के लिए फिल्मकारों को आगे आना होगा और एक बार फिर से शास्त्रीय संगीत पर आधारित सुरीले गीतों की रचना करनी होगी तभी वे 'ज्योति कलश छलके' जैसी कालजयी रचनाओं का निर्माण कर सकेंगे।

-अंजनी सक्सेना

जयन्ती पर विशेष : धर्म अध्यात्मः महान साधक थे रामकृष्ण परमहंस

रमेश सर्राफ धमोरा

रामकृष्ण परमहंस भारत के एक महान संत, आध्यात्मिक गुरु एवं विचारक थे। इन्होंने सभी धर्मों की एकता पर जोर दिया। उन्हें बचपन से ही विश्वास था कि ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं। अतः ईश्वर की प्राप्ति के लिए उन्होंने कठोर साधना और भक्ति का जीवन बिताया। स्वामी रामकृष्ण मानवता के पुजारी थे। साधना के फलस्वरूप वह इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि संसार के सभी धर्म सच्चे हैं और उनमें कोई भिन्नता नहीं। वे ईश्वर तक पहुँचने के भिन्न-भिन्न साधन मात्र हैं। 19 वीं शताब्दी में श्री रामकृष्ण परमहंस एक रहस्यमयी और महान योगी पुरुष थे। जिन्होंने काफी सरल शब्दों में अध्यात्मिक बातो को सामान्य लोगो के सामने रखा। जिस समय हिन्दू धर्म बड़े संकट में फंसा हुआ था उस समय श्री रामकृष्ण परमहंस ने हिन्दू धर्म में एक नयी उम्मीद जगाई।

रामकृष्ण के जीवन में अनेक गुरु आये पर अन्तिम गुरुओं का उनके जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा। एक थी भैरवी जिन्होने उन्हे अपने कापालिक तंत्र की साधना करायी और दूसरे थे श्री तोतापुरी उनके अन्तिम गुरु। गंगा के तट पर दक्षिणेश्वर के प्रसिद्व मंदिर में रहकर रामकृष्ण मां काली की पूजा किया करते थे। गंगा नदी के दूसरे किनारे रहने वाली भैरवी को अनुभुति हुई कि एक महान संस्कारी व्यक्ति रामकृष्ण को उसकी दीक्षा की आवश्यकता हैं। गंगा पार कर वो रामकृष्ण के पास आयी तथा उन्हे कापालिक दीक्षा लेने को कहा। रामकृष्ण ने भैरवी द्वारा बतायी पद्धति से लगातार साधना कर मात्र तीन दिनों में ही सम्पूर्ण क्रिया में निपुण हो गये।

रामकृष्ण के अन्तिम गुरु तोतापुरी थे जो सिद्ध तांत्रिक तथा हठ योगी थे। उन्होने रामकृष्ण को दीक्षा दी। रामकृष्ण को दीक्षा दी गई परमशिव के निराकार रुप के साथ पूर्ण संयोग की। पर आजीवन तो उन्होने मां काली की आराधना की थी। वे जब भी ध्यान करते तो मां काली उनके ध्यान में आ जाती और वे भावविभोर हो जाते। जिससे निराकार का ध्यान उनसे नहीं हो पाता था। तोतापुरी ध्यान सिद्ध योगी थे। उनको अनुभव हुआ कि रामकृष्ण के ध्यान में मां काली प्रतिष्ठित हैं। उन्होने शक्ति सम्पात के द्वारा रामकृष्ण को निराकार ध्यान में प्रतिष्ठित करने के लिये बगल में पड़े एक शीशे के टुकड़े को उठाया और उसका रामकृष्ण के आज्ञाचक्र पर आघात किया जिससे रामकृष्ण को अनुभव हुआ कि उनके ध्यान की मां काली चूर्ण-विचूर्ण हो गई हैं और वे निराकार परमशिव में पूरी तरह समाहित हो चुके हैं। वे समाधिस्थ हो गये। ये उनकी पहली समाधी थी जो तीन दिन चली। तोतापुरी ने रामकृष्ण की समाधी टूटने पर कहा। मैं पिछले 40 वर्षो से समाधि पर बैठा हूं पर इतनी लम्बी समाधी मुझे कभी नही लगी। श्री रामकृष्ण परमहंस का जन्म पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में कामारपुकुर नामक गांव में 18 फरवरी 1836 को एक निर्धन निष्ठावान ब्राहमण परिवार में हुआ था। इनके जन्म पर ही ज्योतिषियों ने रामकृष्ण के महान भविष्य की घोषणा कर दी थी। ज्योतिषियों की भविष्यवाणी सुन इनकी माता चन्द्रा देवी तथा पिता खुदिराम अत्यन्त प्रसन्न हुए। इनको बचपन में गदाधर नाम से पुकारा जाता था। पांच वर्ष की उम्र में ही वो अदभुत प्रतिभा और स्मरणशक्ति का परिचय देने लगे। अपने पूर्वजों के नाम व देवी-देवताओं की स्तुतियां, रामायण, महाभारत की कथायें इन्हे कंठस्थ याद हो गई थी। 1843 में इनके पिता का देहांत हो गया तो परिवार का पूरा भार इनके बड़े भाई रामकुमार पर आ पड़ा था। रामकृष्ण जब नौ वर्ष के हुए इनके यज्ञोपवीत संस्कार का समय निकट आया। उस समय एक विचित्र घटना हुई। ब्राह्मण परिवार की परम्परा थी कि नवदिक्षित को इस संस्कार के पश्चात अपने किसी सम्बंधी या किसी ब्राह्मण से पहली शिक्षा प्राप्त करनी होती थी। एक लुहारिन जिसने रामकृष्ण की जन्म से ही परिचर्या की थी। बहुत पहले ही उनसे प्रार्थना कर रखी थी कि वह अपनी पहली भिक्षा उसके पास से प्राप्त करे। लुहारिन के सच्चे प्रेम से प्रेरित हो बालक रामकृष्ण ने वचन दे दिया था।

अतः यज्ञोपवीत के पश्चात घर वालों के लगातार विरोध के बावजूद इन्होने ब्राह्मण परिवार में प्रचलित प्रथा का उल्लंघन कर अपना वचन पूरा किया और अपनी पहली भिक्षा उस लुहारिन से प्राप्त की। यह घटना सामान्य नही थी। सत्य के प्रति प्रेम तथा इतनी कम उम्र में सामाजिक प्रथा के इस प्रकार उपर उठ जाना रामकृष्ण की आध्यात्मिक क्षमता और दूरदर्शिता को ही प्रकट करता है। रामकृष्ण का मन पढ़ाई में न लगता देख इनके बड़े भाई इन्हे अपने साथ कलकत्ता ले आये और अपने पास दक्षिणेश्वर में रख लिया। यहां का शांत एवं सुरम्य वातावरण रामकृष्ण को अपने अनुकूल लगा। 1858 में इनका विवाह शारदा देवी नामक पांच वर्षीय कन्या के साथ सम्पन्न हुआ। जब शारदा देवी ने अपने अठारहवें वर्ष मे पदार्पण किया तब श्री रामकृष्ण ने दक्षिणेश्वर के अपने कमरे में उनकी षोड़शी देवी के रुप में आराधना की। यही शारदा देवी रामकृष्ण संघ में माताजी के नाम से परिचित हैं। रामकृष्ण परमहंस के पास जो कोई भी जाता वह उनकी सरलता, निश्चलता, भोलेपन और त्याग से इतना अभिभूत हो जाता कि अपना सारा पांडित्य भूलकर उनके पैरों पर गिर पड़ता था। गहन से गहन दार्शनिक सवालों के जवाब भी वे अपनी सरल भाषा में इस तरह देते कि सुनने वाला तत्काल ही उनका मुरीद हो जाता। इसलिए दुनियाभर की तमाम आधुनिक विद्या, विज्ञान और दर्शनशास्त्र पढ़े महान लोग भी जब दक्षिणेश्वर के इस निरक्षर परमहंस के पास आते तो अपनी सारी विद्वता भूलकर उसे अपना गुरु मान लेते थे।

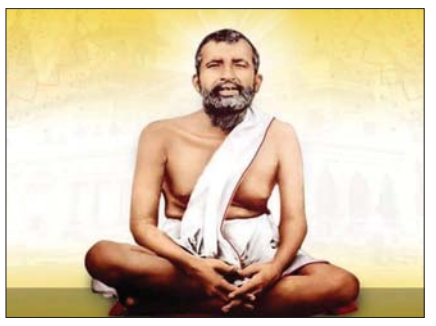

इनके प्रमुख शिष्यों में स्वामी विवेकानन्द, दुर्गाचरण नाग, स्वामी अद्भुतानंद, स्वामी ब्रह्मानंदन, स्वामी अद्यतानन्द, स्वामी शिवानन्द, स्वामी प्रेमानन्द, स्वामी योगानन्द थे। श्री रामकृष्ण के जीवन के अन्तिम वर्ष कारुण रस से भरे थे। 15 अगस्त 1886 को अपने भक्तों और स्नेहितों को दुख के सागर में डुबाकर वे इस लोक में महाप्रयाण कर गये।

रामकृष्ण परमहंस महान योगी, उच्चकोटि के साधक व विचारक थे। सेवा पथ को ईश्वरीय, प्रशस्त मानकर अनेकता में एकता का दर्शन करते थे। सेवा से समाज की सुरक्षा चाहते थे। रामकृष्ण का सारा जीवन अध्यात्म-साधना के प्रयोगों में बीता। वे लगातार कई घंटों तक समाधि में लीन हो जाते थे। चैबीस घंटे में बीस-बीस घंटों तक वे उनसे मिलनेवाले लोगों का दुख-दर्द सुनते और उसका समाधान भी बताते।

स्वामी रामकृष्ण परमहंस के भोले प्रयोगवाद में वेदांत, इस्लाम और ईसाइयत सब एक रूप हो गए थे। निरक्षर और पागल तक कहे जाने वाले रामकृष्ण परमहंस ने अपने जीवन से दिखाया था कि धर्म किसी मंदिर, गिरजाघर, विचारधारा, ग्रंथ या पंथ का बंधक नहीं है। रामकृष्ण परमहंस मुख्यतः आध्यात्मिक आंदोलन के प्रणेता थे। जिन्होंने देश में राष्ट्रवाद की भावना को आगे बढ़ाया। उनकी शिक्षा जातिवाद एवं धार्मिक पक्षपात को नकारती हैं।

विभिन्न धर्मों के माध्यम से रामकृष्ण के रहस्यमय अनुभवों ने उन्हें यह सिखाने के लिए प्रेरित किया कि विभिन्न धर्म पूर्ण ज्ञान और आनंद तक पहुँचने के अलग-अलग साधन हैं और विभिन्न धर्म पूर्ण सत्य की समग्रता को व्यक्त नहीं कर सकते हैं लेकिन इसके पहलुओं को व्यक्त कर सकते हैं। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिये उनके परम शिष्य स्वामी विवेकानन्द ने एक मई 1897 को बेलुड़ में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की। इस मिशन की स्थापना के केंद्र में वेदान्त दर्शन का प्रचार-प्रसार है। रामकृष्ण मिशन के उद्देश्य मानवता के सर्वांगीण कल्याण के लिए काम करना, विशेष रूप से गरीबों और दलितों के उत्थान के लिए।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

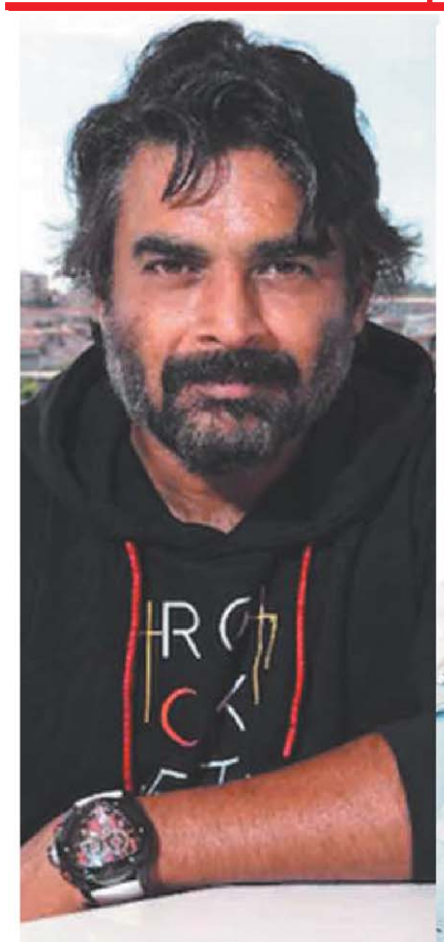

'भारत के एडिसन' जीडी नायडू की बायोपिक की घोषणा, माधवन निभाएंगे मुख्य भूमिका

निर्देशक कृष्णकुमार रामकुमार 'भारत के एडिसन' के नाम से मशहूर वैज्ञानिक जीडी नायडू की बायोपिक बनाएंगे। निर्माताओं ने फिल्म का टाइटल जारी कर दिया है। टाइटल 'जी.डी.एन' रखा गया है, जिसमें अभिनेता आर. माधवन मुख्य भूमिका में दिखेंगे।

वैज्ञानिक पर आधारित बायोपिक का भारत में शेड्यूल मंगलवार से शुरू हो चुका है, जिसमें आर माधवन के साथ अभिनेता प्रियामणि, जयराम और योगी बाबू भी शामिल होंगे। फिल्म में संगीत गोविंद वसंता ने दिया है। अभिनेता माधवन ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के टाइटल की घोषणा करते हुए एक पोस्टर शेयर किया। उन्होंने लिखा, आप सभी के आशीर्वाद और शुभकामनाओं की जरूरत है। जानकारी के अनुसार, फिल्म की पूरी शूटिंग कोयंबटूर में की जाएगी, जो वैज्ञानिक का जन्मस्थान है। खास बातचीत में फिल्म के कार्यकारी निर्माता मुरलीधरन सुब्रमण्यम ने बताया था, फिल्म का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा कोयंबटूर में शूट किया जाएगा और बाकी पांच प्रतिशत विदेश में शूट किया जाएगा। पांच प्रतिशत का एक छोटा हिस्सा, जो विदेश में शूट किया जाना था, वह पिछले साल ही पूरा हो चुका है। बाकी हिस्से की शूटिंग जारी है। मुरलीधरन ने कहा, निर्देशक और उनकी टीम ने वैज्ञानिक के जीवन पर तीन से पांच साल से भी अधिक समय तक रिसर्च किया है। टीम का उद्देश्य था कि जीडी नायडू, विज्ञान और समाज में उनके योगदान का कोई भी हिस्सा ना छूटे।

'रॉकेट्री- द नंबी इफेक्ट' को साल 2022 में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए मिले राष्ट्रीय पुरस्कार के बाद वर्गीज मूलन पिक्चर्स और ट्राइकलर फिल्म्स इस प्रोजेक्ट के लिए फिर से साथ आ रहे हैं। 'रॉकेट्री- द नंबी इफेक्ट' में नंबी नारायणन की भूमिका निभाने वाले माधवन अब जीडी नायडू की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण वर्गीज मूलन पिक्चर्स के वर्गीज मूलन और विजय मूलन तथा ट्राइकलर फिल्म्स के आर. माधवन और सरिता माधवन करने के लिए तैयार हैं। अरविंद कमलानाथन फिल्म के सिनेमैटोग्राफर और क्रिएटिव प्रोड्यूसर के रूप में काम करेंगे।

मिसेज के बाद साइंस बेस्ड मूवी करेंगी सान्या

सान्या मल्होत्रा की फिल्म मिसेज हाल ही में सा रिलीज हुई। यह मलयालम फिल्म द ग्रेट इंडियन किचन की रीमेक है। इसे आरती कड़व ने डायरेक्ट किया। फिल्म में सान्या ने एक ऐसी हाउसवाइफ का किरदार निभाया, जो अपने जीवन में बड़ा मुकाम हासिल करना चाहती है लेकिन परिवार उसे सिर्फ किचन तक सीमित रखना चाहता है। यह सोच इरादतन नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक मानसिकता के कारण बनी रहती है। आरती ने इसी सोच को फिल्म में दिखाया है।

फिल्म को मिली जबरदस्त तारीफ

आरती कहती हैं... फिल्म को उम्मीद से ज्यादा प्यार मिला। मैंने इसे जिम्मेदारी से बनाया था। मुझे लगा था कि लोग इस विषय पर चर्चा करेंगे लेकिन इतनी तारीफ मिलेगी, यह सोचा नहीं था। कई दर्शकों ने अपनी मां और बहनों की जिंदगी से जुड़ी कहानियां साझा कीं, जो फिल्म के किरदार से मेल खाती थीं। यह जानकर दुख भी हुआ कि समाज में अब भी ऐसी दकियानूसी सोच बनी हुई हैं।

थिएटर में रिलीज का इरादा नहीं था

आरती ने बताया कि फिल्म को थिएटर में लाने का कोई इरादा नहीं था। इसलिए डायरेक्ट ओटीटी पर रिलीज करना सही फैसला रहा। आगे साइंस फिक्शन जॉनर की फिल्म भी लाऊंगी। पहले कार्गो नाम की फिल्म बनाई थी। ऐसी फिल्मों के लिए बड़े बजट की जरूरत होती है। सान्या को दो साइंस फिक्शन कहानियां सुनाई हैं। मुमकिन है कि जल्द ही सान्या की कोई साइंस फिक्शन फिल्म आए।

नॉर्थ इंडियन दर्शकों के लिए फिल्म में किए गए थे बदलाव

मूल फिल्म मलयाली दर्शकों के लिए बनी थी। हिंदी वर्जन में इसे नॉर्थ इंडियन दर्शकों के हिसाब से बदला गया। साउथ वर्जन में सबरीमाला विवाद को दिखाया गया था, जहां महिलाओं को घर में बंद कर दिया गया था। हिंदी वर्जन में इसे करवा चौथ से जोड़ा गया। मूल फिल्म में घर में मेड नहीं थी लेकिन हिंदी वर्जन में मेड का किरदार जोड़ा गया।

फिल्में बदलाव ला सकती हैं...

आरती का मानना है कि फिल्मों से बदलाव की शुरुआत होती है। जब किसी मुद्दे पर बातचीत होती है, तो पॉलिसी लेवल पर भी बदलाव का माहौल बनता है। हालांकि यह प्रयास पर्याप्त नहीं होते लेकिन जरूरी होते हैं।

फ्रेंचाइज बनाने की प्लानिंग नहीं है...

आरती ने कहा कि मिसेज में कामकाजी महिलाओं से जुड़े कई जरूरी मुद्दे हैं। इसे फ्रेंचाइज बनाना प्राथमिकता नहीं है। सान्या इस फिल्म के मुद्दे से इतनी जुड़ गई थीं कि शूटिंग के बाद भी उन्हें इससे बाहर आने में महीना भर लगा था।

कौशलजीस वर्सेस कौशल के लिए अजय देवगन ने शुभकामनाएं दी

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर आगामी फिल्म कौशलजीस वर्सेस कौशल के लिए शुभकामनाएं दी। फिल्म के ट्रेलर को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर करते हुए, सिंघम अभिनेता ने लिखा, पीढ़ियां आपस में टकरा सकती हैं, लेकिन प्यार हमेशा एक रास्ता खोज लेता है। कौशलजीस वर्सेस कौशल में परिवार, प्यार और हंसी के मजेदार दिल को छू लेने वाले सफर के लिए तैयार हो जाइए। इस शुक्रवार 21 फरवरी को केवल जिओ हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग होगी। सोमवार को आगामी पारिवारिक ड्रामा कौशलजीस वर्सेस कौशल के निर्माताओं ने इसका ट्रेलर जारी किया। फिल्म के ट्रेलर में दिल को छू लेने वाली कहानी की झलक मिलती है।

फिल्म को सीमा देसाई और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्देशित किया गया है। फिल्म की कहानी 27 साल के युग कौशल की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कन्नौज में अपने छोटे शहर की जड़ों को पीछे छोड़कर दिल्ली चला जाता है। निर्देशक सीमा देसाई ने एक बयान में कहा, कौशलजीस वर्सेस कौशल की कहानी जो जटिल होते हुए भी खूबसूरत है। यह परिवार के बारे में है। हम अक्सर युवा जोड़ों की प्रेम कहानियां देखते हैं, लेकिन उन लोगों का क्या जो दशकों से साथ हैं? यह फिल्म शादी पर एक हल्की-फुल्की लेकिन मार्मिक नजर डालती है और पूछती है, क्या होगा अगर वर्षों के संघर्ष के बाद भी प्यार खत्म न हो। मुझे भरोसा है कि दर्शक प्यारे किरदारों से जुड़ेंगे, हंसेंगे, रोएंगे और अपने परिवार की झलक स्क्रीन पर देखेंगे। यह दिल से दिलों के लिए बनाई गई एक अच्छी फिल्म है। कौशलजीस वर्सेस कौशल में शीबा चड्ढा, पावेल गुलाटी, ईशा तलवार, बृजेंद्र काला और ग्रुशा कपूर भी हैं। यह फिल्म 21 फरवरी को जिओ हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

शिवाजी महाराज की जीवन यात्रा को पर्दे पर दिखाना मेरे लिए बेहद खास है

आज छत्रपति शिवाजी महाराज की 395वीं जयंती है। इस मौके पर ऋषभ शेट्टी की अपकमिंग फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है। इस नए पोस्टर में वीर शिवाजी बने ऋषभ शेट्टी देवी मां की विशाल मूर्ति के सामने खड़े नजर आ रहे हैं।

ऋषभ शेट्टी ही बनेंगे शिवाजी महाराज

बॉलीवुड से लेकर मराठी सिनेमा तक कई सारे सितारे शिवाजी महाराज के किरदार में नजर आ चुके हैं। अब छत्रपति शिवाजी महाराज पर बन रही आगामी फिल्म द प्राइड ऑफ भारत- छत्रपति शिवाजी महाराज में ऋषभ शेट्टी शिवाजी महाराज का किरदार निभाते नजर आने वाले हैं।

ऋषभ शेट्टी ने कही ऐसी बात

पोस्टर रिलीज के मौके पर ऋषभ शेट्टी ने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर हम सभी गर्व महसूस करते हैं। वे केवल एक योद्धा नहीं थे बल्कि स्वराज्य की आत्मा थे। उन्हें हमेशा धैर्य, बुद्धि और भक्ति का प्रतीक माना जाता है। उनकी जीवन यात्रा को पर्दे पर दिखाना वाकई मेरे लिए बेहद खास है। मैं आशा करता हूं कि उनकी विरासत को मैं अच्छे तरीके से पर्दे पर दिखा सकूं। सभी भारतीयों को उनकी अमर वीरता का एहसास दिला सकूं।

फिल्म में नजर आएंगे ये सितारे

स्वराज्य का सपना देखने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर इस फिल्म की टीम के बारे में भी मेकर्स ने बताया है। फिल्म की कहानी सिद्धार्थ - गरिमा ने लिखी है। फिल्म को संगीत प्रीतम ने दिया है। गानों ने बोल प्रसून जोशी ने लिखे हैं। वहीं, सिनेमेटोग्राफी रवि वर्मन ने की है। गणेश हेगड़े ने कोरियोग्राफी की है। फिल्म के कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा हैं।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

यह फिल्म 21 जनवरी 2027 में हिंदी समेत छह अन्य भाषाओं में रिलीज होगी। यह फिल्म भारत और विदेशों में भी शिवाजी के स्वराज्य का सपना दिखाने वाली है।

शबाना आज़मी ने बताई डब्बा कार्टेल का हिस्सा बनने की वजह

एक्सेल एंटरटेनमेंट की नई सीरीज 'डब्बा कार्टेल' के ट्रेलर लांच इवेंट पर शबाना आजमी की अदाओं ने लोगों का खूब मनोरंजन किया। महबूब स्टूडियो में इस कार्यक्रम का आयोजन शानदार तरीके से हुआ। लोगों में काफी उत्साह रहा लेकिन, आदतन प्रोग्राम अपने समय से ही शुरू हुआ। जनता बेसब्री से ट्रेलर का इंतजार करी दिखी। महबूब स्टूडियो में जब बारी इस ट्रेलर लॉन्च की आई तो मामला बहुत ही रोचक हो गया है। आहिस्ता आहिस्ता किरदारों पर से परदा हटा और जब बारी शबाना आजमी की आई तो फिर तो माहौल बदलना ही थी। इवेंट में मीडिया के साथ सवाल जवाब के समय शबाना आज़मी ये कहा कि इस सीरीज की पूरी कास्टिंग घर का मामला था। शिबानी अख्तर ने क्रिएट किया ये प्रोजेक्ट और मुझे हुक्म दिया, एक्टिंग करने के लिए। बहू को कैसे मना कर सकती थी और बेटा तो प्रोडयूसर ही है। साथ ही उन्होंने एक कन्फेशन ये भी किया की जब इस सीरीज की कास्टिंग चल रही थी तो वह नहीं चाहती थीं कि अभिनेत्री ज्योतिका को इसमें कास्ट किया जाए। इवेंट के दौरान ही शबाना आजमी ने इसके लिए ज्योतिका से माफी भी मांगी और कहा कि अच्छा हुआ शिबानी ने उनकी नहीं सुनी और दोनों ने साथ काम किया। सीरीज के निर्देशक हितेश भाटिया ने इस मौके पर बताया कि शुरू में तो वह काफी परेशान थे लेकिन जब सारे लोग साथ आ गए तो उनकी घबराहट भरोसे में बदल गई। ज्योतिका के मुताबिक उन्हें ये प्रोजेक्ट इसलिए काफी पसंद आया क्योंकि इसमें महिलाओं की अहम भूमिका है। वह कहती हैं, इस सीरीज में सिर्फ किरदार ही नहीं, बल्कि पूरी टीम में भी महिलाओं की बहुत भागीदारी रही। हमारे क्रू में लगभग 60-70 महिलाएं थीं, जो हर विभाग में शानदार काम कर रही थीं। यह देखकर बहुत गर्व महसूस हुआ। अभिनेता आदर्श रावल के साथ फिल्म 'बमफाड़' से हिंदी सिनेमा में अपना करियर शुरू करने वाली साउथ सिनेमा की अभिनेत्री शालिनी पांडे ने भी ज्योतिका की बात का समर्थन किया और कहा कि यह शो महिलाओं के दम पर आगे बढ़ा है। उन्होंने उलाहना दिया कि शानदार अभिनेता गजराज राव के साथ उनका एक भी सीन नहीं है। वहीं, गजराज राव ने कहा, आमतौर पर मैं सिर्फ अपने डायलॉग्स याद करता हूँ, लेकिन इस बार सबसे ज्यादा मेहनत फार्मास्युटिकल्स के नाम याद करने में करनी पड़ी। और, अब तो मुझे इतने नाम याद हो गए हैं कि मेडिकल इंडस्ट्री में भी एंट्री ले सकता हूं! नेटफ्लिक्स की नई सीरीज 'डब्बा कार्टेल' 28 फरवरी को रिलीज होगी।

सनम तेरी कसम की री-रिलीज की सफलता पर भावुक हुए हर्षवर्धन राणे

हर्षवर्धन राणे अपनी रोमांटिक ड्रामा फिल्म सनम तेरी कसम की सफलता का जश्न मना रहे हैं। यह फिल्म सभी रिकॉर्ड तोड़ रही है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। आज भी अभिनेता ने एक इमोशनल नोट शेयर किया और सभी प्रशंसकों को उनके प्यार के लिए धन्यवाद दिया। अभिनेता ने पोस्टर साझा कर लिखा- एक प्रेम कहानी जो लंबे समय तक नहीं चलनी थी। हर्षवर्धन ने आगे लिखा- फिर भी हम यहां हैं, 10 दिन बाद, अभी भी हर पल ऐसा महसूस कर रहे हैं जैसे यह पहली बार हो। अभिनेता ने आगे लिखा- किसी ऐसे व्यक्ति को टैग करें जो इसे दोबारा देखने की योजना बना रहा है। सनम तेरी कसम अब तब बॉक्स ऑफिस पर 36.01 करोड़ रुपये की कमाई की।

चैम्पियंस ट्रॉफी में आज होगा ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड का मुकाबला

लाहौर (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में शनिवार को यहां के गद्दाफी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड का मुकाबला होगा। इस मैच में दोनों ही टीम जीत के साथ शुरुआत करना चाहेंगी। ऑस्ट्रेलिया को पिछली दो सीरीज में श्रीलंका और पाकिस्तान के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। वहीं कोच ब्रेंडन मैकुलम की इंग्लैंड टीम ने 2023 विश्व कप में खराब प्रदर्शन के बाद से कोई एकदिवसीय सीरीज नहीं जीती है। इस टूर्नामेंट से पहले उसे भारत में करारी हार का सामना करना पड़ा था। इस प्रकार देखा जाये तो दोनो ही टीमों की हालत एक सी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम में इस बार पैट कमिंस कई प्रमुख खिलाड़ी चोटिल होने के कारण शामिल नहीं हैं। इससे भी वह कमजोर हुई है। नाथन एलिस, आरोन हार्डी, सीन एबॉट जैसे युवा तेज गेंदबाजों को टीम में जगह मिली है। वहीं टीम की कप्तानी स्टीव स्मिथ के पास है।

लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की पिच में मध्य के ओवरों में स्पिनरों को सहायता मिलती है। दोनों टीमें इस मैदान पर लक्ष्य का पीछा करना पसंद करेंगी। इंग्लैंड की ओर से आदिल रशीद अहम भूमिका निभा सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के पांच बड़े खिलाड़ी चोटों के कारण टीम से बाहर है। इसमें कमिंस , जोश हेजलवुड , मिचेल स्टार्क के अलावा ऑलराउंडर मिचेल मार्श व कैमरन ग्रीन हैं। वहीं मार्कस स्टोइनस ने संन्यास ले लिया है। दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम के पास जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड और ब्रायडन कार्स के रूप में एक अच्छा आक्रमण है। उसके पास स्पिनर आदिल रशीद स्पिन हैं जिन्हें खेलना कंगारुओं के लिए आसान नहीं रीहेगा। बल्लेबाजी में उसे हैरी ब्रूक, बेन डकेट , जो रुट जैसे बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

इंग्लैंड-जोस बटलर (कप्तान), फिल सॉल्ट, बेन डकेट, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), जो रूट, हैरी ब्रूक, लियाम लिविंगस्टोन, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, मार्क वुड।

ऑस्ट्रेलिया = स्टीव स्मिथ (कप्तान), ट्रैविस हेड, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, मार्नस लाबुशेन, जोश इंग्लिस, ग्लेन मैक्सवेल, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), नाथन एलिस, आरोन हार्डी, सीन एबॉट, एडम जम्पा।

भारत से हार तो सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर होगा पाक

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के पहले ही मैच में पाकिस्तान की टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में अब अगर पाक टीम रविवार को भारत के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले में हारी तो सेमीफाइनल की दौड़ से ही बाहर हो जाएगी। ऐसे में पाकिस्तान को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए किसी भी हाल में ये मैच जीतना होगा जो उसके लिए बेहद कठिन है ऐसे में उसपर टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। पाक को सेमीफाइनल के लिए इस मैच के अलावा 27 फरवरी को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में ग्रुप ए के अंति मैच में बांग्लादेश को भी हराना होगा। इसके अलावा पाकिस्तान को नेट रन रेट पर भी नजर रखनी होगी क्योंकि ऐसी संभावना हो सकती है कि तीन टीमें दो-दो जीत के साथ समाप्त करें।

अगर पाकिस्तान भारत से हार जाता है वहीं न्यूजीलैंड 24 फरवरी को बांग्लादेश को हरा देता है तो उसका टूर्नामेंट में अभियान खत्म हो जाएगा। पाकिस्तान ने 2017 को ओवल में खेले गए फाइनल में भारत को 180 रनों से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी के 2017 संस्करण का खिताब जीता था।

विराट आईसीसी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने, पोंटिंग का रिकॉर्ड तोड़ा

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट के अपने पहले ही मैच में बांग्लादेश के खिलाफ अपनी 22 रनों की पारी के दौरान ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। विराट अब आईसीसी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं। विराट ने इस मैच में 13 रन बनाते ही रिकी पोंटिंग का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अब पोंटिंग सबसे अधिक रनों के मामले में तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। पोंटिंग के 44.0 की औसत से 2336 रन हैं। वहीं विराट के 64.5 के औसत से 2346 रन हैं। पहले नंबर पर 52.28 के औसत से सचिन तेंदुलकर के 2719 रन हैं। इस मैच में विराट ने एकदिवसीय प्रारुप में सबसे ज्यादा कैच लेने के मोहम्मद अजहरुद्दीन के 156 कैच के रिकार्ड की भी बराबर कर ली है। विराट ने साल 2013 में महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम को चैम्पियंस ट्रॉफी खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं साल 2017 में वह बतौर कप्तान चैंपियंस ट्रॉफी में गए लेकिन वहां उन्हें सफलता नहीं मिली। कोहली की कप्तान में ही भारतीय टीम 2021 टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल जीतने में भी विफल रही। 36 साल के हो रहे कोहली अब करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं। आगामी आईसीसी इवेंट्स 2027 में होना है तब तक विराट शायद ही खेलें।

एक दशक बाद फिर साथ खेलेंगे सचिन और युवराज, श्रीलंका से होगा मुकाबला

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर और युवराज सिंह शनिवार को श्रीलंका के खिलाफ शुरूआती इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के उद्घाटन मैच में एक बार फिर भारत की प्रतिष्ठित नीली जर्सी पहनकर मैदान में उतरेंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 34,000 से अधिक रन और 100 शतक जड़ने वाले दिग्गज खिलाड़ी तेंदुलकर ने खेल के हर प्रारूप में दबदबा बनाया। हालांकि भारत के लिए वह सिर्फ एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेले। इससे प्रशंसकों के लिए उन्हें एक बार फिर खेल के सबसे छोटे प्रारूप में भारतीय जर्सी में देखना दिलचस्प होगा।

पिछले कुछ वर्षों में भारत और श्रीलंका के बीच मुकाबलों ने प्रशंसकों को रोमांचित किया है। तेंदुलकर और युवराज ने अनगिनत अविस्मरणीय मुकाबले खेले हैं जिनमें से 2011 वनडे विश्व कप फाइनल का कोई मुकाबला नहीं है जिसमें भारत चैंपियन रहा था। तेंदुलकर ने कहा, 'हमने पिछले कुछ वर्षों में श्रीलंका के खिलाफ खेलते हुए कुछ अविस्मरणीय पल देखे हैं जिनमें 2011 का विश्व कप सबसे खास था। इतने साल के बाद मैदान पर वापस आना और एक ऐसी टीम का सामना करना जो हमारे क्रिकेट के सफर का इतना बड़ा हिस्सा रही है, इसे और भी खास बनाता है।'

दूसरी ओर युवराज ने 2011 विश्व कप और 2007 टी20 विश्व कप सहित भारत की कई महत्वपूर्ण जीत में अहम भूमिका निभाई है। युवराज ने कहा, 'मैं फिर से मैदान पर वापसी के लिए बेताब हूं। भारत बनाम श्रीलंका हमेशा से रोमांचक मुकाबला रहा है और मुझे पता है कि प्रशंसक भी उतने ही उत्साहित हैं जितने हम हैं। दिग्गजों के साथ खेलना और पुरानी प्रतिद्वंद्विता को फिर से शुरू करना, यही इंटरनेशनल मास्टर्स लीग का उद्देश्य है। सचिन पाजी के नेतृत्व में सांगा (संगकारा) और श्रीलंकाई टीम के खिलाफ खेलना, ऐसा लग रहा है जैसे हम बीते समय में चले गए हैं, और खेल के प्रति जुनून पहले जैसा ही है।'

इस टूर्नामेंट में छह टीमें भाग लेंगी जिसमें भारत, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। सभी टीम में क्रिकेट के कुछ बड़े स्टार शामिल हैं। यह प्रतियोगिता नवी मुंबई, वडोदरा और रायपुर में आयोजित की जाएगी। सेमीफाइनल और 16 मार्च को होने वाला फाइनल रायपुर में खेला जाएगा।

चैम्पियंस ट्रॉफी अंक तालिका में न्यूजीलैंड पहले, भारत दूसरे नंबर पर है

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ मिली छह विकेट की जीत के बाद भी अंक तालिका में दूसरे स्थान पर ही है। वहीं पहले नंबर पर न्यूजीलैंड की टीम है। न्यूजीलैंड ने पहले ही मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 60 रनों से जीत दर्ज की थी। इसी कारण भारतीय टीम नेट रन रेट के मामले में पीछे रह गई। बांग्लादेश पर जीत के बाद भारत का नेट रन रेट +0.408 का है जबकि कीवी टीम का नेट रन रेट +1.200 का है। भारतीय टीम का अगला मुकाबला अब 23 फरवरी को पाकिस्तान से होगा। चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारतीय टीम को तीन में से कम से कम दो मुकाबले जीतने है।

आज भी विज्ञापन जगत में बनी हुई गांगुली की मांग

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के सन्यास लिए काफी लंबा समय हो गया है। इसके बाद भी वह विज्ञापन जगत में अपनी जगह बनाये हुए हैं। भातरीय क्रिकेट को आक्रामक बनाने वाले गांगुली आज भी विज्ञापन जगत के पसंदीदा चेहरों में से एक हैं। वह 40 से ज्यादा ब्रांडस के साथ जुड़े हुए हैं। वह बैंकिंग, रियल एस्टेट, ऑटोमोबाइल, कपड़े और फैंटेसी स्पोर्ट्स के कई ब्रांड्स से जुड़े हुए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार गांगुली की उनकी लोकप्रियता का कारण मेहनती और विश्वसनीय होना है। वह हर ब्रांड के लिए पूरी ताकत लगा लेते हैं। इससे ब्रांड को विश्वसनीयता और जुड़ाव मिलता है। इससे ब्रांड को बाजार में काफी तेजी से लाभ मिलता है। बल्कि बाजार में फायदा भी दिलाता है। उनकी नेटवर्थ भी भी करीब 700 करोड़ रुपए है। गांगुली क्रिकेट के अलावा इंडियन रेसिंग फेस्टिवल में कोलकाता टीम के सह-मालिक और दिल्ली कैपिटल्स से भी जुड़े हैं। वह लगातार बढ़ते इलेक्ट्रिक व्हीकल क्षेत्र से भी जुड़े हुए हैं। गांगुली के इतने ब्रांड से जुड़े होने के कारण अक्सर उनकी तुलना विराट कोहली, रोहित शर्मा, एमएस धोनी, सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ जैसे क्रिकेटरों से होती है। ये सभी भी विज्ञापन की दुनिया के पसंदीदा चेहरे हैं।

रोहित 100 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतने वाले चौथे भारतीय कप्तान बने

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में बांग्लादेश के खिलाफ जीत के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही रोहित 100 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतने वाले चौथे भारतीय कप्तान बन गये हैं। इससे पहले मोहम्मद अजहरुद्दीन, महेन्द्र सिंह धोनी और विराट कोहली के नाम ही कप्तान के तौर पर 100 मैच जीतने का रिकार्ड है। रोहित ने अपने 138वें मैच में कप्तानी करते हुए जीत का शतक लगाया। रोहित का अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जीत प्रतिशत 72 से ज्यादा का है, जो 22 से ज्यादा मैच खेलने वाले सभी कप्तानों में सबसे अधिक है। उनकी तुलना में धोनी का जीत प्रतिशत 53.61, अजहरुद्दीन का 47.05 और कोहली का 63.38 रहा। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने कुछ समय पहले टी20 विश्व कप भी जीता था। अब उनकी नजरें देश को चैंपियंस ट्रॉफी के तौर पर दूसरा खिताब जिताना होगा। भारतीय टीम ने पहले मैच में बांग्लादेश को 228 पर समेटने के बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को चार विकेट खोकर 231 रन बनाकर हासिल कर लिया था।

शुभमन गिल का चैंपियंस ट्रॉफी के डैब्यू मुकाबले में शतक, करियर का 8वां

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल दुबई के मैदान पर चैंपियंस ट्रॉफी के पहले ही मुकाबले में बांग्लादेश पर टीम इंडिया की जीत में हीरो रहे। बांग्लादेश ने पहले खेलते हुए तौहीद के शतक की बदौलत 228 रन बनाए थे। भारत की ओर से मोहम्मद शमी पांच विकेट लेने में सफल रहे। जवाब में भारतीय टीम को रोहित और शुभमन ने तेजतर्रार शुरूआत दी। रोहित जब 41 रन बनाकर आऊट हो गए तो एक छोर संभाले खड़े शुभमन ने 125 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। वह वनडे फॉर्मेट में उनका 8वां शतक है।

शुभमन के अब आखिरी 4 वनडे मैचों में दो अर्धशतक और दो शतक हो गए हैं। उन्होंने मैच के दौरान 129 गेंदों पर 9 चौके और 2 छक्कों की मदद से 101 रन बनाए। यही नहीं, वह भारत के लिए सबसे कम पारियों में 8 शतक लगाने वाले प्लेयर भी बन गए हैं। उन्होंने यह मुकाम 51 पारियों में ही हासिल कर लिया। इससे पहले शिखर धवन ने 57 पारियों में ऐसा किया था। इस लिस्ट में विराट कोहली (68 पारियां), गौतम गंभीर (98 पारियां), सचिन तेंदुलकर (111 पारियां) का भी नाम है।

2010 के बाद से भारत के लिए सबसे धीमा वनडे शतक (गेंदों का सामना करके)

-138 सचिन तेंदुलकर बनाम बांग्लादेश मीरपुर 2012

-128 रोहित शर्मा बनाम दक्षिण अफ्रीका साउथेम्प्टन 2019

-125 मनोज तिवारी बनाम वेस्टइंडीज चेन्नई 2011

-125 शुभमन गिल बनाम बांग्लादेश, दुबई 2025

मैच की बात की जाए तो टीम इंडिया ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के पहले ही मुकाबले में विजयी शुरूआत की है। दुबई के स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने 229 रन का लक्ष्य 47वें ओवर में हासिल किया। इस दौरान शुभमन गिल के बल्ले से शतक निकला। उन्होंने एक छोर संभलते हुए 125 गेंदों पर शतक जमाया। यह चैंपियंस ट्रॉफी के पहले ही मुकाबले में शुभमन का शतक है। वह वनडे फार्मेट में नंबर वन बल्लेबाज है। इस पारी ने उन्हें साबित भी कर दिया कि वह क्यों नंबर वन है। इससे पहले मोहम्मद शमी ने 5 विकेट लेकर बांग्लदेश को 228 रन पर रोका था। बांग्लादेश की ओर से तौहीद ने शतक लगाया लेकिन टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पाई। भारतीय टीम ने इसे आसानी से हासिल कर लिया।

कोच बदलने का कोई इरादा नहीं : मनु भाकर

नई दिल्ली। स्टार महिला निशानेबाज मनु भाकर ने कहा कि उनका कोच बदलने का कोई इरादा नहीं हैं और जसपाल राणा ही आगे भी उनके कोच बने रहेंगे। राणा को हाल ही में भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने पिस्टल निशानेबाजी का हाई परफार्मेंस ट्रेनर नियुक्त किया था। ऐसे में माना जा रहा था कि वह मनु के कोच नहीं रहेंगे। राणा ही पेरिस ओलंपिक में मनु के कोच थे जिसमें मनु ने दो कांस्य पदक जीते थे। राणा और मनु के बीच ओलंपिक से पहले भी एक बार मतभेद की खबरें आईं थीं पर दोनो ने ही पेरिस ओलंपिक में एकसाथ आकर उन्हें गलत साबित किया था। मनु ने राणा के मार्गदर्शन में ही एक ही ओलंपिक में दो पदक जीते थे। उन्होंने दस मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और टीम वर्ग में कांस्य पदक जीते थे। मनु ने साल की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने के बाद कहा, 'मैं इतना ही कहूंगी कि राणा मेरे कोच हैं और अपने काम में बहुत अच्छे हैं। वह काफी प्रतिभाशाली हैं और मेरे लिये बहुत अच्छे कोच रहे हैं।' मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट हैं। उन्होंने 2024 के पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट के सिंगल्स और टीम इवेंट में कांस्य पदक जीते थे। पेरिस ओलंपिक 2024 में मनु भाकर शानदार प्रदर्शन कर एक सफल खिलाड़ी साहित हुईं। उनके बेहतर प्रदर्शन के कारण उन्हें देश के सबसे बड़े खेल पुरस्कार, मेजर ध्यानचंद खेल रत्न से नवाजा गया। पेरिस ओलंपिक के बाद उनकी नेटवर्थ में भी बड़ी इजाफा हुआ है।

अब तनावमुक्त होकर किसी बच्चे की तरह खेल का आनंद लेना चाहता हूं : धोनी

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद केवल आईपीएल में ही खेलते नजर आते हैं। धोनी अब 43 साल के हो गये हैं और माना जा रहा है कि आईपीएल 2025 के बाद वह इस लीग में भी शायद ही खेलें। ऐसे में अब धोनी करियर के अंतिम समय में तनावमुक्त होकर किसी बच्चे की तरह खेलना चाहते हैं। धोनी की कप्तानी में ही चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने पांच बार खिताब जीता था पर पिछले सत्र में उन्होंने कप्तानी भी छोड़ दी थी। धोनी का कहना है कि अभी वह आईपीएल खेलते रहेंगे पर वह किसी बच्चे की तरह क्रिकेट खेलने का आनंद उठाना चाहते हैं। आईपीएल में वह चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से उनके संन्यास के पांच साल से अधिक हो गये हैं। ऐसे में अब उन्हें 'अनकैप्ड क्रिकेटर के तौर पर ही शामिल किया गया है। धोनी ने कहा कि मैं 2019 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ले चुका हूं। इस बीच मैं जितने भी साल खेलने के बचे हैं, उसमें एक बच्चे की तरह अपने खेल का आनंद लेना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि मैं उसी तरह से इसका मजा लेना चाहता हूं जैसे अपने स्कूली दिनों में लेता था। जब मैं एक कॉलोनी में रहता था और दोपहर 4 बजे खेलने का समय होता था। हम उस समय क्रिकेट ही खेला करते थे। मौसम खराब होने पर फुटबॉल खेलते थे। मैं उसी मासूमियत के साथ खेलना चाहता हूं हालांकि यह उतना आसान नहीं है।

शमी जब भी आईसीसी टूर्नामेंट में खेलते हैं, तो अलग गेंदबाज बन जाते हैं: पूर्व भारतीय गेंदबाज

दुबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय स्पिनर पीयूष चावला ने आईसीसी टूर्नामेंट में मोहम्मद शमी की शानदार वापसी की सराहना की जिसमें उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में बांग्लादेश पर भारतीय टीम की शानदार जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि जब भी यह अनुभवी तेज गेंदबाज आईसीसी टूर्नामेंट में खेलता है, तो अलग गेंदबाज बन जाता है। अपनी पहली चैंपियंस ट्रॉफी में खेल रहे शमी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 5-53 के प्रभावशाली आंकड़े से गेंदबाजी की जिससे भारत ने गुरुवार को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ 6 विकेट से शानदार जीत दर्ज की।

दुबई में 5 विकेट चटकाने के साथ ही शमी आईसीसी वनडे इवेंट में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने जहीर खान (59 विकेट) को पीछे छोड़ते हुए अपने विकेटों की संख्या 60 पर पहुंचा दी। इस प्रक्रिया में उन्होंने 200 विकेट तक पहुंचने वाले सबसे तेज भारतीय गेंदबाज बनने का महत्वपूर्ण व्यक्तिगत मील का पत्थर भी हासिल किया। अब उनके वनडे में 202 विकेट हो गए हैं।

चावला ने कहा, 'आईसीसी टूर्नामेंट और मोहम्मद शमी - यह एक बेहतरीन प्रेम कहानी है। जब भी वह आईसीसीस टूर्नामेंट में खेलते हैं, तो वह एक अलग गेंदबाज बन जाते हैं। वह चोट से वापस आए हैं, और हाल ही में द्विपक्षीय श्रृंखला में वह थोड़े खराब दिखे, लेकिन सकारात्मक संकेत यह था कि वह अपने ओवरों को पूरा कर रहे थे। आज वह काफी बेहतर दिखे।'

34 वर्षीय शमी 200 पुरुष वनडे विकेट लेने वाले दूसरे सबसे तेज गेंदबाज भी बन गए, जहां वह पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर और मुख्य कोच सकलैन मुश्ताक के साथ बराबरी पर हैं, जिन्होंने इस मील के पत्थर तक पहुंचने के लिए 104 मैच खेले। इस सूची में सबसे आगे ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क हैं, जिन्होंने 102 मैचों में यह कारनामा किया। इसके अलावा, वह गेंद फेंकने के मामले में 200 पुरुष वनडे विकेट तक पहुंचने वाले सबसे तेज गेंदबाज भी हैं, जो स्टार्क की 5240 गेंदों से आगे 5126 गेंदें हैं।

चावला ने कहा, 'हमें अभी तक 100 प्रतिशत शमी देखने को नहीं मिले हैं, लेकिन यह पांच विकेट निश्चित रूप से इस उपलब्धि से उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिस्थितियों का आकलन करना महत्वपूर्ण है और शमी अपनी सीधी सीम स्थिति के साथ जानते हैं कि गेंद को कहां पिच करना है।' चावला ने कहा, 'उन्होंने लगातार छह से आठ मीटर की दूरी पर गेंद डाली, जिससे उन्हें सतह से मूवमेंट मिल सके। यही कारण है कि वे सफल रहे और नई गेंद से शुरुआती विकेट चटकाए। उन्हें अच्छी तरह से छिपी हुई धीमी गेंदों सहित विविधताओं का उपयोग करते हुए देखना भी शानदार था।'

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज चोट के कारण 14 महीने के अंतराल से बाहर थे, जिसमें उनकी एड़ी की हड्डी का ऑपरेशन हुआ था। 2023 में वनडे विश्व कप के दौरान उनके टखने में चोट लग गई थी जिसके कारण वे एक साल से अधिक समय तक खेल से बाहर रहे। टखने की चोट के कारण लंबे समय तक अनुपस्थित रहने के बाद 34 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले महीने इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए चार व्हाइट-बॉल मैचों में भाग लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सफल वापसी की।

भारत के खिलाफ मुकाबला जीतने के साथ ही खिताब भी बरकरार रखेगी पाक टीम : यूसुफ

दुबई । भारत ओर पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को यहां होने वाले अहम मुकाबले को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह है। दोनो ही टीमों के प्रशंसकों को अपनी-अपनी टीमों की जीत का भरोसा है। वहीं पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ ने कहा है कि इस मुकाबले में उनकी टीम जीतेगी। यूसुफ के अनुसार उनकी टीम अपने खिताब का बचाव करने में भी सफल रहेगी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी मोहम्मद यूसुफ ने कहा है कि पाकिस्तान की टीम की चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज होने में वहीं पूर्व दिग्गज दिग्गजों ने भी इस मैच को लेकर कई तरह की भविष्यवाणी ही है। कुछ का मानना है कि पाक जीतेगी। वहीं कुछ का दावा है कि भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। यूसुफ का मानना है कि भारत से मुकाबले में पाक टीम का पलड़ा भारी रहेगा। यूसुफ ने कहा कि पाकिस्तान की टीम इस बार मेरी पसंदीदा टीम है साथ ही वो जीत की बड़ी दावेदार है क्योंकि वो अपने सभी मैच अपने घरेलू मैदान पर खेलेगी। उन्होंने कहा कि भारत के पास भी संतुलित टीम है पर पाक का पलड़ा भारी है क्योंकि वो घरेलू हालातों में खेल रही है। दुबई में टीम अपने कई मुकाबले खेलती है और इस कारण वह भी उसके लिए घरेलू मैदान की तरह ही है।

संक्षिप्त समाचार

नीदरलैंड नाइजीरिया को लौटाएगा 100 से अधिक कलाकृतियां

एम्सटर्डम, एजेंसी। यूरोपीय देश नीदरलैंड ने पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजीरिया को 119 कलाकृतियों का संग्रह लौटाने का वादा किया है। बेनिन ब्रॉन्ज़ के नाम से जानी जाने वाली ये कलाकृतियाँ, जो ज़्यादातर लीडेन के एक संग्रहालय में रखी गई हैं। 19वीं सदी के आखिर में ब्रिटिश सैनिकों ने आज के नाइजीरिया से इन कलाकृतियों को लूटा था। नाइजीरिया के राष्ट्रीय संग्रहालय और स्मारक आयोग के अनुरोध पर उन्हें वापस कर दिया जाएगा। कलाकृतियों में मानव और पशु आकृतियां, पट्टिकाएं, शाही चिह्न और एक घंटी शामिल हैं। यह घटनाक्रम इसलिए भी अहम है क्योंकि यूरोप और उत्तरी अमेरिका में सरकारें और संग्रहालय औपनिवेशिक काल के दौरान लूटी गई वस्तुओं के स्वामित्व संबंधी विवादों को सुलझाने के लिए तेजी से प्रयास कर रहे हैं।

ग्रीस में भी सड़कों पर किसान, ट्रैक्टर्स से रोका ट्रैफिक, पुलिस से भिड़ंत

एथेंस, एजेंसी। ग्रीस में भी किसान सड़कों पर हैं। बुधवार को ग्रीस के दूसरे सबसे बड़े शहर थेसालोनिकी में किसानों ने ट्रैक्टर्स से ट्रैफिक को अवरुद्ध कर दिया। बुधवार देर शाम जब ग्रीस के प्रधानमंत्री क्रियाकोस मित्सोताकिस मीडिया से बात कर रहे थे तो किसानों ने वहां जाने की कोशिश की और इस दौरान वे पुलिस से भिड़ गए। हालांकि अभी तक किसी की गिरफ्तारी या किसी के चोटिल होने की खबर नहीं मिली है। एक हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी 50 से ज्यादा ट्रैक्टर्स पर सवार होकर ग्रीस के उत्तरी इलाके से मध्य ग्रीस तक पहुंचे और काले झंडे दिखाए। प्रदर्शनकारियों ने थेसालोनिकी शहर का ट्रैफिक ब्लॉक कर दिया। ग्रीस के किसान बीते कई हफ्तों से प्रदर्शन कर रहे हैं, उनकी मांग है कि जलवायु परिवर्तन के चलते फसलों को हो रहे नुकसान की सरकार भरपाई करे और विभिन्न मुद्दों पर भी किसानों ने समर्थन मांगा है।

पोलियो एस्कॉर्ट की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को पोलियो टीका लगाने वालों की सुरक्षा में तैनात (एस्कॉर्ट) पुलिस अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बाइक सवार अज्ञात बंदूकधारियों ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे बाजौर जिले के मामुंड तहसील के दमादोला इलाके में पोलियो टीका लगाने वालों को निशाना बनाया। टीका लगाने वालों की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी की हत्या कर आरोपी फायरिंग करते हुए मौके से भाग गए। पुलिसकर्मी की मौके पर ही मौत हो गई।

सिंगापुर में मृत्युदंड के विरोध में कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकाला

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर और मलयेशिया में अधिकार कार्यकर्ताओं ने मृत्युदंड के विरोध में बुधवार को मोमबत्ती जलाकर जुलूस निकाला। वे सिंगापुर में मादक पदार्थों की तस्करी के लिए एक मलयेशियाई व्यक्ति को फांसी देने की तैयारी का विरोध कर रहे हैं। पन्नीर सेल्वम प्रांतमन को 2014 में 52 ग्राम (लगभग 1.8 औंस) हेरोइन रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और 2017 में मौत की सजा सुनाई गई थी। उसे बृहस्पतिवार को फांसी दी जानी है।

ट्रंप स्वतंत्र नियामकों पर अधिक नियंत्रण चाहते हैं, नया कार्यकारी आदेश जारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप देश के स्वतंत्र नियामकों पर अधिक नियंत्रण चाहते हैं। उन्होंने मंगलवार को जिस कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, इसका मकसद प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग, संघीय व्यापार आयोग और संघीय संचार आयोग जैसे स्वतंत्र संघीय नियामकों का सीधा नियंत्रण व्हाइट हाउस को देना है। आदेश प्रभावी होने के साथ ही राष्ट्रपति को वित्तीय प्रणाली की निगरानी को आकार देने तथा परिवहन सुरक्षा, बुनियादी उपभोक्ता संरक्षण और वायरलेस, प्रसारण, उपग्रह और ब्रॉडबैंड संचार के लिए मानदंड निर्धारित करने की अधिक शक्तियां मिल जाएंगी।

मोदी को हराना चाहते थे बाइडेन, इसलिए दे रहे थे करोड़ों का फंड; डोनाल्ड ट्रंप ने लगाए गंभीर आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक फैसला लिया। इसमें उन्होंने भारत को मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए मिलने वाले 2.1 करोड़ डॉलर फंड को रद्द कर दिया। उनके इस फैसले को लेकर तरह-तरह की चर्चा हो रही है। इस बीच बुधवार रात सऊदी अरब सरकार के एफआईआई प्रायोरिटी समिट को संबोधित करते हुए ट्रंप ने अपने इस फैसले का बचाव किया। साथ ही उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन की सरकार पर भारत में चुनावी हस्तक्षेप का आरोप भी लगाया। ट्रंप ने कहा, हमें भारत में वोटर टर्नआउट के लिए 21 मिलियन डॉलर खर्च करने की जरूरत क्यों है? मुझे लगता है कि जो बाइडेन किसी और को चुनाव में जिताना चाहते थे। हमें भारत सरकार को यह बताना होगा। यह एक बड़ा मामला है। इससे पहले मंगलवार को भी उन्होंने इस मामले पर सफाई दी थी। डोनाल्ड ट्रंप का कहना था कि आज के समय में भारत खुद सक्षम हैं। भारत के पास पैसे की कमी नहीं है।

तानाशाह है जेलेंस्की, बात मान लो नहीं तो देश भी नहीं बचेगा; ट्रंप की खुली धमकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के बीच जुबानी जंग और तेज हो गई है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर जेलेंस्की को तानाशाह कहा है। ट्रंप ने जेलेंस्की पर ही रूस-यूक्रेन युद्ध को भड़काने का आरोप लगा दिया। इतना ही नहीं, पहली बार ट्रंप ने खुलेआम यूक्रेनी राष्ट्रपति के लिए तीखे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए उन्हें एक मामूली कॉमेडियन करार दिया।

ट्रंप ने जेलेंस्की पर लगाए गंभीर आरोप : ट्रंप ने अपनी पोस्ट में लिखा, जरा सोचिए, एक मामूली रूप से सफल कॉमेडियन वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अमेरिका से 350 अरब डॉलर खर्च करवा दिए, वो भी एक ऐसे युद्ध में जो कभी नहीं होना चाहिए था और जिसे जीता नहीं जा सकता। अगर अमेरिका और ट्रंप न होते, तो जेलेंस्की कभी इसे सुलझा नहीं पाएंगे। अमेरिका ने यूरोप से 200 अरब डॉलर अधिक खर्च किए हैं, लेकिन हमें कुछ नहीं मिलने वाला है। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन पर निशाना साधते हुए कहा कि वे सोते रहे और उन्होंने यूरोप से पैसों के खर्च को लेकर बराबरी की बात नहीं की। ट्रंप ने कहा, यह युद्ध यूरोप के लिए हमसे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है, हमारे पास एक बड़ा, सुंदर महासागर है जो हमें (रूस से) अलग करता है। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि जेलेंस्की ने खुद माना है कि अमेरिका से मिली आर्थिक मदद का आधा हिस्सा गायब हो गया है। उन्होंने जेलेंस्की पर चुनाव न कराने का आरोप भी लगाया और कहा कि वह यूक्रेन में बेहद अलोकप्रिय हो गए हैं। ट्रंप ने लिखा, उन्होंने चुनाव कराने से मना कर दिया, यूक्रेनी पोल में उनका प्रदर्शन बहुत कम रहा, और एकमात्र चीज जिसमें वे अच्छे थे, वह- बाइडन को बाजे की तरह बजाना। जेलेंस्की एक तानाशाह हैं जो चुनाव कराने से इनकार कर रहे हैं। उन्हें जल्द कदम उठाने होंगे, वरना उनके पास देश ही नहीं बचेगा।

ट्रंप ने आगे लिखा, इस बीच, हम रूस के साथ युद्ध को समाप्त करने के लिए सफलतापूर्वक बातचीत कर रहे हैं। यह कुछ ऐसा है जिसे सभी मानते हैं कि केवल ट्रंप और ट्रंप प्रशासन ही कर सकता है। बाइडन ने कभी प्रयास नहीं किया, यूरोप शांति लाने में विफल रहा है, और जेलेंस्की शायद बिना कुछ किए पैसे कमाना जारी रखना चाहते हैं। मैं यूक्रेन से प्यार करता हूं, लेकिन जेलेंस्की ने बहुत बुरा काम किया है, उनका देश बिखर गया है, और लाखों लोग बेवजह मारे गए हैं - और यह जारी है।

जेलेंस्की ने किया ट्रंप के दावों का खंडन : इससे पहले कीव में पत्रकारों से बात करते हुए जेलेंस्की ने ट्रंप की बातों को खारिज कर दिया और कहा कि वह गलत जानकारी के प्रभाव में हैं। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, राष्ट्रपति ट्रंप रूसी दुष्प्रचार के प्रभाव में हैं। अमेरिकी जनता ने हमेशा हमारा समर्थन किया है और हम इसकी सराहना करते हैं। लेकिन युद्ध को खत्म करने के लिए यूक्रेन की भागीदारी जरूरी है।

रूस को लेकर ट्रंप के नरम रुख पर सवाल : ट्रंप पहले भी रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर विवादित बयान दे चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि यह युद्ध जल्द से जल्द खत्म होना चाहिए, भले ही इसके लिए यूक्रेन को अपनी जमीन से समझौता क्यों न करना पड़े। ट्रंप की इस स्थिति से कीव और उसके पश्चिमी सहयोगी चिंतित हैं। ट्रंप के हालिया रुख से अमेरिका और उसके सहयोगी देशों में चिंता बढ़ गई है, क्योंकि उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन कभी भी रूस का हिस्सा बन सकता है।

तिब्बती कार्यकर्ता ने सुनाई आपबीती, कहा- चीन में विरोध प्रदर्शन करने पर मिलती हैं क्रूर यातनाएं

जिनेवा, एजेंसी। मानवाधिकार और लोकतंत्र के लिए 17वें जिनेवा शिखर सम्मेलन-2025 में वक्ताओं ने चीन, रूस, सऊदी अरब, बेलारूस, हांगकांग, वियतनाम और ईरान में मोषवाधिकारों के उल्लंघन पर प्रकाश डालो। चीनी अत्याचारों को लेकर तिब्बती कार्यकर्ता व पूर्व राजनीतिक कैदी नामकी ने उसे सताए जाने के भयावह अनुभवों का जिक्र भी किया। उन्हें चीन में कैद के दौरान भयानक यातनाएं झेलना पड़ीं। यह सम्मेलन सेंटर इंटरनेशनल डी कॉन्फ्रेंस जिनेवा (सीआईसीजी) में चल रहा है। केंद्रीय तिब्बत प्रशासन (सीटीए) की एक रिपोर्ट के अनुसार, नामकी ने चीनी सरकार द्वारा सताए जाने के अपने दर्दनाक अनुभवों को बताते हुए कहा, 21 अक्तूबर, 2015 को जब वह और उनके चचेरे भाई तेनजिन डोलमा ने नगाबा काउंटी के शहीद चौक पर विरोध प्रदर्शन किया तब 10 मिनट बाद ही पुलिस अफसरों का समूह हम पर टूट पड़ा। उन्होंने जबरदस्ती हमारे हाथों से पोस्टर-बैनर छीन लिए और हमें हथकड़ी लगाकर आवाजें दबा दीं। हम तिब्बत में वापसी व उसकी आजादी का आह्वान कर र रहे थे। इसके बाद भयानक यातनाओं का दौर शुरू हुआ।

तेज गर्मी के बीच नींद न लेने को मजबूर किया : सीटीए रिपोर्ट से पता चला कि दोनों को शुरुआत में नगाबा काउंटी हिरासत केंद्र में रखने के बाद आधी रात को बरखम हिरासत केंद्र में ले जाया गया। नामकी को कैद के दौरान 150 डिग्री तापमान की तेज गर्मी का जोखिम उठाना पड़ा, उसे नींद नहीं लेने दी गई। पुरुष अधिकारियों ने उसे मारा, लात मारी और थप्पड़ मारे और उस पर मनोवैज्ञानिक दबाव भी बनाया। उन्हें नस्ली भेदभाव के बीच अनिवार्य सैन्य प्रशिक्षण देकर चीनी कानूनों और देशभक्ति शिक्षा का अध्ययन करने के लिए मजबूर किया गया। रिहा होने के बाद भी मुझे परेशान किया। ताइपे। तिब्बत के लिए एकजुटता दिखाने के मकसद से मुक्त तिब्बत के लिए साइकिलिंग अभियान के तीसरे दौर के लिए कार्यकर्ता एक साथ आए। मानवाधिकारों के हनन की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए तिब्बत-ताइवान मानवाधिकार गठबंधन ने एक कार्यक्रम में साइकल सवारी कर तिब्बती आजादी के लिए रैली निकाली।

1,000 फुट लंबा ऐतिहासिक जहाज फिलाडेल्फिया से रवाना, दुनिया की सबसे बड़ी कृत्रिम चट्टान बनने की यात्रा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में 1,000 फुट लंबा जहाज- एसएस यूनाइटेड स्टेट्स बुधवार को दक्षिण फिलाडेल्फिया के डेलावेयर नदी तट से रवाना हुआ। यह इसकी अंतिम यात्रा का पहला चरण है। इस ऐतिहासिक और पुराने समुद्री जहाज को आने वाले दिनों में फ्लोरिडा का एक काउंटी दुनिया की सबसे बड़ी कृत्रिम चट्टान में बदलेगा। इस जहाज ने 1952 में अपनी पहली यात्रा में ट्रान्साटलांटिक गति का रिकार्ड तोड़ दिया था। जहाज की देखरेख करने वाली संस्था और उसके मकान मालिक के बीच सालों पुराने किराए का विवाद सुलझने के बाद अब इसे नष्ट करने की तैयारी की जा रही है। फ्लोरिडा में ओकालोसा काउंटी के अधिकारियों के मुताबिक जहाज को खरीदने का सौदा लगभग 10 मिलियन अमरीकी डॉलर में पूरा होगा। जहाज़ की सफ़ाई, परिवहन और उसे डुबोने की लंबी प्रक्रिया में कम से कम डेढ़ साल लगने की उम्मीद है। एसएस यूनाइटेड स्टेट्स को कभी अमेरिकी इंजीनियरिंग का प्रतीक माना जाता था। इसे हजारों सैनिकों को ले जाने वाले सैन्य जहाज के रूप में भी जाना जाता था। ओकालोसा काउंटी के अधिकारियों के मुताबिक एसएस यूनाइटेड स्टेट्स जहाज काउंटी की 500 से अधिक कृत्रिम चट्टानों के बीच एक बार्नकल-जड़ित आकर्षण का केंद्र बन जाएगा।

अमेरिका में ठंड का कहर, तूफान के चलते कई इलाकों में भारी बर्फबारी, 5600 से ज्यादा हवाई सेवाएं प्रभावित

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कई इलाकों में ठंड का कहर जारी है। बुधवार को उत्तरी कैरोलिना और वर्जीनिया के कुछ हिस्सों में तूफान आया, जिसकी वजह से भारी बर्फबारी हुई। बर्फबारी के चलते सड़कों पर सैंकड़ों दुर्घटनाएं रिपोर्ट हुई। फिलहाल अधिकारियों ने हालात को देखते हुए लोगों को घरों के भीतर ही रहने की सलाह दी है। अमेरिका के टेनेसी और ओहायो में पहले से ही ठंड का कहर जारी है। गौरतलब है कि टेनेसी और ओहायो पहले ही बाढ़ की समस्या से जूझ रहे हैं, अब ठंड ने लोगों की परेशानी को कई गुना बढ़ा दिया है।

हजारों हवाई सेवाएं प्रभावित : अमेरिका के राष्ट्रीय मौसम सेवा विभाग ने आशंका जताई है कि गुरुवार को वर्जीनिया से अटलांटिक तट तक 25 सेंटीमीटर तक बर्फबारी होने की आशंका है। पूर्वी उत्तरी कैरोलिना में भी भारी बर्फबारी का अनुमान है। वर्जीनिया के हैंप्टन रोड्स क्षेत्र और उत्तर पूर्वी कैरोलिना में प्रति घंटे पांच सेंटीमीटर तक बर्फबारी हुई है। गुरुवार सुबह और भारी बर्फबारी की आशंका है। वर्जीनिया स्टेट पुलिस ने बताया कि बुधवार दोपहर तक 275 दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें कम से कम दो दर्जन लोग घायल हुए हैं। दुर्घटनाओं के चलते उत्तरी कैरोलिना में भी कुछ हिस्से बंद कर दिए गए हैं। फ्लाइट-ट्रैकिंग साइट फ्लाइटअवेयर डॉट कॉम के अनुसार, पूरे अमेरिका में लगभग 5,600 उड़ानें रद्द या उनमें देरी हुई। इनमें उत्तरी कैरोलिना के चार्लोट डगलस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से आने-जाने वाली 400 से

अधिक उड़ानें शामिल हैं।

वर्जीनिया में तूफान के बाद आपातकाल के हालात : दूसरी ओर, ध्रुवीय भंवर ने मोंटाना से दक्षिणी टेक्सास तक के तापमान में भारी गिरावट ला दी। गौरतलब है कि कई ऐसे इलाकों में बर्फबारी हुई है, जहां आमतौर पर सर्दियों के मौसम में बर्फ नहीं पड़ती। ऐसे में लोगों ने इस पर हैरानी भी जताई है। बर्फबारी वाले इलाकों में स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं।

वर्जीनिया में पिछले सप्ताह आए तूफान के बाद से ही आपातकाल की स्थिति बनी हुई है। नेशनल गार्ड और राज्य एजेंसियों को स्थानीय सरकारों की मदद करने के लिए तैनात किया गया है। लोगों को घरों के भीतर ही रहने की सलाह दी जा रही है। पूर्वी अमेरिका में पिछले हफ्ते के अंत में आए तूफानों ने कम से कम 19 लोगों की जान ले ली, जिनमें केंटकी में 14 लोग शामिल हैं। दक्षिणी वेस्ट वर्जीनिया में, सप्ताहांत की बाढ़ ने मैकडॉवेल काउंटी में तीन लोगों की जान ले ली।

लंदन हाईकोर्ट से माल्या को बड़ा झटका, सुनवाई स्थगित करने की अपील खारिज

लंदन, एजेंसी। भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या की इंग्लैंड की एक अदालत की ओर से जारी दिवालिया आदेश के खिलाफ दायर अपील पर इंग्लैंड की हाईकोर्ट से झटका लगा है। इंग्लैंड एंड वेल्स हाईकोर्ट के चेंचरी डिविजन के अपीलीय जज जस्टिस एंथनी मान ने माल्या की ओर से सुनवाई स्थगित करने का आवेदन ठुकरा दिया। माल्या खुद सुनवाई के लिए मौजूद नहीं थे, उनके वकीलों ने सुनवाई स्थगित करने का अनुरोध किया था।

जस्टिस एंथनी ने भारत में मनी लॉन्ड्रिंग और बैंक फ्रॉड के मामलों में वांछित 69 वर्षीय शराब कारोबारी से जुड़ी कई अपीलों को सुनने का फैसला किया। इनमें से वह अपील भी शामिल हैं जिनमें भारतीय स्टेट बैंक के नेतृत्व में बैंकों के समूह ने विजय माल्या की बंद हो चुकी एयरलाइन कंपनी किंगफिशर पर 1.05 अरब पाउंड के भुगतान की मांग की गई है।

जस्टिस एंथनी ने कहा, मुझे भारतीय सुनवाई के परिणाम तक कार्यवाही लंबित रखने का कोई कारण नहीं दिखता। अपील का महत्वपूर्ण समय पहले भी बर्बाद हो

चुका है। उन्होंने मामले में माल्या की ओर नए सबूत पेश करने के अनुरोध को भी खारिज कर दिया। इन सबूतों में संसद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन का वह बयान भी शामिल है कि माल्या की संपत्तियों से सरकारी बैंकों को 14131 करोड़ रुपये मिल चुके हैं।

सुनवाई में दिवालियापन कार्यवाही के खिलाफ की गई अपीलों पर हुई चर्चा : जस्टिस मान मुख्य दिवाला और कंपनी न्यायालय के न्यायाधीश माइकल ब्रिग्स के एक फैसले से संबंधित अपीलों की सुनवाई कर रहे हैं, जो लगभग छह साल पहले माल्या के खिलाफ बैंकों द्वारा शुरू की गई दिवालियापन कार्यवाही के संदर्भ में दिया गया था। सुनवाई में मुख्यतः दिवालियापन कार्यवाही के खिलाफ की गई अपीलों पर चर्चा की गई। माल्या का तर्क था कि भारतीय कानून के एक सिद्धांत के कारण बैंकों को उनकी संपत्तियों पर सुरक्षा रखने से रोका गया।

ब्रिटेन में जमानत पर हैं विजय माल्या : इस सप्ताह की सुनवाई के दौरान दो और अपीलों पर भी चर्चा होगी। इस बीच, माल्या ब्रिटेन में जमानत पर हैं, जबकि उनका एक गोपनीय कानूनी मामला चल रहा है, जो शरण आवेदन से संबंधित है। माल्या यह तर्क करते रहे हैं कि भारतीय बैंक उनके खिलाफ एक ही ऋण का पीछा कर रहे हैं। भारतीय स्टेट बैंक और अन्य बैंकों का मामला मई 2018 से चल रहा है, जिसके बाद कई सुनवाई हुई और अंततः 26 जुलाई, 2021 को माल्या के खिलाफ दिवालियापन आदेश जारी किया गया।

हमास आज 4 इजराइली बंधकों के शव लौटाएगा

गाजा, एजेंसी। फिलिस्तीन का उग्रवादी संगठन हमास आज यानी गुरुवार को 4 इजराइली बंधकों के शव लौटाएगा। इनमें शिरी बिबास और उनके 2 बच्चे एरियल बिबास और केफिर बिबास शामिल हैं। चौथा शव ओडेड लाइफशिट्ज नाम के बंधक का है। 7 अक्टूबर 2023 को जब हमास ने इन्हें बंधक बनाया था, तब एरियल की उम्र 4 साल और केफिर की उम्र 9 महीने थे। इन बच्चों के पिता यार्डेन को इस महीने की शुरुआत में रिहा किया गया था।

इसके अलावा हमास शनिवार को 6 बंधकों को रिहा करेगा। यह पहले से तय संख्या से डबल है। शनिवार को रिहा होने वाले बंधकों के बदले इजराइल अक्टूबर 2023 से गिरफ्तार सभी महिलाओं और 19 साल से कम उम्र के फिलिस्तीनी लोगों को रिहा कर देगा। इसके साथ ही मिस्र बॉर्डर के जरिए गाजा में मलबा हटाने वाली मशीनें ले जाने की परमिशन देगा।

केफिर हमास की कैद में सबसे कम उम्र का बंधक था : केफिर को जब बंधक बनाया गया उस वक्त उसकी उम्र सिर्फ 9 महीने थी। तब वह हमास के कब्जे में सबसे कम उम्र का बंधक था। हमास ने नवंबर 2023 में दावा किया था कि शिरी और उनके दोनों बच्चों की इजराइली बमबारी में मौत हो चुकी है। हमास ने तब एक वीडियो भी जारी किया था जिसमें यार्डेन बिबास अपने परिजनों की मौत का जिम्मेदार इजराइली पीएम नेतन्याहू को बता रहे थे। हालांकि, इजराइल ने कभी भी हमास के इस दावे को

नहीं माना। एक इजराइली अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि मृतक बंधकों का नाम घोषित करने से पहले इजराइल में उनकी पहचान की जाएगी।

अब तक 6 बार हो चुकी बंधकों की अदला बदली : इजराइल और हमास में 19 जनवरी को बंधकों की रिहाई को लेकर सीजफायर हुआ था, जिसमें 3 फेज में बंधकों की रिहाई होना है। पहले चरण के तहत 33 इजराइली बंधकों को रिहा किया जाना है। इसमें से 19 बंधकों को अब तक 1100 से ज्यादा फिलिस्तीनी कैदियों के बदले रिहा किया जा चुका है। इजराइल का कहना है कि शेष 14 में से आठ की मौत हो चुकी है। पिछले महीने लागू हुए सीजफायर डील के तहत बंधकों और फिलिस्तीनी कैदियों की छह बार अदला-बदली हो चुकी है।

पनामा के होटल में फंसे 300 लोगों में सबसे ज्यादा भारत-नेपाल जैसे देशों के; खिड़की से मांग रहे मदद

पनामा सिटी, एजेंसी। अमेरिका से निर्वासन और घर न पहुंच पाने की अनिश्चितता के साथ-साथ तमाम दिक्कतों से जूझ रहे 300 लोग पनामा के एक होटल में फंसे हुए हैं। इन 300 लोगों में सबसे ज्यादा भारतीय और नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और चीन नागरिक हैं। ये सभी वहां तब तक रहेंगे, जब तक उनकी वापसी की व्यवस्था नहीं हो जाती, इसके साथ ही उन्हें होटल से बाहर जाने की अनुमति नहीं मिली है। अधिकारियों के अनुसार, 40त्न से ज्यादा प्रवासी अपने देश लौटने के लिए तैयार नहीं हैं। होटल में बंद सभी प्रवासियों की हालत काफी दयनीय है, इसका पता इससे चलता है कि होटल में फंसे लोग खिड़कियों पर संदेश लिखकर मदद की गुहार लगा रहे हैं। पनामा के होटल से कई तस्वीरें सामने आई है, जिसमें लोग हाथों में सादे कागज पर- मदद करें और हम अपने देश में सुरक्षित नहीं हैं, लिख कर खड़े हैं।

इन 10 एशियाई देशों के हैं 300 प्रवासी : जानकारी के मुताबिक, सभी प्रवासी 10 एशियाई देशों से आए हैं, जिसमें ईरान, भारत, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और चीन के लोग शामिल हैं। अमेरिका के लिए इन देशों में सीधा निर्वासन करना मुश्किल है, इसलिए पनामा को एक ठहराव के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

प्रवासियों को दी जा रही बुनियादी सुविधाएं : इधर पनामा के सुरक्षा मंत्री फ्रैंक एब्रेगो ने दावा किया है कि, सभी प्रवासियों चिकित्सा सुविधा और खाना मिल रहा है। यह पूरी व्यवस्था अमेरिका और पनामा के बीच हुए एक समझौते के तहत हो रही है। अमेरिका इस पूरे ऑपरेशन का खर्च उठा रहा है। वहीं पनामा

के राष्ट्रपति जोसे राउल मुलिनो, जो ट्रंप की पनामा नहर पर नियंत्रण को लेकर दी गई धमकियों के कारण राजनीतिक दबाव में हैं, ने पिछले गुरुवार को पहली डिपोर्टेशन फ्लाइट के आने की घोषणा की थी।

अपने देशों को लौटने के लिए तैयार प्रवासी : रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 300 लोगों में से 171 प्रवासी अंतरराष्ट्रीय संगठनों की मदद से अपने-अपने देशों को लौटने के लिए तैयार हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचआरसी) और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) बाकी 128 लोगों के लिए विकल्प की तलाश कर रहे हैं, ताकि वे किसी तीसरे देश में बस सकें। वहीं जो प्रवासी अपने देश वापस जाने के लिए तैयार नहीं हैं, उन्हें पनामा के दारिएन प्रांत के एक विशेष केंद्र में रखा जाएगा।

इजराइल गये हजारों भारतीयों से मजदूरी

हैदराबाद । भारत से सिविल इंजीनियरिंग कंस्ट्रक्शन सेरेमिक टाइल्स एक्सपर्ट और फर्नीचर इत्यादि काम के लिए जो कारीगर इजराइल गए थे। वहां पर उनसे मजदूरी का काम लिया जा रहा है। अच्छी सैलरी देने का लालच देकर इन्हें इजराइल ले जाया गया था। वहां पर इनसे मजदूर वाला काम कराया जा रहा है। बहुत कम मजदूरी दी जा रही है। जो सुविधाएं दी जानी चाहिए थी वह भी नहीं दी जा रही हैं। तेल अबीब स्थित इजराइल तेलंगाना संगठन के अध्यक्ष सोमा रवि ने हमास युद्ध के बीच भारत से जिन कामगारों को इजराइल ले जाया गया था। उनसे मजदूरी वाला काम लिया जा रहा है।अभी तक भारत से 10000 से ज्यादा कामगार इजराइल गए हैं। इनमें 2000 से अधिक तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कामगार हैं।जो इजराइल जाने के बाद से परेशान हैं। जिस काम के लिए इन्हें बुलाया गया था। उसके स्थान पर इनसे मजदूरी कराई जा रही है।

धर्मेंद्र प्रधान ने सीएम स्टालिन को याद दिलाया पीएम मोदी का बयान, तमिल भाषा शाश्वत है

नई दिल्ली । ट्राई लैंग्वेज विवाद पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन को पत्र लिखा। उन्होंने राज्य में हो रहे नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) के विरोध की आलोचना की। केंद्रीय मंत्री ने अपने पत्र में किसी भी भाषा को थोपने का सवाल नहीं है। लेकिन विदेशी भाषाओं पर अत्यधिक निर्भरता खुद की भाषा को सीमित करती है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) इसे ही ठीक करने का प्रयास कर रही है। एनईपी भाषा की स्वतंत्रता को कायम रखती है और यह सुनिश्चित करती है कि छात्रा अपनी पसंद की भाषा सीखना जारी रखें। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने अपने पत्र में मई 2022 में चेन्नई में पीएम मोदी के तमिल भाषा शाश्वत है के बयान का जिक्र कर लिखा कि मोदी सरकार तमिल संस्कृति और भाषा को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने और लोकप्रिय बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मैं अपील करता हूं कि शिक्षा का राजनीतिकरण न करें।

रेलवे का एक्स को नोटिस, रेलवे स्टेशन भगदड़ वाले वीडियो लिंक हटाएं

नई दिल्ली । नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 15 फरवरी को हुई भगदड़ में 18 लोगों की मौत हुई थी। मामले में अब तक जांच रिपोर्ट नहीं आई है, लेकिन रेलवे ने एक आदेश जारी किया है। रिपोर्ट के अनुसार रेल मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स को नोटिस जारी कर 288 वीडियो लिंक हटाने का निर्देश दिया है। रेल मंत्रालय ने 17 फरवरी को यह नोटिस भेजकर घटना से जुडे सभी वीडियो लिंक हटाने का निर्देश दिया था। रेलवे ने तर्क देकर कहा कि इस तरह के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर होने से कानून-व्यवस्था की स्थिति पैदा हो सकती है। दरअसल दिसंबर में प्रत्यक्ष रूप से वीडियो हटाने का अधिकार मिलने के बाद कंटेंट को लेकर यह मंत्रालय की पहली बड़ी कार्रवाई है। हालांकि इस तरह का यह दूसरा मामला है। इससे पहले जनवरी में ही यूट्यूब और इंस्टाग्राम को भेजे गए नोटिस में भ्रामक और संवेदनशील-भड़काऊ जानकारी वाले कंटेंट को लेकर सख्ती दिखाई गई थी।

संभल हिंसा मामले में एक महिला को 1 लाख के मुचलके पर रिहाई मिली

संभल। संभल हिंसा के दौरान हुई पत्थरबाजी के आरोप में जेल में बंद एक महिला को रिहा किया है। कोर्ट ने साक्ष्य ना होने के अभाव में 1 लाख रुपये के मुचलके पर रिहा किया है। जबकि, इसके अलावा जेल में बंद 79 आरोपियों में से किसी और की जमानत नहीं मिली है। दरअसल, 24 नवंबर 2024 की हिंसा में शामिल चार महिलाओं सहित 80 आरोपियों को संभल पुलिस गिरफ्तार कर जेल में डाल चुकी है। इसमें चार महिलाओं को पत्थरबाजी के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया था। जेल में बंद आरोपी फरहाना की जमानत के लिए वकीलों के द्वारा पैरवी की जा रही थी। बीते दिन चंदौसी स्थित सीजेएम कोर्ट ने फरहाना के खिलाफ साक्ष्य न होने के अभाव में एक लाख रुपये के मुचलके पर रिहा करने का आदेश जारी कर दिया। वकील गनी अनवर ने बताया कि हिंसा के मामले में फरहाना को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद हमारी ओर से महिला के निर्दोष होने की जानकारी देकर प्रार्थना पत्र पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को दिया गया था। मामले में पुलिस और प्रशासन की तरफ से निष्पक्ष जांच करने का आश्वासन मिला था। जांच पूरी होने के साथ ही महिला के खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं मिले, जिसपर प्रशासनिक स्तर पर महिला को रिहा किया गया।

बच्ची का यौन शोषण कर प्रिंसिपल, लो 20 रुपये... मुंह बंद रखना

-बच्ची की दादी ने प्रिंसिपल की कर दी चप्पल से पिटाई

जमुई । बिहार के जमुई के एक सरकारी स्कूल से शर्मसार कर करने वाली खबर आई है। यहां एक स्कूल के प्रिंसिपल पर दूसरी कक्षा की छात्रा को गलत तरह से छूने का आरोप लगा है। जमुई में सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल शमशेर आलम ने एक छात्रा को 20 रुपये का लालच देकर उसके साथ यौन शोषण किया। बच्ची के अनुसार आरोपी ने कहा कि ये लो 20 रुपये, अपना मुंह बंद रखना। इसके बाद बच्ची सदमे में आई और स्कूल जाना बंद किया। इसके बाद बच्ची के परिजनों ने जब स्कूल न जाने की वजह जानने की कोशिश की तब बच्ची ने रोते हुए मम्मी से स्कूल के प्रिंसिपल की पूरी करतूत बता दी। ये मामला नवीन प्राथमिक मकतब, खपरिया विद्यालय का है। घटना का जानकारी के बाद स्कूल परिसर में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई और सभी प्रिंसिपल का विरोध करने लगे। इतना ही नहीं बच्ची की दादी का गुस्सा को आलम की करतूत को लेकर सातवें आसमान पर था। उन्होंने शमशेर आलम की चप्पल से पिटाई कर दी। घटना को लेकर ग्रामीणों में काफी गुस्सा है। उन्होंने थाने में लिखित शिकायत की है। बच्ची के साथ अश्लील हरकत और छेड़खानी के मामले में पुलिस ने आलम को गिरफ्तार कर जमुई जेल भेज दिया।

दिल्ली में नई सरकार के सामने हैं ढेरों चुनौतियां, बिगड़ा है बजट

-सीएम रेखा ने ली कैबिनेट बैठक, वादों को पूरा करने बनाई रणनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बीजेपी की नई सरकार ने शपथ लेने के कुछ घंटों बाद ही अपनी पहली कैबिनेट बैठक की। दिल्ली सीएम बनी रेखा गुप्ता की सरकार के सामने ढेरों चुनौतियां हैं। इस बैठक में प्रदूषण, यमुना सफाई, पब्लिक ट्रांसपोर्ट, सड़कें और पानी जैसी बुनियादी समस्याओं पर बातचीत हुई। साथ ही चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा करने की रणनीति भी बनाई गई। सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती दिल्ली का खस्ताहाल बजट है।

दिल्ली में मुफ्त बिजली, पानी और महिलाओं के लिए बस यात्रा जैसी योजनाओं पर पहले से ही भारी खर्च हो रहा है। डीटीसी और दिल्ली जल बोर्ड को भी बड़ी धनराशि अनुदान के रूप में दी जाती है। पिछली आम आदमी पार्टी की सरकार ने कई खर्चों को पूरा करने के लिए 10 हजार करोड़ रुपए का कर्ज भी लिया था। वित्त विभाग ने इसके दीर्घकालिक प्रभावों को लेकर आपत्ति जताई थी, लेकिन फिर भी यह कर्ज लिया गया। एक अधिकारी के मुताबिक मौजूदा योजनाओं और नए चुनावी वादों को पूरा करने के लिए सरकार को सालाना कम से कम 24 हजार करोड़ रुपए की जरूरत होगी। वित्त विभाग ने कई बार राज्य सरकार को खराब होती वित्तीय स्थिति से अवगत कराया था। जल बोर्ड के खातों के विशेष ऑडिट की घोषणा के अलावा वित्त विभाग ने करीब 38 लाख महिलाओं को प्रति माह एक हजार रुपए की वित्तीय सहायता देने के सरकार के फैसले पर भी आपत्ति जताई थी। हालांकि दिल्ली का राजस्व टैक्स और गैर-टैक्स स्रोतों से सालाना 9-10 फीसदी की दर से बढ़ रहा है, लेकिन अधिकारियों का मानना है कि केवल केंद्र सरकार का अनुदान ही नए खर्चों को पूरा कर सकता है।

दिल्ली की हवा को स्वच्छ बनाना नई सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक है। सर्दियों से पहले ही इस पर काम शुरू करना होगा, क्योंकि सर्दियों में प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। 2023 तक दिल्ली में पीएम2.5 और पीएम10 के स्तर में लगातार गिरावट आई, लेकिन 2024 में यह ट्रेंड टूट गया। 2024 में पीएम10 की वार्षिक औसत सांद्रता राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक से 3.5 गुना और डब्ल्यूएचओ की गाइडलाइन से 14 गुना ज्यादा थी। शहर में स्थानीय और क्षेत्रीय स्तर पर प्रदूषण को कम करने के लिए बड़े कदम उठाने होंगे। दिल्ली को शहर और आसपास के क्षेत्रों में रीयल-टाइम या दैनिक स्रोत-विभाजन अध्ययन की जरूरत है।

बीजेपी सरकान ने यमुना के पानी को इतना साफ करने का लक्ष्य रखा है कि तीन साल में कोई भी इसमें बिना किसी बीमारी के डुबकी लगा सके। पीएम नरेंद्र मोदी ने खुद यमुना की सफाई का वादा किया है, इसलिए यह एक बड़ी चुनौती है। अब केंद्र और हरियाणा दोनों राज्यों में बीजेपी की सरकारें हैं, इसलिए नई दिल्ली सरकार संसाधनों की कमी या अपस्ट्रीम प्रदूषण को बहाना नहीं बना सकती है। नई कैबिनेट के शपथ लेने से पहले ही, केंद्र ने दिल्ली एलजी वीके सक्सेना के जरिए से जो पहले एक उच्चस्तरीय यमुना समिति का नेतृत्व करते थे, कचरा हटाने के लिए फ्लोटिंग क्रेन और ट्रॉमेल मशीनों को तैनात करने जैसे कदम उठाए हैं।

एमसीडी ओखला, गाजीपुर और भलस्वा में तीन बड़े लैंडफिल को समतल करने के लिए संघर्ष कर रही है, जहां 160 लाख टन से जयादा पुराना कचरा पड़ा हुआ है और 3,000-3,500 टन ताजा कचरा रोजाना डाला जाता है। 2019 में एनजीटी ने कचरे के ढेर से पैदा हुई गंदगी पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी। एमसीडी ने 2020 में तीन लैंडफिल पर बायोमाइनिंग कार्यों का पहला चरण शुरू किया। केंद्रीय शहरी मामलों के मंत्रालय ने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के तहत इस उद्देश्य के लिए 1,395.6 करोड़ रुपए आवंटित किए। भलस्वा को छोड़कर ओखला और गाजीपुर में पुराने कचरे के टारगेट को पूरा नहीं किया जा सका है। एमसीडी की स्थायी समिति के गठन न होने के कारण बायोमाइनिंग

के दूसरे चरण की प्रक्रिया अटक गई है। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद ही स्थायी समिति की शक्ति नगर आयुक्त को सौंपी ताकि 18 महीनों में लैंडफिल पर 80 लाख टन पुराने कचरे को हटाने के लिए नए सिरे से निविदाएं जारी की जा सकें।

दिल्ली के तीन अस्पताल रघुबीर नगर में गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल, मंगोलपुरी में संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल और मोती नगर में आचार्य श्री भिक्षु अस्पताल शहर के स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे में 16,186 बेड जोड़ सकते हैं, लेकिन इन परियोजनाओं का काम धन की कमी के चलते नहीं हो सका है। इन अस्पतालों को अगले तीन सालों में पूरा करने के लिए अनुमानित 10,250 करोड़ रुपए की जरुरत है। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया कि वह 2024-25 वित्तीय वर्ष में इन सुविधाओं को पूरा करना सुनिश्चित करे।

भाजपा का आरोप, राहुल गांधी और कांग्रेस की जांच होनी चाहिए, क्या 21 मिलियन डॉलर के लाभार्थी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत को मतदान के लिए 21 मिलियन डॉलर भेजने के बयान पर देश में हंगामा मचा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने निशाना साधकर राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की जांच की बात कही है। बीजेपी प्रवक्ता भंडारी ने कहा, डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार कहा है कि भारत में मतदान के लिए 21 मिलियन डॉलर खर्च किए गए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे किक बैक स्कीम (रिश्वत योजना) कहा। यह पता लगाने के लिए जांच जरूरी है कि क्या राहुल गांधी और कांग्रेस इकोसिस्टम इस किकबैक स्कीम का लाभार्थी था! इसके अलावा बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने भी लिखा, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मतदान के लिए भारत को 21 मिलियन डॉलर भेजने की बात कहने के एक दिन बाद, इस आरोप को फिर से दोहराया है। यही नहीं, वह इससे बांग्लादेश को भेजे गए 29 मिलियन डॉलर से भ्रमित नहीं कर रहे हैं। इस बार, ट्रंप ने अपने बयान में रिश्वत का भी उल्लेख किया है। अनिवार्य रूप से, इस पैसे का उपयोग डीप स्टेट एसेट्स को बनाए रखने के लिए भी किया जाता है जो इसतरह के खुलासों को बचाने और पलटने का काम करते हैं। हम अब भारत में भी यही पैटर्न होते हुए देख रहे हैं। बता दें कि ट्रंप ने कहा था, भारत में मतदान के लिए 21 मिलियन डालर। हम भारत में मतदान की परवाह क्यों कर रहे हैं? हमारे पास पहले से ही बहुत सी समस्याएं हैं। हम अपनी समस्याओं को सुलझाना चाहते है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि इतना सारा पैसा भारत जा रहा है?

मायावती का पलटवार, हमे ज्ञान देने की वजाय अपने गिरेबान में झांकें राहुल गांधी

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कांग्रेस को भाजपा की बी टीम बता दिया है। सोशल मीडिया पोस्ट में बसपा सुप्रीमो ने सांसद राहुल गांधी को अपने गिरेबान में झांकने की नसीहत दे डाली है।

उन्होंने लिखा, कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार बीजेपी की बी टीम बनकर चुनाव लड़ा, यह एक आम चर्चा है, इसकारण दिल्ली में बीजेपी सत्ता में आ गई है। वरना दिल्ली चुनाव में कांग्रेस का इतना बुरा हाल नहीं होता कि यह पार्टी अपने ज्यादातर उम्मीदवारों की जमानत भी न बचा सके। इसके बाद कांग्रेस के सर्वेसर्वा राहुल गांधी को किसी भी मामले में दूसरों पर और खासकर बीएसपी की प्रमुख पर उंगली उठाने से पहले अपने गिरेबान में भी जरूर झांक लेना चाहिए। मायावती ने लिखा, साथ ही, दिल्ली में बनी नई भाजपा सरकार को यहां चुनाव में खासकर जनहित और विकास संबंधी किए गए अपने तमाम वादों को समय से पूरा करने की चुनौती है, वरना आगे चलकर पार्टी का भी हाल कहीं कांग्रेस जैसा बुरा न हो जाए।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि हम चाहते थे कि मायावती हमारे साथ मिलकर चुनाव लड़ें। अगर तीनों पार्टियां एक साथ चुनाव लड़तीं, तब यूपी में भाजपा कभी नहीं जीत पाती। कांशीराम ने नींव रखी। बहनजी ने काम किया। यह मैं भी मानता हूं। मेरा सवाल है बहन जी (मायावती) आज तक कोई चुनाव ठीक से क्यों नहीं लड़ीं? हम चाहते थे कि लोकसभा में बहन जी भाजपा के विरोध में हमारे साथ चुनाव लड़ें। लेकिन, मायावती किसी कारण से नहीं लड़ीं। इस बात का हमें काफी दुख है।

पंजाब विधानसभा चुनाव में करीब 70 नए चेहरे उतारेगी कांग्रेस

चंडीगढ़ (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारी गच्चा खाने के बाद कांग्रेस पंजाब में अपनी ताकत बढ़ाने और जमीन को मजबूत करने में जुट गई है। इसी रणनीति के तहत कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि राज्य में 2027 में होने वाले इलेक्शन में पार्टी कम से कम 60-70 नए चेहरों पर दांव लगाएगी।

वडिंग ने पंजाब युवा कांग्रेस की राज्य कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए कहा, 'पंजाब कांग्रेस 2027 के विधानसभा चुनाव में विधायक के रूप में राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए 60-70 नए चेहरों को मौका देने के लिए दृढ़ है। यह हमारे राजनीतिक नेतृत्व को पुनर्जीवित करने का संकल्प है। पंजाब के लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व ऐसे नेताओं की ओर से किया जाएगा जो गतिशील, प्रतिबद्ध और राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप हों। पीपीसीसी प्रमुख ने संगठन के भीतर सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि युवा नेताओं के रूप में आपकी यात्रा आपके कार्यों में अनुशासन और उद्देश्य के प्रति समर्पण से शुरू होती है। पार्टी के विकास और पंजाब की बेहतरी के लिए सामूहिक रूप से काम करें। अगले चुनाव से पहले हमारे पास सिर्फ 2 साल बचे हैं। यह लोगों की चिंताओं को दूर करके और उनके अधिकारों के लिए मजबूती से खड़े होकर अपनी योग्यता साबित करने का समय है। उन्होंने उपस्थित लोगों को आश्वस्त किया कि कांग्रेस पार्टी युवा नेताओं को राजनीतिक क्षेत्र में आगे बढ़ने और उत्कृष्टता हासिल करने के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

राजा वडिंग ने कहा, ये नए चेहरे न केवल बदलाव के प्रतीक होंगे बल्कि युवाओं और पंजाब के आम लोगों के विश्वास और उम्मीदों पर भी खरे उतरेंगे। उन्होंने युवा कांग्रेस के सदस्यों से इस अवसर का अटूट प्रतिबद्धता के साथ लाभ उठाने का आग्रह किया। इस बात पर जोर भी दिया कि उनके प्रयास भविष्य में अधिक मजबूत, अधिक समावेशी और एकजुट पंजाब की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कांग्रेस की

ओर से जारी बयान में वडिंग के हवाले से कहा गया, यह आपके लिए खुद को साबित करने और पंजाब के लोगों को यह दिखाने का मौका है कि हम वास्तविक और सार्थक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

तमाम आरोपों का सामना कर रहे मंत्री मुंडे लाइलाज 'बेल्स पाल्सी' बीमारी से हुए पीड़ित

मुंबई (एजेंसी)। तमाम तरह के आरोपों से घिरे महाराष्ट्र के मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता धनंजय मुंडे लाइलाज बीमारी बेल्स पाल्सी से पीड़ित हो गए हैं। इसकी जानकारी खुद मुंडे ने अपने फेसबुक एकाउंट दी। उन्होंने बताया कि फिलहाल मैं दो मिनट भी ठीक से बोल नहीं पा रहा हूं, जिसकी वजह से मैं मंत्रिमंडल की बैठक और सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो पा रहा हूं। मुंडे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री अजित पवार को भरोसा दिलाया कि वह अपनी बीमारी से उबरने और जल्द से जल्द सार्वजनिक सेवा में लौटने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बता दें कि बीते साल नौ दिसंबर को

बीड के मसाजोग में सरपंच संतोष देशमुख के अपहरण और हत्या से जुड़े जबरन वसूली के मामले में मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मिक कराड की गिरफ्तारी के बाद से वह विपक्ष और सत्तारूढ़ 'महायुति'के कुछ सहयोगियों के निशाने पर हैं। मुंडे ने कहा है कि उनका सरपंच मामले से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कृषि मंत्री रहते हुए अनियमितताओं के आरोपों का भी खंडन किया है।

क्या है बेल पाल्सी

जानकारों के मुताबिक बेल पाल्सी चेहरे मांसपेशियों के कमजोर होने या लकवा मारने से जुड़ा है। यह अचानक शुरू हो सकता है और मरीज की स्थिति 48 घंटों के भीतर बिगड़ सकती है। इसमें आमतौर पर चेहरे या सिर में दर्द और असहजता हो सकती है। यह किसी भी उम्र में हो सकता है, लेकिन अधिकांश इसका असर गर्भवती महिलाओं और डायबिटीज, इन्फ्लुएंजा, सर्दी या सांस की परेशानी से जुड़े लोगों में हो सकता है। खास बात है कि यह बीमारी स्थाई नहीं है, लेकिन दुर्लभ मामलों में यह आसानी से नहीं जाती है। फिलहाल, इस बीमारी का कोई इलाज नहीं है, लेकिन मरीज आमतौर पर 2 सप्ताह से लेकर 6 महीने के बीच रिकवरी होना शुरू हो जाती है।

1984 सिख विरोधी दंगा मामले में सज्जन कुमार की हुई सुनवाई

-कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला, पीड़ित पक्ष मांग रहा मौत की सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में 1984 सिख विरोधी दंगा मामले में कोर्ट ने कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार के खिलाफ सजा पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। पीड़ित पक्ष ने सज्जन कुमार को मौत की सजा देने की मांग की है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 1 फरवरी को सज्जन कुमार को दोषी करार दिया था। उन पर 1984 में दंगों के दौरान सरस्वती विहार में जसवंत सिंह और उसके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या का दोषी पाया है। वह पहले से ही दिल्ली कैंट मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं।

इससे पहले दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में जज कावेरी बावेजा ने शुक्रवार को बचाव पक्ष को दो दिन में लिखित दलीलें पेश करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि हम 25 फरवरी दोपहर 2 बजे के बाद सज्जन कुमार की सजा पर फैसला सुनाएंगे।

वरिष्ठ वकील एचएस फुल्का 1984 के दंगा पीड़ितों के लिए ऑनलाइन पेश हुए और अपनी लिखित दलीलें पेश कीं और मृत्युदंड की मांग की। वहीं बचाव पक्ष की ओर से अनिल कुमार शर्मा भी ऑनलाइन पेश हुए।

बता दें दिल्ली कैंट की पालम कॉलोनी में पांच सिखों की हत्या के बाद गुरुद्वारा जला दिया गया था। इस मामले में सज्जन कुमार को दोषी पाया गया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने 17 दिसंबर, 2018 को सज्जन को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। सितंबर, 2023 को राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के सुल्तानपुरी में तीन सिखों की हत्या मामले में सज्जन कुमार को बरी कर दिया था। दंगे में सीबीआई की एक अहम गवाह चाम कौर ने आरोप लगाया था कि सज्जन कुमार भीड़ को भड़का रहे थे। वहीं 1 नवंबर 1984 को सरस्वती विहार में सरदार जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या हुई थी। दंगाइयों ने लोहे के सरियों और लाठियों से हमला किया था। इसके बाद दोनों सिखों को जिंदा जला दिया गया था। इस मामले में सज्जन कुमार को 12 फरवरी, 2025 को दोषी ठहराया गया है।

22 रेलवे स्टेशन से हुई करोड़ों की कमाई बैंक तक नहीं पहुंची, कैश लिफ्टर ने की करोड़ों की हैराफेरी

-रेलवे ने जांच शुरू कर एफआईआर दर्ज करवाया

धनबाद(एजेंसी)। धनबाद रेल मंडल के 22 रेलवे स्टेशन से बैंकों में जमा कराने भेजी गई करोड़ों की रकम रास्ते में ही गायब हुई। कैश ले जाने वाली कंपनी के लिफ्टरों ने ही रेलवे की करोड़ों की राशि की हेराफेरी की। इसमें स्टेट बैंक की अधिकृत एजेंसी राइटर सेफ गार्ड लिमिटेड (डब्ल्यूएसजी) के एजेंट शामिल थे।

मामला सामने आने के बाद रेलवे ने जांच शुरू की। रेलवे का वित्त विभाग हेराफेरी की जांच में जुड़ा है। सीनियर डीसीएम अमरेश कुमार ने बताया कि 22 में से 14 स्टेशन से जुड़े मामले में प्राथमिकी दर्ज करा दी गई है। अन्य आठ स्टेशन के लिए एफआईआर की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जल्द ही एफआईआर दर्ज होगी। धनबाद रेल मंडल के 22 स्टेशन के टिकट आय की राशि में हुई हेराफेरी को लेकर वित्त विभाग आंकड़े खंगाल रहा है। वर्ष 2020 से 2024 तक के वित्तीय वर्ष का आकलन हो रहा है।

रेलवे की प्रारंभिक जांच में साल 2023 व 2024 में ही साढ़े सात-आठ करोड़ की हेराफेरी की बात सामने आई है। 2020 से अब तक की जांच पूरी होने पर हेराफेरी की रकम 25 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। धनबाद मंडल के रेलवे स्टेशनों से बैंक तक पैसा पहुंचाने वाले लिफ्टरों को एसबीआई की ओर से अधिकृत एजेंट के तौर पर आई कार्ड व विशेष नंबर जारी किए थे। साथ ही उन्हें स्क्रैच कार्ड भी दिया गया था। पूर्व मध्य रेल ने साल 2016 में स्टेट बैंक आफ इंडिया के साथ समझौता किया था। इसके तहत छोटे स्टेशन से प्राप्त होने वाली आय की रकम बैंकों में उनके एजेंट कैश लिफ्टर को सौंपा जाता है। कैश लिफ्टर वाणिज्य पर्यवेक्षक से ट्रेजरी रेमिटेंस नोट की तीन प्रतियों के साथ बैंक में रुपये जमा कराने ले जाते हैं। दो प्रति बैंक को तथा तीसरी बैंक की मुहर के साथ रेलवे के वाणिज्य पर्यवेक्षक को लौटा दी जाती है। जांच में पाया गया कि कैश लिफ्टर ने रुपये ले लिये पर बैंक में पूरी राशि जमा नहीं करते थे।

गर्व महसूस करने वाला पल, अमेरिका को तोप निर्यात करेगी भारतीय कंपनी केएसएसएल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभी तक यहीं सुनने को मिलाता था कि भारत अमेरिका से या किसी और देश से हथियार खरीद रहा है। लेकिन, अब अमेरिका भारत से हथियार खरीदेगा। आपकों इस बात पर भरोसा नहीं हो रहा होगा, लेकिन ये सच है। दरअसल भारत से आधुनिक तोप खरीदने के लिए अमेरिकी कंपनी एएम जनरल मोटर्स ने भारत फोर्ज लिमिटेड की सहायक कंपनी कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स लिमिटेड (केएसएसएल) के साथ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत भारत में निर्मित उन्नत तोपों की आपूर्ति अमेरिका को होगी। यह पहली बार है जब किसी भारतीय कंपनी ने अमेरिका को तोपों की आपूर्ति के लिए समझौता किया है। एएम जनरल दुनिया का एक प्रमुख सैन्य वाहन निर्माता है। फिलिपींस को ब्रह्मोस मिसाइल बेचने के बाद अब अमेरिकी कंपनी के साथ हुआ यह करार डिफेंस मैन्युफेक्चरिंग में भारत की बढती ताकत को दिखाता है। कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स लिमिटेड समझौते के तहत भारत में निर्मित 105एमएम और 155 एमएम कैलिबर की माउंटेड, टोव्ड और अल्ट्रा-लाइट गन सिस्टम की आपूर्ति एएम जनरल को करेगा। केएसएसएल स्वदेशी हथियार प्रणालियों, ऑफ-रोड प्रोटेक्टेड मोबिलिटी सॉल्यूशंस और उच्च-तकनीकी सैन्य उत्पादों के डिजाइन और विकास में विशेषज्ञता रखती है।

फोर्ज की तोपें पूरी तरह से इलेक्ट्रिक ड्राइव सिस्टम से चलती हैं। यह सिस्टम तोपों को विश्वसनीय बनाने के साथ साथ काफी ज्यादा घातक बनाता हैं। तोप को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि इसके रखरखाव में काफी कम खर्च हो, इस वजह से ये पसंदीदा तोप बन गया है। यह समझौता भारत और अमेरिका के बीच रक्षा औद्योगिक सहयोग को बढ़ाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा माना जा रहा है, जो हाल ही में द्विपक्षीय रक्षा चर्चाओं के बाद हुआ है।

भारत फोर्ज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर बाबा कल्याणी ने कहा, ÷अमेरिका को भारत में निर्मित महत्वपूर्ण रक्षा प्रणालियों की आपूर्ति करना एक महत्वपूर्ण कदम है। हम गर्व महसूस कर रहे हैं कि हम पहली भारतीय कंपनी हैं जो अमेरिका को तोपों की आपूर्ति करेगी। यह हमारी क्षमताओं का प्रमाण है और हमारी विश्व स्तरीय तोप समाधान प्रदाता बनने की मिशन में एक महत्वपूर्ण प्रगति है। वहीं एएम जनरल के कार्यकारी उपाध्यक्ष, जॉन चाडबोर्न ने कहा कि यह समझौता पत्र हमारे दीर्घकालिक सहयोग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।